हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-204, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, मंगलवार 07 जनवरी 2025

युवक ने स्वयं के अपहरण की दी झूठी सूचना, दो थानों की ...02

गरीबों को ठंड से राहत हेतु प्रगति वस्त्र बैंक ने कुल 170 कंबल...06

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सल ब्लास्ट 8 जवान शहीद, ड्राइवर भी मारा गया

सड़क पर 10 फीट का गड्ढा, 25 फीट ऊंचे पेड़ पर मिला गाड़ी का मलबा

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर से दूर कुटरू मार्ग पर नक्सलियों ने आईईडी विस्फोट कर सुरक्षाबलों की एक वाहन को उड़ा दिया जिससे नौ जवान शहीद हो गए तथा कुछ जवान घायल हो गये। इससे पहले मुठभेड़ में महिला माओवादी समेत पांच नक्सलियों को ढेर कर सोमवार अपराह्न लौटते समय नक्सलियों ने शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण (आईईडी) का विस्फोट किया। नक्सलियों ने ये हमला बीजापुर जिले के कुटरू-बेद्रे रोड पर उस वक्त किया, जब दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बीजापुर की संयुक्त ऑपरेशन पार्टी ऑपरेशन करके वापस लौट रही थी। हमला अपराह्न दो बजकर 15 पर कुटरू थाना क्षेत्र के अंबेली गांव के पास हुआ था। नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर सुरक्षाबल के वाहन को उड़ाया दिया। विस्फोट इतना भयंकर था कि इसके कारण मौके पर 15 फीट का गड्ढा बन गया। बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी ने इस हादसे में आठ जवान और एक ड्राइवर के शहीद होने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर व कोंडागांव की डीआरजी टीमों के साथ स्पेशल टास्क फोर्स के जवान भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि बीजापुर से दूर कुटरू थाना क्षेत्र के ग्राम अंबेली के पास आज नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर सुरक्षा बलों के जवानों को उड़ा दिया। कुछ जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल जवानों को हेलीकॉप्टर से रायपुर ले जाया गया रहा है। बीजापुर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन चल रहा था। सुबह सोमवार को सुबह सर्चिंग के लिए निकली थी। कुछ सूत्रों ने घायल जवानों की संख्या में भी बढ़ोतरी की आशंका जताई है। श्री सुंदरराज पी ने बताया कि बीजापुर से संयुक्त ऑपरेशन पार्टी ऑपरेशन कर वापस लौट रही थी। वहीं अबूझमाड़ के जंगल में शनिवार देर रात मुठभेड़ में एक डीआरजी जवान प्रधान आरक्षक सन्नू कारम शहीद हुए थे। वहीं, जवानों ने एक महिला नक्सली समेत पांच माओवादियों को भी मार गिराया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से खत्म कर दिया जाएगा। इसके लिए शाह, सुरक्षा एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। गृह मंत्रालय और नक्सल प्रभावित रायों में बैठकों के दौर चल रहे हैं। छत्तीसगढ़ सहित दूसरे रायों में सुरक्षा बलों के नए कैंप और फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) स्थापित किए जा रहे हैं।

अभी तक 200 से अधिक नए कैंप स्थापित हो चुके हैं। ऐसे में नक्सली बौखला चुके हैं। सीआरपीएफ सहित विभिन्न सुरक्षा बलों के हाथ तेजी से उनकी तरफ बढ़ रहे हैं। इसके चलते नक्सलियों के सामने नई भर्ती का भी संकट खड़ा हो गया है। एनआईए द्वारा उनके वित्तीय संसाधनों पर भी चोट की जा रही है। यही वजह है कि अब नक्सली, आईईडी ब्लास्ट का सहारा ले रहे हैं। उनके लिए आमने-सामने की लड़ाई संभव नहीं रही। नक्सलियों द्वारा पांच तरह के आईईडी ब्लास्ट किए जा रहे हैं। यहां तक कि वे ब्लास्ट के लिए 1.95 डेस्क टाइमर का इस्तेमाल कर रहे हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सलियों के सामने नई भर्ती का संकट खड़ा हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और छत्तीसगढ़ सरकार, नक्सलियों को पूर्ण सफाया करने में जुट गई है। शाह कह चुके हैं कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में यह अंतिम लड़ाई है। माओवादी गतिविधियां, आखिरी चरण में हैं। इस वजह से नक्सली बौखलाहट में हैं। वे किसी भी तरह से अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहते हैं। पिछले कुछ समय से नक्सली दस्ते आमने-सामने की लड़ाई से भाग रहे हैं। उन्हें मालूम है कि सुरक्षा बलों के साथ सीधी लड़ाई में वे बच नहीं सकेंगे। इसी वजह से माओवादी, आईईडी ब्लास्ट पर ही यादा फोकस कर रहे हैं। इसे किसी भी जगह पर दबा दिया जाता है। कोई भी दूर बैठा व्यक्ति इसे संचालित कर सकता है। सीआरपीएफ द्वारा गत वर्षों में हजारों आईईडी/टिफिन बम बरामद किए गए हैं। देश में लगभग सात सौ से अधिक ब्लास्ट मामलों की जांच कर चुके एक अनुभवी बैलिस्टिक एक्सपर्ट कहते हैं कि कुछ वर्षों से नौसिखिये आतंकी और नक्सली आईईडी/टिफिन बम का इस्तेमाल करने लगे हैं। कश्मीर, पंजाब, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों या उत्तर पूर्व में जितने भी राष्ट्र विरोधी समूह सक्रिय हैं, अब वे सीधे तौर पर सुरक्षा बलों के साथ टकराने से बचने लगे हैं। अगर कहीं पर एंबुश (घात लगाकर हमला करना) होता है तो भी उसमें विस्फोटकों का ही अधिक इस्तेमाल होता है। सीधी मुठभेड़ में उन्हें सुरक्षा बलों के हाथों भारी नुकसान उठाना पड़ता है। इसके चलते अब माओवादी संगठन, आईईडी विस्फोट तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में भारी संख्या में ऐसे विस्फोटक तैयार कराए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में तैनात सुरक्षा बलों के एक बड़े अधिकारी का कहना है कि अब सीधी मुठभेड़ का दौर खत्म हो चला है। आईईडी तकनीक के द्वारा लगभग सौ मील दूर बैठकर विस्फोट किया जा सकता है। ऐसे में नक्सली, सुरक्षा बलों के सामने मरने के लिए क्यों आएंगे। आईईडी विस्फोट करने में टाइमिंग बहुत अहम प्वाइंट है। एक्सपर्ट व्यक्ति ही इसे सुरक्षित तरीके से ब्लास्ट कर सकता है। भले ही देश में उच विस्फोटक जैसे आरडीएक्स/पीईटीएन आसानी से नहीं मिलते हैं, लेकिन कम क्षमता वाले विस्फोटक पोटाशियम, चारकोल, आर्गेनिक सल्फाइड, नाइट्रेट और ब्लैक पाउडर आदि से आईईडी और टिफिन बम तैयार कर लिए जाते हैं। छत्तीसगढ़ में तो पीडब्लूडी एवं माइनिंग विभाग, कई तरह के विकास कार्यों में जिलेटिन स्टिक का इस्तेमाल करते हैं। इसकी मदद से इम्प्रोवाइड एक्सप्लोसिव डिवाइस आईईडी, टिफिन बम और दूसरे तरह के प्रेशर बम तैयार किए जा सकते हैं। आईईडी को रिमोट कंट्रोल, इंफ्रारेड, मैग्नेटिक ट्रिगर्स, प्रेशर-सेंसिटिव बार्स या ट्रिप वायर की मदद से संचालित किया जाता है। कम आयु के नक्सलियों को रिमोट कंट्रोल से ही आईईडी विस्फोट करने की ट्रेनिंग दी जा रही है। प्रेशर कूकर बम कैसे तैयार होता है, ये भी उन्हें सिखाया गया है। आतंकी/नक्सली, यही तरीका प्रयोग में ला रहे हैं। बैलिस्टिक एक्सपर्ट के मुताबिक, अब टिफिन बम बड़े स्तर पर इस्तेमाल हो रहे हैं। रिमोट या टाइमर के द्वारा आसानी से यह ब्लास्ट हो जाता है। ऐसे ब्लास्ट तैयार करने के लिए नक्सलियों के पास कंटेनर, केमिकल, डेटोनेटर, इनिशिएटर और वायर सब कुछ होता है। डेटोनेटर को पावर देने के लिए माओवादी, ड्राई बैटरी सेल का इस्तेमाल कर रहे हैं। स्पेशल डेटोनेटर भी आने लगे हैं। स्पेशल डेटोनेटर में घड़ी का सेल लगाया जा रहा है। अगर यादा वोल्टेज की जरूरत है तो वहां तीन चार सेल जोड़ देते हैं। मार्केट में स्विच आसानी से उपलब्ध हो जाता है। बैलिस्टिक एक्सपर्ट के अनुसार, ब्लास्ट की घटना में टाइमिंग एक बड़ा फैक्टर होता है।

अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुलिवन ने मोदी से की मुलाकात

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने सोमवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार उन्होंने पिछले चार वर्षों में भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी तथा विशेष रूप से प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंतरिक्ष, असैन्य परमाणु, स्वच्छ ऊर्जा, सेमीकंडक्टर और एआई जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग में प्रगति की सकारात्मक समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने सितंबर 2024 में क्वाड नेताओं के सम्मेलन के लिए अमेरिका की अपनी यात्रा सहित राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ अपनी विभिन्न बैठकों को याद करते हुए भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में राष्ट्रपति बाइडेन के योगदान की सराहना की। प्रधानमंत्री ने श्री सुलिवन के माध्यम से भेजे गए राष्ट्रपति बाइडेन के पत्र की सराहना की। उन्होंने दोनों देशों के लोगों के लाभ तथा वैश्विक भलाई के लिए दोनों लोकतंत्रों के बीच घनिष्ठ सहयोग को और अधिक गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति बाइडेन और प्रथम महिला डॉ. जिल बाइडेन को अपनी शुभकामनाएं दीं।

42 दिन से अनशन पर डल्लेवाल

अचानक बिगड़ी किसान नेता जगजीत सिंह की तबीयत, रक्तचाप में गिरावट, सभी अलर्ट

चंडीगढ़, एजेंसी। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की तबीयत धरने पर सोमवार रात को अचानक बिगड़ गई। उनके रक्तचाप में अचानक गिरावट हुई है। डॉक्टर की टीम मौके पर मौजूद है। सभी अलर्ट हैं। बता दें कि डल्लेवाल मंच पर भाषण देने में भी असमर्थ थे। इसके चलते तंबू में ही डल्लेवाल के स्वास्थ्य की देखभाल की जा रही थी। सोमवार रात को डल्लेवाल की तबीयत गंभीर हो गई और वह बेहोश हो गए। खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन को सोमवार को 42 दिन पूरे हो गए। डल्लेवाल की सेहत लगातार नाजुक बनी हुई है और इसी बीच किसान नेता से सुप्रीम कोर्ट की ओर से बनाई हाई पावर कमेटी ने सेवानिवृत्त जज नायब सिंह की अगुवाई में मुलाकात की। कमेटी की ओर से डल्लेवाल को मेडिकल ट्रीटमेंट लेने की अपील की गई। पूर्व जज नायब सिंह ने डल्लेवाल से कहा कि आपकी सेहत व जिंदगी की जरूरत है, इसलिए बेशक अपना अनशन समाप्त न करें, लेकिन मेडिकल ट्रीटमेंट ले लें। जवाब में डल्लेवाल ने कहा कि किसानी पहले है और उनकी सेहत बाद में है। डल्लेवाल ने एक बार फिर से मेडिकल ट्रीटमेंट लेने की अपील को ठुकरा दिया। कमेटी में खेतीबाड़ी माहिर देविंदर शर्मा, अर्थशास्त्री रणजीत घुम्मन, पंजाब फार्मर्स कमीशन के चेयरपर्सन सुखपाल सिंह, पूर्व डीजीपी बीएस संधू एवं अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी शामिल रहे। डल्लेवाल ने मुलाकात के दौरान कमेटी सदस्यों से कहा कि उनकी ज़िंदगी से ज्यादा महत्वपूर्ण उन किसानों की जिंदगियां थीं।

इसरो ने स्पैडेक्स मिशन की डॉकिंग दो दिन के लिए टली, 09 जनवरी को होगा प्रदर्शन

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सात जनवरी को स्पैडेक्स उपग्रह के डॉकिंग तकनीक के प्रदर्शन को दो दिनों के लिए बढा दिया है और अब 09 जनवरी को इसरो दुनिया के सामने अंतरिक्ष में डॉकिंग तकनीकी का प्रदर्शन करेगा। अगर यह प्रयोग सफल रहा तो भारत ऐसा करने वाला अमेरिका, रूस और चीन के बाद दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। इसरो ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सात जनवरी को होने वाली स्पैडेक्स डॉकिंग को अब नौ जनवरी तक के लिए टाल दिया है। इसरो ने देरी के कारण हुई असुविधा के लिए खेद भी व्यक्त किया है। अंतरिक्ष एजेंसी ने आज कहा कि डॉकिंग प्रक्रिया को आज पहचाने गए निरस्त परिदृश्य के आधार पर ग्राउंड सिमुलेशन के माध्यम से और अधिक सत्यापन करने की आवश्यकता है। दिसंबर को स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया था। पीएसएलवी सी60 रॉकेट ने दो छोटे उपग्रहों एसडीएक्स01 और एसडीएक्स02 और 24 पेलोड के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले लॉन्च पैड से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के लगभग 15 मिनट बाद करीब 220 किलोग्राम वजन वाले दो छोटे अंतरिक्ष यान को 475 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में प्रक्षेपित किया गया था। भारत स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट तकनीक का सफल प्रक्षेपण करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। स्पैडेक्स मिशन दो पेलोड ले गया - स्पैडेक्स-ए और स्पैडेक्स-बी। लगभग 15-16 मिनट की उड़ान अवधि के बाद, स्पैडेक्स उपग्रहों, चेज़र और टारगेट की जोड़ी को 55 डिग्री के झुकाव के साथ पूर्व दिशा में 475 किमी गोलाकार कक्षा में स्थापित किया गया। प्रत्येक का वजन 220 किलोग्राम था।

भारत ने की अफगानिस्तान में पाकिस्तानी वायुसेना की बमबारी की निंदा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पाकिस्तानी वायुसेना की ओर से अफगानिस्तान के अंदर बमबारी करके अफगान नागरिकों को निशाना बनाये जाने की निंदा की है और कहा है कि अपनी गलतियों के लिए पड़ोसियों को दोषी ठहराना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अफगानिस्तान में पाकिस्तान के हवाई हमलों के संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, हमने महिलाओं और बच्चों सहित अफगान नागरिकों पर हवाई हमलों की मीडिया रिपोर्टों पर गौर किया है, जिसमें कई जानें चली गई हैं। हम निर्दोष नागरिकों पर किसी भी हमले की स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि अपनी आंतरिक विफलताओं के लिए अपने पड़ोसियों को दोषी ठहराना पाकिस्तान की पुरानी आदत है।

एचएमपीवी पर बोले स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, ये कोई नया वायरस नहीं, हम हालात पर नजर बनाए हुए हैं

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत में अब तक ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के तीन मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें से दो कर्नाटक में और एक गुजरात में है। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारी इस बात पर जोर दे रहे हैं कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि यह कोई नया रोगज़नक़ नहीं है। उन्होंने कहा कि नियमित फ्लू शॉट्स या यहां तक कि तीन कोविड वैक्सीन की खुराक व्यक्ति को इस संक्रमण से प्रतिरक्षित बनाती है। वहीं, अब केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा का भी बयान सामने आया है। जेपी नड्डा ने कहा कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया है कि एचएमपीवी कोई नया वायरस नहीं है। इसकी पहचान पहली बार 2001 में हुई थी और यह कई सालों से पूरी दुनिया में घूम रहा है। एचएमपीवी श्वसन के माध्यम से हवा में फैलता है। यह सभी आयु वर्ग के व्यक्तियों को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह वायरस सर्दियों और शुरुआती वसंत महीनों के दौरान अधिक फैलता है। हालिया रिपोर्टों पर, चीन में एचएमपीवी के मामले, स्वास्थ्य मंत्रालय, आईसीएमआर और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र चीन के साथ-साथ पड़ोसी देशों की स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। डब्लूएचओ ने स्थिति का संज्ञान लिया है और शीघ्र ही अपनी रिपोर्ट हमारे साथ साझा करेगा। नड्डा ने कहा कि आईसीएमआर और एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के पास उपलब्ध श्वसन वायरस के देश के आंकड़ों की भी समीक्षा की गई है और भारत में किसी भी सामान्य श्वसन वायरल रोगजनकों में कोई वृद्धि नहीं देखी गई है। स्थिति की समीक्षा के लिए 4 जनवरी को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक की अध्यक्षता में संयुक्त निगरानी समूह की बैठक हुई। उन्होंने कहा कि देश की स्वास्थ्य प्रणालियाँ और निगरानी नेटवर्क सतर्क रहते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि देश किसी भी उभरती स्वास्थ्य चुनौती का तुरंत जवाब देने के लिए तैयार है।

भारतीय परमाणु संस्थाओं को प्रतिबंध सूची से बाहर करने के उपायों पर विचार: विमर्श

नयी दिल्ली। भारत और अमेरिका ने अंतरिक्ष एवं असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (एमटीसीआर) में छूट देने और भारतीय परमाणु संस्थाओं को प्रतिबंध सूची से बाहर करने के उपायों पर सोमवार को विचार विमर्श किया। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के बीच आज यहां हुई एक बैठक में यह विचार मंथन किया गया। अमेरिकी एनएसए सुलिवन के साथ अमेरिकी सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी था। बैठक के बाद जारी एक संयुक्त वक्तव्य में कहा गया कि दोनों एनएसए के बीच व्यापक द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक एजेंडे पर व्यापक चर्चा के माध्यम से नियमित रूप से उच्च स्तरीय बातचीत हुई है। 24 मई 2022 को टोक्यो में क्वाड शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति जोसेफ बिडेन द्वारा महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों (आईसीईटी) पर भारत-अमेरिका पहल के शुभारंभ के बाद, दोनों एनएसए ने दोनों देशों के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार, रक्षा और अंतरिक्ष सहित कई क्षेत्रों में ठोस पहल की है। वक्तव्य के अनुसार वर्तमान यात्रा ने उन्हें रक्षा, साइबर और समुद्री सुरक्षा जैसे विविध क्षेत्रों सहित अपने उच्च-स्तरीय संवाद में चल रही प्रगति की समीक्षा करने का अवसर दिया। अमेरिकी एनएसए जेक सुलिवन ने भारतीय पक्ष को मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था (एमटीसीआर) के तहत अमेरिकी मिसाइल निर्यात नियंत्रण नीतियों के लिए बिडेन प्रशासन द्वारा लाए गए संशोधन के बारे में जानकारी दी, जो भारत के साथ अमेरिकी वाणिज्यिक अंतरिक्ष सहयोग को बढ़ावा देगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश के प्रगतिशील दृष्टिकोण का परिचायक: बिरला

नयी दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने में महिलाओं की परिवर्तनकारी और महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला नेतृत्व के लिए भारत के प्रगतिशील दृष्टिकोण का प्रमाण है। श्री बिरला ने कहा कि विशेष रूप से ग्रामीण और जनजातीय समुदायों से जुड़ी महिलाओं की भागीदारी और उनका सशक्तीकरण सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण है। महिला-पुरुष समानता को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए, नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिला नेतृत्व के लिए भारत के प्रगतिशील दृष्टिकोण का प्रमाण बताया। श्री बिरला संविधान सदन के ऐतिहासिक केन्द्रीय कक्ष में आयोजित 'पंचायत से पार्लियामेंट 2.0' कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय महिला आयोग और जनजातीय कार्य मंत्रालय के सहयोग से लोक सभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा आयोजित किया गया था। इस अवसर पर केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम, केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह और राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहटकर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) की 500 से अधिक जनजातीय महिला प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम महिलाओं के नेतृत्व में विकास और जमीनी स्तर पर सशक्तीकरण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। भारत की लोकतांत्रिक और विकास यात्रा में महिलाओं के अमूल्य योगदान को स्वीकार करते हुए, श्री बिरला ने संविधान सभा की उन 15 महिला सदस्यों का स्मरण किया।

कनाडा में जस्टिन ट्रूडो का पीएम पद से इस्तीफा, राजनीतिक अस्थिरता बढ़ने के संकेत

ओटावा, एजेंसी। कनाडा में प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद उनके 10 साल पुरानी सत्ता का अंत हो गया। ट्रूडो ने भारतीय समयानुसार रात करीब 10 बजे इस्तीफे का एलान किया। जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे से पहले एक अधिकारी ने बताया कि सरकार के प्रति बढ़ते असंतोष के कारण उन्होंने पद छोड़ने का फैसला लिया। ट्रूडो के अलावा वित्त मंत्री भी इस्तीफा दे चुके हैं। ऐसे में कनाडा की राजनीति में अस्थिरता बढ़ने के संकेत हैं। कनाडाई सरकार के एक अधिकारी ने कहा, सत्ताधारी लिबरल पार्टी में अगले नेता का चुनाव होने तक ट्रूडो कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहेंगे। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि देश की संसद का सत्र 27 जनवरी से प्रस्तावित था। अब इस्तीफे के कारण संसद की कार्यवाही 24 मार्च तक स्थगित रहेगी।अधिकारी ने बताया कि 24 मार्च तक लिबरल पार्टी अपने नए नेता का चुनाव कर लेगी। सियासी उथल-पुथल के बीच यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि कनाडा में आम चुनाव कब कराए जाएंगे। वहीं, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा, मैं पार्टी नेता के पद से तथा पार्टी द्वारा अगले नेता का चयन करने के बाद प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दे रहा हूं... कल रात मैंने लिबरल पार्टी के अध्यक्ष से यह प्रक्रिया शुरू करने को कहा। जस्टिस ट्रूडो 2015 में प्रधानमंत्री बने थे। उससे पहले दस साल तक कनाडा में कंजर्वेटिव पार्टी का शासन था। शुरुआत में उनकी नीतियों को सराहा गया था। लेकिन हाल के वर्षों में बढ़ती खाद्य और आवास की कीमतों और बढ़ते आप्रवासन के कारण उनका समर्थन घट गया है। यह राजनीतिक उथल-पुथल ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर कनाडा अपने यहां अमेरिका में आने वाले अप्रवासी और नशीली दवाओं को रोकने में विफल रहा तो, कनाडा के सभी सामानों पर 25 फीसदी शुल्क लगा दिया जाएगा। कनाडा की पूर्व वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने 16 दिसंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अर्थव्यवस्था से जुड़े ट्रूडो के फैसलों की आलोचना की थी। फ्रीलैंड और ट्रूडो के बीच नीतियों पर मतभेद थे। फ्रीलैंड का कहना था कि इस समय कनाडा को आर्थिक रूप से मजबूत रहना चाहिए और खर्चों को नियंत्रण में रखना चाहिए, ताकि अगर अमेरिका से किसी प्रकार के आर्थिक दबाव या शुल्क का सामना करना पड़े, तो कनाडा के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधन हों। उनका मानना था कि ब्रिकी कर पर अस्थायी छूट और नागरिकों को 250 डॉलर भेजने जैसी योजनाएं राजनीतिक दिखावा हैं और इनसे आर्थिक स्थिति पर बुरा असर पड़ सकता है। जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद उनकी जगह अंतरिम और पूर्णकालिक प्रधानमंत्री कौन बनाया जा सकता है।

युवक ने स्वयं के अपहरण की दी झूठी सूचना, दो थानों की पुलिस ने किया खुलासा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता
हरदोई

हरदोई। पिहानी क्षेत्र के रहने एक युवक ने स्वयं के अपहरण की झूठी खबर अपने परिजनों को दे दी। इतना ही नहीं युवक ने परिजनों को एक वीडियो भी भेजा जिसमें वह रस्सी से बंधा हुआ था। जिससे परिजन घबरा गए। एसपी नीरज कुमार जादौन के निर्देश पर थाना पाली और सवायजपुर पुलिस ने अपहरण की झूठी सूचना का खुलासा करते हुए युवक को बरामद कर लिया। एसपी नीरज कुमार जादौन ने बताया कि पिहानी थाना क्षेत्र के बंदरहा निवासी संजय कुमार पुत्र बलराम ने रविवार रात करीब 9 बजे थाने पर सूचना दी कि उनके भाई संदीप पुत्र बलराम जो कि पाली स्थित मिर्जापुर सेन्टर गन्ना तौल केन्द्र पर पिछले एक माह से काम कर रहा है। किसी ने उसके भाई का अपहरण कर लिया है,तथा एक नंबर दिया जिसपर पैसा भेजने के लिये कहा गया तथा एक वीडियों भी भेजा जिसमें उसका भाई रस्सी से बंधा हुआ है। पैसा न भेजने पर तुम्हारे भाई का मर्डर कर दूंगा। दरअसल मामले की जानकारी मिलते ही एसपी हरदोई नीरज कुमार जादौन ने घटना को संज्ञान में लेकर तत्काल वह मौके पर पहुंचे और उन्होंने अपहृत की सकुशल बरामदगी हेतु कई पुलिस टीम को लगाया। एसपी ने बताया कि थाना पाली व सवायजपुर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए संदीप पुत्र बलराम को उसके मोबाइल फोन सहित रुपापुर से सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में संदीप ने बताया कि बीती 30 दिसंबर को शाहाबाद-आंझी के पास संदीप की मोटरसाइकिल से किसी बुजुर्ग के साथ दुर्घटना हो गयी थी, तथा दुर्घटना में बुजुर्ग का पैर टूट गया था। जिनके ईलाज हेतु संदीप द्वारा पैसों की व्यवस्था करने के लिये अपने अपहरण की झूठी कहानी बनाकर अपने भाई संजय कुमार के मोबाइल फोन पर रुपये भेजने के मैसेज किए थे। बताया कि उसी ने अपने हाथ-पैर रस्सी से बांधकर वीडियो बनाया था। एसपी नीरज कुमार जादौन ने समस्त जनपद वासियों से अपील करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति फर्जी खबर पुलिस को न दें जिससे बेवजह पुलिस को परेशान होना पड़े। बताया कि कल रात कोहरा बहुत था लेकिन फिर भी पुलिस पूरी रात युवक की तलाश करती रही। एसपी ने बताया कि पुलिस ने युवक को रूपापुर से सकुशल बरामद कर लिया।

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में एक पत्रकार सम्मेलन का हुआ आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, धनबाद में एक पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा ने सम्मेलन में उपस्थित पत्रकारों को संबोधित करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के दिसम्बर माह एवं अप्रैल से दिसम्बर माह में धनबाद मंडल के प्रदर्शन एवं उपलब्धियों की जानकारी दी । इस अवसर पर मंडल के अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे द्य

किट्टू ठाकुर बने करणी सेना के विधानसभा अध्यक्ष

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मैनपुरी

मैनपुरी। किशनी ब्लॉक मैनपुरी क्षेत्र के गांव बिछिया में सोमवार को करणी सेना के जिलाध्यक्ष उदित चौहान के आवास पर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सर्वप्रथम दर्जनों युवाओं ने जिलाध्यक्ष को माला पहनाकर व प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। बैठक में सभी हिंदू समाज को एकत्रित करके साथ लेकर चलने की बात कही गई। वही एक मुहिम चलाकर युवा पीढ़ी को नशा छुड़ाने का संदेश दिया गया। जिसके बाद युवा कार्यकारणी का विस्तार किया गया। जिसमे संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरजपाल अम्मू के निर्देश पर जिलाध्यक्ष उदित चौहान ने किट्टू ठाकुर को विधानसभा अध्यक्ष किशनी युवा शक्ति के पद पर नियुक्त किया। वही अंशुल चौहान को विधानसभा महामंत्री व जानू ठाकुर को विधानसभा उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया। किट्टू ठाकुर ने कहा हमें संगठन ने जो जिम्मेदारी सौपी है। उसे मैं बखूबी निभाऊंगा। इस मोके पर शुभम मिश्रा, देव यादव, अक्षय कुमार, सचिन शर्मा, सुधांशु राठौर, कुनाल ठाकुर, शिवम राठौर आदि दर्जनों युवा मौजूद थे।

सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय वर्मा को बधाई देने वालों का सिलसिला जारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता शाहजहांपुर

शाहजहांपुर। सेंट्रल बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजय वर्मा के आवास पर पहुंचकर राष्ट्रीय गौरवशक संघ के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ यशवंत मैथिल ने अंग वस्त्र और पुष्प गुच्छ भेंटकर अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि श्री वर्मा अधिवक्ता हितों के लिए समर्पित एक जुझारू व्यक्ति हैं उनके विजयी होने से संगठन को बल मिलेगा। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वरिष्ठ अधिवक्ता अरशद अब्बास,पूर्व महासचिव अनित त्रिवेदी वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप त्रिवेदी, कार्यकारिणी सदस्य अवनीश सिंह आदि ने उनके आवास पर पहुंचकर शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

सहयोग संस्था ने चलाया लंगर

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता शाहजहांपुर

शाहजहांपुर। समाजसेवी सहयोग संस्था शाहजहांपुर के पदाधिकारियों ने महानगर के रोडवेज फाटक पर पहुंचकर सभी राहगीरों को गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व पर लंगर छकाया । संस्था के उपाध्यक्ष सरदार हरजिंदर सिंह उर्फ राजा ने कहा कि हमारी संस्था में सभी धर्म के लोग जुड़े हैं, लेकिन मानव धर्म सबसे ऊपर है ,और मानव धर्म हमें संदेश देता है कि सभी लोग आपस में मिलजुल कर रहे हैं ,और एक दूसरे का पूरा ख्याल रखें । और यह कार्य हमारी संस्था बहुत ही अच्छे से कर रही है । कार्यक्रम में संस्था के संरक्षक अनिल गुप्ता प्रधान, विकास सक्सेना,शालू यादव,रजनी गुप्ता, सरदार हरजीत सिंह , हरपिंदर सिंह ,कश्मीर सिंह ,जगजीत सिंह ,सैय्यद अनवर मियां ,तराना जमाल, नुजहत अंजुम, आदि सभी मौजूद रहे ।

पुलिया से गिरी आल्टो कार एक महिला की मौत, आठ घायल

धनबाद । तिसरा थाना क्षेत्र अंतर्गत गोलकडीह पुलिया के नीचे गिरने से अल्टो कार संख्या जेएच 10 वी 7175 में सवार नौ व्यक्तियों में से एक महिला की मृत्यु हो गयी। और आठ घायल हो गये , गोलकडीह के रहने वाले मुख्तार शेख का परिवार झरिया के शाह नगर एक वैवाहिक समारोह में शामिल होने के लिए गया हुआ था, सोमवार की सुबह गोलकडीह आते समय 6-30 बजे ड्राइवर के झपकी लेने से यह घटना घटी, गाड़ी अनियंत्रित होकर लगभग 30 फीट पुलिया के नीचे गिर गयी जिससे कि महिला सलमा शेख(24 वर्ष) पति गोल्डन शेख की मृत्यु हो गयी। घायलों में मुख्तार शेख, शाहनवाज शेख, मलका शेख, अफसरा शेख, तानिवा 3 वर्ष, अल्फी शेख 3 वर्ष, दो एक माह के बच्चे शामिल थे । शाहनवाज शेख मुख्तार शेख का ही लड़का था गाड़ी चला रहा था जिसे काफी गंभीर चोट लगी है सभी का इलाज झरिया के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने शव का पंचनामा करके महिला को पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमसीएच धनबाद भेज दिया है, गाड़ी को भी जपत करके थाने ले आई है।

जेल मे बंदियों का हुआ स्वास्थ्य जांच

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में सोमवार को धनबाद जेल में मेडिकल शिविर का आयोजन किया गया । इस बावत जानकारी देते हुए प्राधिकार के सचिव सह अवर न्यायाधिश राकेश रोशन ने बताया की जेल अदालत में डॉ. राजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने बंदियों का स्वास्थ्य जांच किया और उसे विभिन्न तरह की दवाइयां भी प्रदान की गई ।जिन बंदियों को बेहतर इलाज के लिए आवश्यकता महसुस की गई उनके इलाज के लिए प्रशासन को लिखा गया। इस मौके पर एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेंदू, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक सुमन पाठक, कन्हैया लाल ठाकुर, नीरज गोयल, शैलेन्द्र झा,कारा अधीक्षक , डालसा सहायक,अरुण कुमार, राजेश सिंह उपस्थित थे ।

दरंग जिले में अंतिम मतदाता सूची जारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - पंकज नाथ

असम। दरंग जिले के आयुक्त कार्यालय के मीटिंग हॉल में आज आयोजित एक समारोह में जिले की %अंतिम फोटो मतदाता सूची, 2025% जारी की गई। विभिन्न राजनीतिक दलों के जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में अंतिम मतदाता सूची जारी करने के बाद, जिला आयुक्त तथा जिला निर्वाचन अधिकारी पराग कुमार काकती ने पत्रकार को सूची में शामिल मतदाताओं की कुल संख्या, नए मतदाताओं की संख्या, नाम हटा दिए गए व्यक्तियों की संख्या आदि के बारे में सूचित करता है। पत्रकारों से बात करते हुए, जिला आयुक्त ने कहा कि इस अंतिम मतदाता सूची के अनुसार, दरग जिले में मतदाताओं की कुल संख्या 7,25,517 है। इनमें से 3,65,872 पुरुष, 3,59,627 महिला और 18 थर्ड जेंडर के मतदाता हैं। इस अंतिम मतदाता सूची के अनुसार, 49 सिपाझार विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या 2,08,535 है। इनमें 1,05,484 पुरुष, 1,03,046 महिला और तीसरे लिंग के पांच मतदाता शामिल हैं। 50 मंगलदोई विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या 2,01,917 है। इनमें से 1,01,197 पुरुष वोटर, 1,00,718 महिला मतदाता और 2 थर्ड जेंडर के मतदाता हैं। 51 दलगांव विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की कुल संख्या 3,15,065 है। इनमें से 1,59,191 पुरुष मतदाता, 1,55,863 महिला मतदाता और 11 थर्ड जेंडर के मतदाता हैं। इस अंतिम मतदाता सूची में 9,108 नए मतदाताओं के नाम शामिल किए गए हैं। इसके अलावा, तीनों निर्वाचन क्षेत्रों में जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, उनकी संख्या 4,291 है और जिन मतदाताओं का नाम बदला गया है और स्थानांतरित किया गया है, उनकी संख्या 6661 है। इस अवसर पर दरंग के अतिरिक्त जिला आयुक्त मानस सैकिया, रिटर्निंग अधिकारी निवेदिता बोरठाकुर और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आईआईटी आईएसएम में कार्यकारी विकास कार्यक्रम का हुआ आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। आईआईटी आईएसएम धनबाद के मैनेजमेंट स्टडीज एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट ने प्रोजेक्ट एंड फाइनेंसियल मैनेजमेंट विथ एमएस प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एंड सिमुलेशन सॉफ्टवेर फॉर एक्सेक्यूटिवेस ऑ? एसइसीएल नामक एक पांच दिवसीय कार्यकारी विकास कार्यक्रम शुरू किया है। यह कार्यक्रम साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, बिलासपुर द्वारा प्रायोजित है और 6 जनवरी से 10 जनवरी 2025 तक चलेगा।सोमवार को एमडीआई एससीएल बिलासपुर में आयोजित उद्घाटन समारोह में प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें डॉ. पी. एस. मिश्रा, सीएमडी, एस सी इ एल बिलासपुर, प्रो. सुकुमार मिश्रा, निदेशक, आईआईटी आईएसएम धनबाद, (ऑनलाइन मोड मि)बिरांची दास, डायरेक्टर (पर्सनेल) एस इ सी एल प्रो. रजनी सिंह, डीन, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस, आईआईटी आईएसएम प्रो. जे.के. पटनायक, प्रोफेसर, प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग; प्रो. रश्मि सिंह, कार्यक्रम समन्वयक; और प्रो. नीलाद्रि दास, सह-समन्वयक शामिल थे।कार्यक्रम का नेतृत्व प्रो. रश्मि सिंह, सहायक प्रोफेसर और इडीपी समन्वयक, और प्रो. नीलाद्रि दास, एसोसिएट प्रोफेसर और सह-समन्वयक द्वारा किया जा रहा है। यह कार्यक्रम एस इ सी एल के वरिष्ठ और मध्य-स्तर के प्रबंधन अधिकारियों की क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। कार्यक्रम में 32 प्रतिभागी शामिल हैं, जिनमें महाप्रबंधक, मुख्य प्रबंधक, वरिष्ठ प्रबंधक, प्रबंधक और उप-प्रबंधक शामिल हैं। यह प्रशिक्षण कोयला खनन क्षेत्र के लिए नवीनतम परियोजना और वित्तीय प्रबंधन प्रथाओं और सॉफ्टवेयर के व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने पर केंद्रित है। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रो. रश्मि सिंह ने कोयला खनन क्षेत्र में प्रभावी परियोजना प्रबंधन और सिमुलेशन उपकरणों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की क्षमता निर्माण पहलें परिचालन दक्षता को बढ़ाने और राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा प्राप्त करने में सहायक होती हैं। उन्होंने कहा कार्यकारियों को अत्याधुनिक तकनीकी प्रगति और परियोजना सॉफ्टवेयर से अवगत कराना देशभर में कोयला खनन परियोजनाओं के प्रभावी प्रबंधन के लिए आवश्यक है। इस इडीपी में 18 विशेषज्ञ सत्र शामिल हैं, जिनमें विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए जाएंगे ,जैसे -रणनीतिक वित्तीय प्रबंधन- प्रो. जे.के. पटनायक नेतृत्व और प्रेरणा- प्रो.रजनी सिंह एप्लीकेशन सॉफ़्टवेयर के साथ परियोजना योजना और अनुसूची-प्रो. संदीप मंडल सिमुलेशन सॉफ़्टवेयर के साथ जोखिम विश्लेषण और प्रबंधन- प्रो.रश्मि सिंह खनन परियोजनाओं में लागत मुद्दे, वित्तीय स्रोत और कार्यशील पूंजी प्रबंधन- प्रो. नीलाद्रि दास परियोजनाओं का वित्तीय मूल्यांकन और वित्तीय विवरण विश्लेषण- प्रो. नीलाद्रि दास,इसके अतिरिक्त, बाहरी विशेषज्ञ निम्नलिखित विषयों पर अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करेंगे।खनन उद्योग में एजाइल प्रबंधन- प्रो. राम कुमार एम. (आईआईएम रायपुर)खनन परियोजनाओं में स्थिरता मुद्दे- प्रो. गणेश शुक्ला।यह कार्यक्रम अकादमिक कठोरता और नवाचार के माध्यम से उद्योग प्रथाओं में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी आईएसएम धनबाद की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

किन्नरों ने अखिल भारतीय किन्नर समाज का अधिवेशन के पांचवां दिन किया जन प्रतिनिधियों को सम्मानित

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। देश की कोयला राजधानी धनबाद में इन दोनों किन्नरों का महाजुटान देखने को मिल रहा हैं। अगर माना जाय तो यह धनबाद जिला में एक ऐसा सम्मेलन हो रहा है जो की अन्य सम्मेलनों से अलग हटकर यह सम्मेलन देखा जा रहा है। सम्मेलन में हमारे भारत देश ही नहीं विदेश से भी कई किन्नर भाग ले रहे हैं । सोमवार को किन्नर समाज के द्वारा जन प्रतिनिधियों का सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। इस दौरान धनबाद सांसद ढुलू महतो भी अधिवेशन में पहुंचे और उन्हें भी किन्नरों ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया ।

करोना काल में किन्नरों के आशीर्वाद का हमारे ऊपर दिखा असरःमथुरा

इस अवसर पर मथुरा महतो ने कहा कि कोरोना काल के समय से ही किन्नरों का आशीर्वाद हमारे ऊपर बनी हुई है मैं किन्नरों के हर कार्यक्रम में शिरकत करता हूं और उनका आशीर्वाद लेता हूं । विधायक राज सिन्हा ने कहां की झारखंड के कोयला राजधानी धनबाद में आए किन्नरों को पूरा कोयलांचल स्वागत करता है और मुझे उम्मीद ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप लोगों के आशीर्वाद से हमारा धनबाद हमेशा चमकता रहेगा।

विधायक राज सिन्हा किन्नरों पर करेंगे पुष्प वर्षाः राज सिन्हा

श्री सिन्हा ने कहा कि कल किन्नरों का जो महा रैली धनबाद शहर में निकलेगी तो हमारे तरफ से पुष्प वर्षा और पेयजल की व्यवस्था किया जाएगा।

इस मौके पर अध्यक्ष छम छम देवी नायक, आलव्या नायक,बबीता नायक,ज्योति नायक, जोधाबाई नायक,अरुणा नायक,लालन नायक,मुन्नी नायक,निर्मला किन्नर, श्वेता किन्नर आदि मौजूद थे।

किन्नरों की विशाल उपस्थिति से धन्य हो गया धनबादः ढुल्लू महतो

इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज हमारा धनबाद आपलोगों की उपस्थिति में धन्य हो गया । मुझे छम छम माता का आशीर्वाद बचपन से ही मिलता आया है । और मैं छम छम माता की बातों पर अमल करता हूं । आप लोग धनबाद को ऐसा आशीर्वाद दें जिससे धनबाद की चौमुखी विकास हो।टुंडी विधायक व झारखंड सरकार के मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो, धनबाद विधायक राज सिन्हा को शॉल और सम्मानित किया।

आवारा पशुओं का आतंक, प्रशासन की अनदेखी से जनता में आक्रोश

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता मैनपुरी

कुरावली। जगह जगह लोगो को आवारा पशुओं से परेशानी सामने आ रही है। कही किसान खेत के उजाड़ से, कही चालक सड़क पर टहल रहे आवारा पशुओं से, तो कही परिजन गलियों में टहल रहे पशुओं से परेशान और बेबस नजर आ रहे है। वही नगर के लोगो ने सामने आ कर आवारा सांडों और गायों के आतंक, प्रशासन को सुनने के लिए खुल कर अपनी चिंता बताई है। ये पशु न केवल खेतों की फसलों को बर्बाद कर रहे हैं बल्कि लोगों को भी चोट पहुंचा रहे हैं। किसानों की मेहनत का फल इन आवारा पशुओं के कारण बर्बाद हो रहा है। सब्जियां, गेहूं और अन्य फसलें इनके निशाने पर हैं। लोगों का कहना है कि जब वे मिलकर इन पशुओं को भगाने की कोशिश करते हैं तो ये उन पर हमलावर हो जाते हैं। कई लोग इस दौरान घायल भी हो चुके हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से कई बार शिकायत की है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। निराश और बेबस लोग लगातार प्रशासन से इस मुसीबत से निजात दिलाने की गुहार लगा रहे है। आवारा पशुओं को अपने अपने खेतो से हाक कर दूसरे स्थान छोड़ आते है परंतु कुछ देर बाद यह मुसीबत वापस अपने खेतो में पाते है। रात के समय किसान अपनी फसलों की रक्षा के लिए खेतों में ही पहरा देते हैं। मुख्यमंत्री के आदेश के बावजूद आवारा पशु सड़कों पर खुलेआम घूम रहे हैं। प्रशासन की इस उदासीनता से लोग काफी नाराज हैं।

सस्पेंड किये गए आईएएस अधिकारी संजीव हंस

➢ अवैध कमाई केस में आईएएस को किया गया है अरेस्ट

तीसरा विकल्प न्यूज़ - कन्हैया सिंह

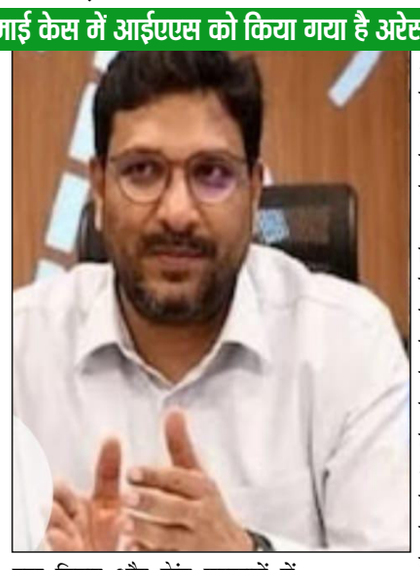

जमुई पटना। बिहार के बड़े आईएएस अफसरों में शुमार रहे संजीव हंस सस्पेंड कर दिए गए हैं। केंद्रीय कार्मिक विभाग ने उनके निलंबन की अनुमति दे दी है। अंकित करने वाली बात है कि संजीव हंस पर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की जांच चल रही है। उनपर आय से अधिक संपत्ति और पद के दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार के माध्यम से अवैध संपत्ति बनाने का आरोप है। ईडी इस मामले की फिलहाल जांच कर रही है और संजीव हंस फिलहाल जेल में बंद हैं। लगभग छः महीने पहले नीतीश सरकार ने संजीव हंस को पद मुक्त कर दिया था। पिछले ही महीने संजीव हंस से जुड़े मामले में 2000 की सप्लीमेंट्री चार्जशीट ईडी ने दायर की थी। इसमें राजद के पूर्व विधायक गुलाब यादव समेत अन्य कई लोगों को भी आरोपी बनाया गया था। चार्जशीट में बताया गया था कि वर्ष 2018 से लेकर 2023 तक बिहार और केंद्र सरकारों में अलग-अलग पदों पर रहते हुए संजीव हंस ने भ्रष्टाचार किया और काली कमाई के जरिए अकूत संपत्ति अर्जित की।भ्रष्टाचार के इस आरोप के तहत आईएएस संजीव हंस और उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर जांच एजेंसी ने पटना , दिल्ली , कोलकाता समेत कई अन्य शहरों में छापेमारी की थी। इसके अतिरिक्त उनकी पत्नी से भी पूछताछ की गई थी। उल्लेखनीय है कि संजीव हंस और गुलाब यादव को ईडी ने बीते 18 अक्टूबर को ही गिरफ्तार किया था और उस समय से ही वे दोनों जेल में बंद हैं। यह भी बता दें कि बिहार सरकार ने उन्हें सभी पदों से छः महीने पहले ही हटा दिया गया था और उनके निलंबन की कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही थी। बिहार सरकार ने आय से अधिक संपत्ति और भ्रष्टाचार के मामले में घिरे आईएएस संजीव हंस बिहार सरकार के ऊर्जा विभाग में प्रधान सचिव के पद पर थे। इसके अलावा बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी के एमडी की जिम्मेदारी भी संभाल रहे थे। इसी दौरान भ्रष्टाचार का यह मामला उजागर हुआ और उन्हें पद मुक्त कर दिया गया।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर हाई लेवल टीम पहुंची धनबाद मंडल कारा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी के नेतृत्व में सोमवार को न्यायिक पदाधिकारी तथा जिला प्रशासन की हाई लेवल टीम धनबाद मंडल कारा पहुंची। इसकी जानकारी देते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि कुछ रिपोर्ट और सामाजिक संगठनों द्वारा यह आशंका जताई गई थी कि जेल में जातिगत भेदभाव हो सकता है। बंदियों के बीच झगड़े, विवाद और सांप्रदायिक तनाव को कम करने के नाम पर, उन्हें जाति या समुदाय के आधार पर अलग-अलग बैरकों में रखा जाता है। जिस पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने स्वत- संज्ञान लेते हुए इस मामले पर सुनवाई की थी और 31 अक्टूबर 2024 को आदेश पारित किया था। उन्होने कहा कि जेल प्रशासन का मुख्य उद्देश्य कैदियों का पुनर्वास और सुरक्षा है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इस बात की जांच करने टीम मंडल कारा गई थी। वहां ऐसी कोई अनियमितता नहीं मिली। वहीं मंडल कारा के प्रभारी अधीक्षक सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने कहा कि किसी भी कैदी को जाति, धर्म या किसी अन्य सामाजिक पहचान के आधार पर नहीं बांटा जाता। बंदियों को उनके अपराध की प्रकृति, सुरक्षा की स्थिति और उनके व्यवहार के आधार पर बैरकों में रखा जाता है। न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकारी राकेश रोशन ने बताया कि सामाजिक संस्था सुकन्या बनाम भारत सरकार के मामले में (रिट पिटीशन संख्या 1404/23) में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष जेलों में बंदियों को जातिगत वर्गीकरण के आधार पर रखा जाता है या नहीं, की जांच करने की बात रखी गई थी। इसपर सुनवाई के बाद माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भारत के सभी जेलों में इस बाबत जांच का निर्देश दिया था। जिसके अनुपालन में आज मंडल कारा में जांच की गई। टीम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश विरेन्द्र कुमार तिवारी, अवर न्यायाधीश राकेश रोशन, अपर समाहर्ता सह प्रभारी मंडल कारा अधीक्षक विनोद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, प्रभारी चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ रोहित गौतम, डॉ राजीव कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, भवन प्रमंडल के कार्यपालक पदाधिकारी चंदन कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी शिव कुमार राम, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विनोद कुमार मोदी, एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेंदू, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक नीरज गोयल, सुमन पाठक, शैलेन्द्र झा, कन्हैयालाल ठाकुर, स्वाती, मुस्कान, डालसा सहायक अरुण कुमार, सौरभ सरकार, राजेश कुमार सिंह समेत अन्य लोग शामिल थे।

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी व यूको बैंक के संयुक्त तत्वाधान में ब्लड डोनेशन कैंप

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। भारतीय रेडक्रॉस समिति धनबाद एवं युको बैंक के संयुक्त तत्वावधान में कोर्ट कैंपस में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी ने किया।जिला जज ने रक्तदान शिविर के आयोजन को भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी धनबाद एवं युको बैंक की सरहानीय पहल बताया। उन्होंने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है इसलिए इसे महादान भी कहा गया है।ऐसे आयोजन के लिए अन्य संगठनों को भी आगे आना चाहिए।इस शिविर में कुल 20 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। शिविर से प्राप्त हुए ब्लड को एसएनएमएमसीएच ब्लड बैंक में जमा कराया गया। मौक़े पर डालसा के सचिव राकेश रोशन,रजिस्ट्रार इशरत जिया खान,दीप शिखा,भारतीय रेडक्रास सोसाइटी धनबाद के चेयरमैन कौशलेंद्र कुमार सिंह, वाईस चेयरमैन धनेश्वर महतो, संयुक्त सचिव दिलीप सिंह, चेयरमैन सलाहकार सह कार्यकारिणी सदस्य कुमार मधुरेन्द्र सिंह,नोडल पदाधिकारी बेनजीर परवीन, कोषाधयक्ष श्वेताम्बरा पाठक, नोडल पदाधिकारी अनिल भगत उपलब्ध रहे।ब्लड डोनेशन कैंप में सहयोगी रहे आजीवन सदस्य मोहम्मद इरशाद आलम, सुचरिता राय,मधु कुमारी नवनीत कुमार,साकेत कुमार एवं एसएनएमएमएमसीएच ब्लड बैंक से अशोक कुमार, संजीव कुमार, अमित कुमार दास,राजु महतो का सरहानीय सहयोग रहा।

सिख गुरुओं का गौरवशाली इतिहास एक नई प्रेरणा प्रदान करता है: सीएम योगी

- गुरु गोबिंद सिंह शहीद पिता के पुत्र एवं शहीद पुत्रों के पिता भी हैः सीएम
- गुरु तेग बहादुर ने अपना शीश देकर देश के शीश कश्मीर को बचायाः सीएम
- गुरु गोबिंद सिंह ने सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कियाः डिप्टी सीएम, बृजेश पाठक

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। सनातन धर्म एवं राष्ट्र की रक्षा की खातिर अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले सरवंश दानी, साहिब - ए - कमाल साहिब श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज के प्रकाश पर्व पर डीएवी कॉलेज में आयोजित गुरमत समागम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने शामिल होकर गुरु चरणों में माथा टेका एवं सभी प्रदेश वासियो को प्रकाश पर्व की बधाई दी। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 26 व 27 दिसंबर को पूरे देश ने साहिबजादा दिवस के साथ जुड़कर गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के चार साहिबजादों के प्रति अपनी श्रद्धा को व्यक्त करते हुए उन्हें नमन किया। सीएम ने कहा कि ठीक ही कहा गया है कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज एक शहीद पिता के पुत्र एवं शहीद पुत्रों के पिता भी हैं। गुरु तेग बहादुर जी ने देश व धर्म के लिए अपनी शहादत दी।शहादत के लिए गुरु तेग बहादुर जी को गुरु गोबिंद सिंह महाराज ने प्रेरित किया। उन्होने अपने पिता से कहा कि देश व धर्म पर संकट है, किसी महान आत्मा का बलिदान होगा। बलिदान के लिए आपसे उपयुक्त कोई नही है क्योंकि जो विधर्मी हमारे देश व धर्म को नष्ट करने के लिए उतावले दिखाई दे रहे हैं, वे बेनकाब होंगे।गुरु जी ने अपना शीश देकर देश के शीश % कश्मीर % को बचा लिया। कश्मीर भारत का हिस्सा है, आज भी है 7 उन्होने चारों साहिबजादों की शौर्य गाथा एवं देश व धर्म की खातिर उनकी शहादत एवं माता गुजरी जी के प्रर्णोत्सर्ग के बारे में बताया। उन्होने कहा कि चारों साहिबजादों की शहादत के पश्चात % चार मुए तो क्या हुआ जीवित कई हजार % का यह मन्त्र आज भी पूरे देश के लिए एक प्रेरणा है। उन्होने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह महाराज ने जाति - भेद की भावना को समाप्त करने एवं इस देश व धर्म को बचाने के उद्देश्य से खालसा पंथ की थी। % सकल जगत में खालसा पंथ गाजे, जगे धर्म हिन्दू, सकल भंड भाजे का उद्घोष करके उन्होने देश व धर्म के रास्ते में बाधक उस समय की विधर्मी ताकतों को उस रास्ते से हटने के लिए कहा 7 उन्होने कहा कि गुरु नानक देव जी से लेकर, गुरु अर्जुन देव जी, गुरु तेग बहादुर जी, गुरु गोबिंद सिंह जी , गुरुओं का गौरवशाली इतिहास एक नई प्रेरणा प्रदान कर रहा है। उन्होने कहा कि कभी विचित्र नाटक का एक बार अध्ययन करना, पता लगेगा कि गुरु गोबिंद सिंह जी कितने दिव्य महापुरुष थे। हमें सिख गुरुओं के त्याग व बलिदान एवं उनके कृत्य से एक नई प्रेरणा प्राप्त होती है।आज का प्रकाश पर्व उसी प्रेरणा का दिवस है7 डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने अपने सम्बोधन में कहा कि महान यौद्धा एवं संत सिख धर्म के दसवे गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी ने भारत की सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने का काम किया 7 उन्होने सिख धर्म के साथ साथ खालसा पंथ की स्थापना की। चारो साहिबजादों को धर्म की रक्षा के लिए बलिदान करने का काम किया।हमें गुरु गोबिंद सिंह जी के जीवन से कई महत्वपूर्ण सन्देश मिलते हैं । उन्होने सिखाया कि हम धर्म के लिए लड़े, लेकिन हमेशा न्याय व समानता के लिए लड़े। उन्होने हमें सिखाया हम अपने परिवार व दोस्तों के लिए बलिदान करें एवं हमेशा सच्चाई व धर्म के रास्ते पर चले । डिप्टी सीएम ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह जी की शिक्षा आज भी प्रासंगिक हैं 7 इनसे पूर्व, राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य स. परविंदर सिंह, गुरुद्वारा यहियागंज अध्यक्ष डॉ. गुरमीत सिंह, गुरुद्वारा नाका हिंडौला अध्यक्ष डॉ.अमरजोत सिंह ने अपने विचार व्यक्त किये 7पदाधिकारियों ने सीएम, डिप्टी सीएम एवं राज्य मंत्री का स्वागत किया।

घने कोहरे के चलते विमानों का संचालन बिगड़ा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता
लखनऊ

सरोजनीनगर । रविवार देर रात शुरू हुए घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम हो गई। दृश्यता कम होने से विमानों का संचालन गड़बड़ा गया। इसके कारण सोमवार को सुबह से ही लखनऊ आने जाने वाले विमान विलंब होने लगे। आलम यह कि लखनऊ से सोमवार तड़के करीब 4 बजे मस्कट जाने वाला सलाम एयर का विमान करीब 3 घंटा देरी से 6:55 बजे रवाना हो सका। लखनऊ से सुबह 7:15 बजे अमृतसर जाने वाला इंडिगो का विमान 8:55 बजे उड़ान भर सका। जबकि लखनऊ से मस्कट जाने वाला एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान सुबह 7:30 के बजाय 9 बजे, कोलकाता जाने वाला इंडिगो का विमान सुबह 7:45 के बजाय 11:55 बजे, हैदराबाद जाने वाला एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान सुबह 8:40 के बजाय दोपहर 1:20 बजे, दिल्ली जाने वाला एयर इंडिया का विमान सुबह 8:55 के बजाय घंटे भर देरी से 9:52 बजे, मस्कट जाने वाला ओमान एयर का विमान सुबह 9:05 के बजाय 10:30 बजे, सुबह 10 बजे रियाद जाने वाला फ्लायनास का विमान दोपहर 1:05 बजे, लखनऊ से 10:45 बजे बेंगलुरु जाने वाला अकासा एयर का विमान दोपहर 1:30 बजे रवाना हुआ। इसी तरह लखनऊ से दिल्ली जाने वाला इंडिगो का विमान दोपहर 1:15 के बजाय 2 बजे, लखनऊ आने वाला एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान सुबह 8:10 के बजाय दोपहर 12:20 बजे, रियाद से आने वाला फ्लायनास का विमान सुबह 9 बजे के बजाय दोपहर 11:20 बजे, बेंगलुरु से लखनऊ आने वाला अकासा एयर का विमान सुबह 10:10 के बजाय दोपहर 12:20 बजे, अहमदाबाद से सुबह 10:35 बजे लखनऊ आने वाला इंडिगो का विमान दोपहर 1 बजे, मुंबई से लखनऊ आने वाली अकासा एयर की उड़ान दोपहर 11 के बजाय 12:35 बजे, अमृतसर से लखनऊ आने वाला इंडिगो का विमान दोपहर 1:55 के बजाय करीब 3:20 बजे और मुंबई से लखनऊ आने वाली अकासा एयर की उड़ान शाम 4:55 के बजाय 7:35 पर पहुंच सकी। विमानों की लेट लतीफी के कारण यात्रियों को काफी परेशानियां झेलनी पड़ी।

चावल वाली गली का रास्ता बंद होने से,राहगीरों को परेशानी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। यह पहली बार देखने में नहीं आया है यहां चावल वाली गली में इस तरह की समस्या बनी रहती है ।कश्मीरी मोहल्ला वार्ड में चावल वाली गली में बहते सीवर के पानी की समस्या ने स्थानीय निवासियों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों में डाल दिया है। सीवर के उबलते पानी के कारण गली में पैदल चलना मुश्किल हो गया है। सीवर का बहता पानी- कई दिनों से इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, जिससे गली में पानी जमा हो गया है। रास्ता बंद- स्थानीय दुकानदारों ने बल्ली लगाकर गली का रास्ता बंद कर दिया, जिससे वाहन चालकों को अन्य रास्तों का उपयोग करना पड़ रहा है। ट्रैफिक जाम ,चावल वाली गली का रास्ता बंद होने से अकबरी गेट पर भारी जाम लग रहा है, जिससे लोगों को काफी असुविधा हो रही है। पुलिस की निष्क्रियता,स्थानीय पुलिस बिना कारण रास्ता बंद करने वालों पर कार्रवाई करने में असमर्थ दिख रही है। गली के निवासियों और दुकानदारों को आवाजाही में कठिनाई हो रही है। अकबरी गेट और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक जाम से समय और ईंधन की बर्बादी हो रही है।प्रशासन की निष्क्रियता से स्थानीय लोगों में रोष बढ़ रहा है। नगर निगम को तुरंत सीवर की समस्या का समाधान करना चाहिए। पुलिस को बिना अनुमति रास्ता बंद करने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई करनी चाहिए। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए वैकल्पिक मार्ग खोले जाने चाहिए। यह मामला स्थानीय प्रशासन की तत्परता और जवाबदेही की कमी को उजागर करता है। इसे तुरंत हल करने की आवश्यकता है।

पूर्ण श्रद्धा एवं हर्षोल्लास से मनाया गया गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज का प्रकाश उत्सव

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। साहिबे कमाल साहिब श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का प्रकाश उत्सव श्री गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा नाका हिंडोला एवं गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब यहिया गंज की ओर से डी.ए.वी. इण्टर कालेज ऐशबाग रोड, लखनऊ में बड़ी श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रातः का दीवान 5:00 बजे गुरुद्वारा नाका हिण्डोला में श्री सुखमनी साहिब के पाठ से आरंभ हुआ उसके उपरांत रागी जथा भाई सुखजीत सिंह जी श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर वालों ने पवित्र अमृतमयी आसा की वार का शबद कीर्तन गायन किया। आकाशवाणी लखनऊ केन्द्र द्वारा आधे घंटे का सीधा प्रसारण करके प्रदेश भर की संगतों को कार्यक्रम का रसास्वादन कराया गया। श्री गुरू सिंह सभा के अध्यक्ष डा. अमरजोत सिंह ने इस अवसर पर उपस्थित संगतों को प्रकाश पर्व की बधाई दी तथा बधाई संदेश आकाशवाणी लखनऊ द्वारा भी प्रसारित किया गया। विशेष रूप से पधारे भाई अरविंदर सिंह हजूरी रागी श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर साहिब वालों ने अपनी मधुरवाणी में हम इह काज जगत में आए धर्म हेत गुरुदेव पाठए।। शबद कीर्तन गायन कर समूह साध संगत को निहाल किया। अरदास एवं समाप्ति के उपरांत पाँच प्यारों की अगुवाई में समूह साध संगत द्वारा श्री गुरूग्रन्थ साहिब जी की शाही सवारी को शबद कीर्तन गायन करते हुए गुरूद्वारा साहिब से नाका हिण्डोला होते हुए डी.ए.वी. इण्टर कालेज ऐशबाग रोड में सजे पंडाल में ले जाया गया। भव्य पंडाल को बहुत खूबसूरती से सजाया गया था जिसमें फूलों से सुसज्जित भव्य स्टेज पर श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी का प्रकाश किया गया। बहुत सुबह से ही लखनऊ एवं आस-पास के इलाकों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु डी.ए.वी. इण्टर कालेज में पहुँचने लगे तथा पक्तियों में खड़े होकर श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी के दर्शन के पश्चात अपना स्थान ग्रहण कर गुरूबाणी का रसपान किया। विशेष रूप से पधारे भाई सुखजीत सिंह हजूरी रागी श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर साहिब वालों ने अपनी मधुरवाणी में तही प्रकास हमारा भयो पटना सहिर बिखै भव लयो।। शबद कीर्तन गायन कर समूह साध संगत को निहाल किया। प्रचारक गुरजिंदर सिंह मलकपुर वालों ने साहिब श्री गुरू गोबिंद सिंह जी के जीवन पर दिल को छू देने वाले विचार व्यक्त किये। रागी जत्था भाई अरविंदर सिंह नूर हजूरी रागी श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर वालों ने देह शिवा बर मोहि है शुभ करमन से कबहुँ न टरों। शबद कीर्तन गायन कर संगतों को मन्त्रमुग्ध कर दिया। सिमरन साधना परिवार के बच्चों एवं माता गुजरी सत्संग सभा,लखनऊ की सदस्याओं ने भी इस कार्यक्रम में शबद कीर्तन गायन किया। अमृत संचार का आयोजन भी गुरुद्वारा नाका हिंडोला में किया गया। डी.ए.वी. इण्टर कालेज में दिन भर गुरबाणी कीर्तन तथा गुरमत विचारों का कार्यक्रम चला जिसका संचालन धार्मिक सचिव सरबजीत सिंह ने किया। समागम में लंगर के वितरण की सेवा सिख यंग मेन्स एसोसियेशन एवं खालसा इंटर कॉलेज के बच्चों द्वारा की गयी। कई स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा संगत की सेवा चाय/काफी, ब्रेड छोले, जलेबी, मक्के की रोटी सरसों का साग आदि अनेक तरह के व्यंजनों के स्टाल लगाकर की गई। संपूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्था स. दलजीत सिंह बग्गा,मनमीत सिंह, स. हरमिन्दर सिंह टीटू देखरेख में हुई। दिन के 12:00 बजे से गुरू का लंगर संगत में वितरित किया गया, जिसमें हजारों की संख्या में लोगों ने लंगर ग्रहण किया। खालसा इंटर

समाचार

अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले गिरोह का 1 सदस्य गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। थाना मड़ियांव पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान पुरनिया तिराहा बन्धा रोड पर मौजूद थे, मुखबिर खास सूचना प्राप्त हुई,कोठी दिलकश विहार कॉलोनी के बगल वाली गली में एक व्यक्ति जो नीली स्कूटी पर बैठा है, उसकी डिग्गी व पैंट जेब में गांजा व स्मैक है,पुलिस टीम द्वारा घेर घार कर पकड़ लिया गया, कब्जे से अवैध गांजा 742,व 27, स्मैक बरामद हुआ नाम पता पूछने पर अपना नाम आयुष जायसवाल निवासी पुरानी मुंगफली मण्डी राकबगंज थाना वजीरगंज जनपद लखनऊ, इसी क्रम में , डीसीपी, दिशा-निर्देश पर गठित की कई टीमें लगातार अपराधियों इसको धर पकड़ कर रही है। जिसमें आज थाना मड़ियांव प्रभारी निरीक्षक शिवानंद मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर, नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गया है।

शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर दिशा निर्देश द्वारा थाना सआदतगंज पुलिस को वादिनी पीड़िता के साथ अभियुक्त बख्तावर हुसैन निवासी म.न. 529के,545, श्याम नगर प्राथमिक स्कूल के पिछे खुर्रमनगर थाना इन्दिरानगर लखनऊ, शादी का झांसा देकर युवती के साथ शारीरिक सम्बन्ध बनाने व अश्लील वीडियो बनाकर वायरल कर देना गाली गलौज देना एवं जान से मिलने की धमकी दी, जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कराया, इस सूचना थाना प्रभारी ब्रजेश सिंह ने सख्त निर्देश दिया, आरोपी हाथ से जाने ना पाए, पुलिस टीम लगातार तलाश कर रही थी, मुखबिर की सूचना पर आरोपी को किया गिरफ्तार, इस क्रम (पश्चिम) डीसीपी, द्वारा दिशा निर्देश पर गठित कि कई टीमें लगातार अपराधियो को धरपकड़ कर रही है थाना सआदतगज प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश सिंह, के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर, नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गया है।

शादी का झांसा देकर लाखों रुपए के गहने की ठगी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर की एक विवाहिता एक युवक की ठगी का शिकार हो गई। युवक ने पीड़िता को उसके समुदाय का होने के साथ सेना में सेवारत बताकर अपने जाल में फसाया और शादी का झांसा देकर उससे लाखों रुपए के गहने ठग लिए। पीड़िता को भनक लगी तो उसने सोमवार को मामले की रिपोर्ट सरोजनीनगर थाने में दर्ज कराई है। पीड़िता का कहना है कि उसकी शादी काकोरी थाना क्षेत्र के गांव में रहने वाले युवक के साथ हुई थी। लेकिन वह शराब पीकर मारपीट करता था। जिसकी वजह से पीड़िता का उससे कोर्ट में मुकदमा चल रहा है। पीड़िता का कहना है कि इसी बीच उसकी मुलाकात इंस्टाग्राम पर हार्तिक वैगलो नामक युवक से हुई और बात शादी तक आ गई। वह पीड़िता के घर आने जाने लगा। उसने खुद को हिंदू और सेना में सेवारत होना बताया। वह बाकायदा सेना की वर्दी पहनकर उसके घर आता जाता था। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके जेवर लेकर करीब साढ़े 4 लाख रुपए में बेच दिए। बाद में पीड़िता को पता चला कि हार्तिक वैगलो ठग है। उसने शादी नहीं, बल्कि ठगी करने के उद्देश्य से अपने जाल में फंसाया है। जानकारी करने पर पता चला कि उसका असली नाम उड़ीसा जिले के बालासोर स्थित चांदीपुर वालेश्वर में रहने वाला हैदर अली है। पीड़िता को उसके पास से उसके फर्जी आधार कार्ड व डीएल आदि मिले, तब उसकी जानकारी हुई। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

गुरु गोबिंद सिंह प्रकाश पर्व पर रक्तदान शिविर में 28 लोगों ने किया रक्तदान

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज के प्रकाश उत्सव के उपलक्ष में लॉयन्स क्लब लखनऊ ग्रेटर के तत्वाधान में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया । लायंस क्लब के चेयरमैन राजवंत सिंह बग्गा ने बताया है कि केजीएमसी द्वारा ब्लड बैंक से डॉक्टर की टीम द्वारा 25 लोगों का ब्लड डोनेट हुआ। इस आयोजन में लायंस क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन मुकेश जैन लायन आर .सी मिश्रा(फर्स्ट सेकंड डिस्ट्रिक्ट गवर्नर)ने ब्लड कैंप की प्रशंसा की की7 श्री गुरु सिंह सभा नाका हिंडौला के अध्यक्ष डॉ अमरजोत सिंह के सहयोग से रक्तदान शिविर में रक्तदान का कार्य सम्पन्न हुआ । रक्तदान शिविर में अवतार सिंह, हरपाल सिंह , उमेश सिंह जी मनमोहन सिंह, गुरदीप , लाल जी वर्मा ने भी विशेष सहयोग दिया ।

आगरा एक्सप्रेस वे एवं शाहजहाँपुर का नाम गुरु बहादुर के नाम पर किये जाने की मांग सीएम से की

तीसरा विकल्प न्यूज़ -संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। गुरु गोबिंद सिंह प्रकाश पर्व पर डीएवी में आयोजित गुरमत समागम में उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य स. परविंदर सिंह ने सीएम योगी आदित्यनाथ से आगरा एक्सप्रेस वे का नाम % गुरु तेग बहादुर एक्सप्रेस वे % एवं शाहजहांपुर का नाम %गुरु तेग बहादुर नगर % करने की मांग की।

वेतन भुगतान के लिए डीआईओएस को निर्देश दे सरकार

- माध्यमिक शिक्षा निदेशक शिविर कार्यालय में 19 दिनों से धरने पर हैं तदर्थ शिक्षक

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। वेतन भुगतान की मांग को लेकर तदर्थ शिक्षकों का धरना 19 वें दिन भी जारी है। पार्क रोड स्थित माध्यमिक शिक्षा निदेशक के शिविर कार्यालय में चल रहे धरने में बैठे शिक्षकों ने सरकार से मांग की है कि डीआईओएस को निर्देश दे कि बकाया वेतन का भुगतान कराए। साथ ही उनकी सेवा सुरक्षा पर सरकार फैसला ले। बता दे कि पिछले डेढ़ वर्ष से वेतन का भुगतान न होने के कारण तदर्थ शिक्षकों के आगे आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। माध्यमिक तदर्थ शिक्षक संघर्ष समिति के संयोजक अध्यक्ष राजमणि सिंह और प्रदेशीय महामंत्री प्रभात कुमार त्रिपाठी का कहना है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद डीआईओएस तदर्थ शिक्षकों के वेतन का भुगतान नहीं कर रहे हैं। यह शिक्षक डीआईओएस कार्यालय के चक्कर लगाकर थक गए हैं। कोई राहत नहीं मिलने पर 18 दिसम्बर से निदेशालय में धरना दे रहे हैं। इसके बावजूद निदेशालय का कोई जिम्मेदार अधिकारी इनसे वार्ता के लिये नहीं आया। इससे इनमें आक्रोश है। राजमणी का कहना है कि तदर्थ शिक्षक 20 वर्ष से अधिक से समय से पढ़ा रहे हैं। रिटायरमेंट के मुहाने पर हैं। ऐसे में अब यह कहां जाएं। कोई दूसरे रोजगार का विकल्प भी नहीं बचा है। परिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ गईं। वेतन का भुगतान न होने से तदर्थ शिक्षकों के आगे आर्थिक समस्या बढ़ गई। खुद एवं परिवार के सदस्यों का उपचार तक नहीं करा पा रहे हैं। धरने में प्रदेश भर के करीब 1800 तदर्थ शिक्षकों को नौ नवम्बर 2023 से भुगतान नहीं हुआ है। धरने में शामिल हृदय मिश्र, देवेंद्र सिंह, प्रभाकर दुबे, अभिमन्यु सिंह, आशुतोष मिश्रा, विवेक राज सिंह,रंजना सिंह समेत प्रदेश के सैकड़ों तदर्थ शिक्षक शामिल हैं।

नवनिर्वाचित 18 आईएएस का तिनसुकिया दौरा

- तिनसुकिया के जिला आयुक्त के साथ वार्तालाप

तीसरा विकल्प न्यूज़ - पंकज नाथ

असम। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 18 प्रशिक्षु अधिकारियों ने आज अपने शीतकालीन शिक्षण दौरे के तहत असम के तिनसुकिया जिले में विभिन्न योजनाओं का दौरा किया। यात्रा के अंत में, तिनसुकिया जिले के जिला आयुक्त स्वप्निल पाल ने उनसे वार्तालाप की और जिले और सरकार की योजनाओं और प्रशासनिक नीतियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों में समाज, देश और लोगों के प्रति समर्पण की भावना होनी चाहिए। उन्होंने कुछ उदाहरण भी दिए कि कैसे उनकी अभिनव सोच समाज के कल्याण की सेवा कर सकती है। जिला आयुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में आयोजित इस अवसर पर डिगबाई वन प्रमंडल के प्रमंडल अधिकारी टी सी रजनीथ और अतिरिक्त आयुक्त मिर्जाना हुसैन ने भी इन आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ बातचीत किया।

अर्जुन क्रिकेट लीग अंडर-16 सीजन 2 की धमाकेदार शुरुआत

- अमृतया कृष्ण तथा सक्षम के शानदार पचासों से आर्गानेक्स्ट लाइफ ने गोल्डन ईगल को 66 रन से हराया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। अर्जुन क्रिकेट अकादमी के अंतर्गत खेली जाने वाली चर्चित अर्जुन क्रिकेट अंडर-16 के दूसरा सीजन की शुरुआत आशियाना स्थित मल्टी एक्टिविटी ग्राउंड पर आर्गानेक्स्ट लाइफ तथा गोल्डन ईगल के बीच मुकाबले से शुरू हुई जिसमे आर्गानेक्स्ट लाइफ ने गोल्डन ईगल को 66 रनो के अंतर से हराराया । टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आर्गानेक्स्ट लाइफ ने अमृतया कृष्ण तथा सक्षम के शानदार पचासो की मदद से निर्धारित 35 ओवर्स मे 6 विकेट के नुकसान पर 251 रन बनाए । भूमन तथा अमृतया कृष्ण ने धुआंधार आगाज करते हुए विकेट के चारो ओर खूबसूरत शाट लगाते हुए 12.2 ओवर मे 87 रन जोडे इसी स्कोर पर भूमन 31 रन बनाकर सचिन तिवारी की गेंद पर बोल्ड हो गये । इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे सक्षम ने अमृतया कृष्ण का अच्छा साथ दिया दोनो स्कोर को 87 से 173 रन तक ले गये इसी स्कोर पर अमृतया कृष्ण 63 गेंदो पर 63 रन बनाकर अंश सिंह की गेंद पर लेगबिफोर आउट हो गये सक्षम ने भी 57 गेंदो पर 59 रन बनाकर अपना पचासा पूरा किया किन्तु अन्य बल्लेबाजों मे से केवल शिवम गिरी ने ही 17 गेंदो पर 19 रनो की संक्षिप्त पारी खेली । गोल्डन ईगल की ओर से सुमित निर्मल ने 7 ओवरों मे 30 रन देकर 2 विकेट तथा अंश सिंह ने 6 ओवरों में 33 रन देकर 2 विकेट

लिए एक विकेट सचिन तिवारी को मिला । लक्ष्य का पीछा करने उतरी गोल्डन ईगल पहला झटका पारी के दूसरे ही ओवर मे लग गया जब ओपनर राजकुमार गुप्ता मात्र 4 रन बनाकर मुदस्सिर अहमद की गेंद पर प्रदुमन दिक्षित को कैच थमा बैठे । दूसरे प्रारंभिक बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने साहस सिंह के साथ पारी को जमाने का प्रयास किया किन्तु दोनो ही बल्लेबाज विकेट पर जमने के बाद अपने विकेट गंवा बैठे मोहम्मद कैफ ने 34 गेंदो पर 32 तथा साहस सिंह ने 46 गेंदो पर 32 रन बनाए अभिनव सिंह ने 14 रनो का योगदान दिया, अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई का आकडा भी पार ना कर सका । आर्गानेक्स्ट लाइफ की ओर से तसयत श्रीवास्तव ने कातिलाना गेंदबाज़ी करते हुए 6 ओवर में 33 रन देकर चार विकेट चटकाए । मुदस्सिर अहमद विवान रिशभ तथा आयुष वर्मा ने एक एक विकेट हासिल किया । तसयत श्रीवास्तव को उनकी कातिलाना गेंदबाज़ी के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाडी चुना गया, जब्कि अमृतया कृष्ण रंजन को बेस्ट बल्लेबाज घोषित किया गया । मैच के दौरान चीफ गेस्ट के रूप मे धारा वर्ल्ड के डायरेक्टर मिस्टर चन्द्र प्रकाश यादव तथा तथा आर्गानेक्स्ट लाइफ सायंस की आनर रीना पाण्डेय ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई ।

संपादकीय

ताकि बाल मन रहे सुरक्षित

निस्संदेह, डिजिटल दौर ने बच्चों के जीवन को गहरे तक प्रभावित किया है। आज सोशल मीडिया युवाओं के संवाद का अभिन्न माध्यम बन गया है। लेकिन इसके साथ तमाम तरह के जोखिम भी जुड़े हैं, जिनसे किशोरों को बचाने की सख्त जरूरत है। भारत में वर्ष 2023 में लाए गए डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता-पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा एक सराहनीय कदम है। दुनिया के विभिन्न देशों में ऐसे कानून पहले से ही मौजूद हैं। यूरोपीय संघ के जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन के लिये सोलह साल से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिये माता-पिता की सहमति अनिवार्य है। वहीं यूएस चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट में 13 वर्ष के उपयोगकर्ताओं के लिये कड़े नियम लागू किए गए हैं। दरअसल, इन कानूनों का मकसद नाबालिगों को साइबर बुलिंग, शोषण व गोपनीयता के उल्लंघन से बचाना है। भारतीय कानून में भी इन नियमों का ध्यान रखा गया है। दरअसल, इन प्रावधानों की जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही है कि पूरी दुनिया में 58 फीसदी किशोर टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्मों के दैनिक उपयोगकर्ता हैं, जो नुकसानदायक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचैट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था।इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को बताया। दरअसल, भारत के प्रस्तावित नियम भी सोशल मीडिया कंपनियों को मजबूत उपायों के जरिये माता-पिता की सहमति से जवाबदेह बनाने का प्रयास ही है। जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों में भागेदारी में मार्गदर्शन करने का अधिकार मिल सके। इन नियमों को फुलप्रूफबनाने में एआई संचालित आयु सत्यापन, डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित करने और इसके साथ ही पारदर्शी शिकायत तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इन उपायों की नियमित निगरानी, हितधारकों की प्रतिक्रिया तथा वैश्विक मानकों के साथ तालमेल से इस ढांचे को प्रभावी बनाया जा सकेगा। निस्संदेह, इन नियमों के अनुपालन से भारत में बच्चों के लिये सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बनाने के साथ ही वैश्विक प्रयासों में योगदान दिया जा सकता है। ऐसे वक्त में जब आज डिजिटल दुनिया से जुड़ाव अपरिहार्य है, बच्चों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता बनाना न केवल एक जिम्मेदारी है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। इस दिशा में स्थायी परिवर्तन के लिये माता-पिता, शिक्षक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के बीच बेहतर तालमेल बनाना वक्त की जरूरत है। साथ ही बच्चों को विवेकशील बनाने की दिशा में पहल की जानी चाहिए ताकि वे अपना भला-बुरा समझ सकें। इस दिशा में निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसियों की सजगता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह एक गंभीर विषय है और गंभीरता के साथ चुनौती का सामना करने की जरूरत बताता है।

पत्रकार की हत्या से उठते सवाल

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में कार्यरत पत्रकार मुकेश चन्द्राकर की नृशंस हत्या से एक ओर तो राज्य सहित पूरा देश स्तब्ध है, तो वहीं इस घटना ने फिर से साबित कर दिया है कि भारत में पत्रकारिता एक जोखिम भरा पेशा हो गया है। अपने पेशे के प्रति बेहद ईमानदार तथा संवेदनशील मुकेश पहली जनवरी की शाम को एक फोन आने के बाद घर से निकले तथा अगली शाम तक वे लापता रहे। चिंतित परिजनों तथा साथी पत्रकारों ने उनकी खोज-बीन शुरू की। समझा जाता है कि उन्हें बीजापुर के ही एक बड़े ठेकेदार सुरेश चन्द्राकर के परिवार के किसी सदस्य का उन्हें फोन आया था जो मुकेश से मिलने के इच्छुक थे। कुछ ही दिन पहले मुकेश ने अपने यूट्यूब चौनल पर सुरेश चन्द्राकर द्वारा बनवाई जा रही मिरतूर-गंगालूर सड़क में कथित भ्रष्टाचार को लेकर विस्फोटक खबर चलाई थी। अनुमान लग रहे हैं कि इसके चलते मुकेश की हत्या की गयी है। उनका शव 3 जनवरी की शाम को चन्द्राकर के परिसर में बने बैडमिंटन कोर्ट के नीचे सेप्टिक टैंक में मिला। यह भी बताया जाता है कि पुलिस इस टैंक को तोड़ने के पक्ष में नहीं थी लेकिन अन्य पत्रकारों के जोर देने पर उसे तोड़ा गया। इस सिलसिले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दुनिया भर में लड़ाइयों, गृह युद्धों, आतंकवाद से प्रभावित क्षेत्रों में पत्रकार अपना उत्तरदायित्व निभाते हुए प्राण गंवाते हैं। वैसे ही अब भारत में पूंजीपतियों व कारोबारियों के खिलाफ लिखना भी खतरनाक हो गया है। यदि ऐसे धन्ना सेठों का गठजोड़ राजनेताओं से, विशेषकर सत्ता पक्ष से है तो समझिये कि उनके खिलाफया उनके व्यवसायिक हितों पर चोट करने वाली कोई भी खबर लिखनी या दिखानी खुद को संकट में डालने जैसा हो गया है। हाल के वर्षों में एक तरह से व्यवसायियों और नेताओं के बीच अघोषित सी संधि बनी हुई है जिसके अंतर्गत दोनों पक्ष परस्पर हितों का संरक्षण करते हैं। कारोबारी सियासतदानों को चुनाव के वक्त और जरूरी मौकों पर आर्थिक मदद देते हैं। इसके बदले में नेता यदि सत्ता में हों तो उनके व्यापार को संरक्षण देने और उनके मार्ग में आने वाले अवरोधों को खत्म करने का काम करते हैं और विपक्ष में रहकर भी प्रशासनिक व्यक्ति व दल अन्य तरीकों से उनकी मदद करते हैं। इनमें प्रमुख तो यही है कि विरोधी दल उन्हें बख्श दें। यानी उनके कामों पर उंगलियां न उठायें। बहरहाल, नये भारत में, यानी 2014 के बाद से सत्ता पक्ष और अखबारनवीसी के रिश्ते भी बदले हैं। भारतीय जनता पार्टी ने लोगों से संवाद के तरीकों में कुछ ऐसा परिवर्तन किया है कि उसमें मीडिया को अनिवार्यतरू सत्ता पक्ष का एक तरह से सक्रिय सहयोगी बना दिया गया है। यहां सत्ताधारी दल से तात्पर्य भारतीय जनता पार्टी से है। उसने प्रकारान्तर से मीडिया पर पूर्णतरू अधिकार सा कर लिया है। मीडिया सत्ता ही नहीं, भाजपा की भाषा बोलने में भी पारंगत हो गया है। सरकार के नजदीकी व्यवसाय समूहों ने मीडिया को खरीदकर खुद और सत्ता की सेवा के काम में लगा रखा है। स्वाभाविक है कि इसका उद्देश्य विरोध के स्वर को खत्म करना है, फिर चाहे वह सरकार का विरोध हो या फिर कारोबारियों का। मुख्यधारा का मीडिया आज ज्यादातर इन दो समूहों के एजेंडे को पूरा करने में व्यस्त है- सरकार व सत्ता पक्ष के राजनीतिक एजेंडे तथा कारोबारियों के व्यवसायिक हितों को संरक्षित और संवर्धित करने के। पूरी दुनिया की ही तरह भारत में एक समांतर मीडिया भी खड़ा हो गया है जो किसी के एजेंडे को चलाने या उस पर चलने के बजाये स्वतंत्र चेतना व विवेक रखता है, लेकिन उसे एक बड़ी लड़ाई लड़नी पड़ रही है। फिर वह कोई समूह हो या व्यक्ति। मुकेश पत्रकारिता की उसी धारा के तहत काम करते थे। कुछ मीडिया समूहों में काम करने के बाद उन्होंने अपना स्वतंत्र प्लेटफॉर्म बनाया तथा बस्तर के बुनियादी मुद्दों से वे जूझ रहे थे। माओवाद की भीतरी कंदराओं से लेकर विकास के नाम पर होने वाले भ्रष्टाचार, कारोबारियों को बचाने वाले तत्वों तथा ऐसा हर वह मसला उनकी पत्रकारिता का विषय था जिसका सरोकार आमजन से है। ग्रामीण और आदिवासी लोगों के कई मुद्दों को उठाने का उन्हें श्रेय जाता है। जाहिर है कि इसके लिये जिगर चाहिये- वह उनमें था। तभी कुछ अरसा पहले नक्सलियों द्वारा अगवा कर लिये गये एक सीआरपीएफ जवान को वे अकेले दम छुड़ा लाये थे। लेकिन भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ जाल ने उनकी जान ले ली। यह भारतीय पत्रकारिता की नयी तस्वीर है। न तो पत्रकार भ्रष्टाचारी अधिकारियों के खिलाफ कुछ लिख सकता है और न ही कारोबारियों के। शासन के खिलाफ तो बिलकुल नहीं। हालिया दौर में अनेक ऐसे ग्रामीण वाकये हुए हैं जो किसी भी लोकतांत्रिक देश का सर शर्म से झुकाने के लिये पर्याप्त हैं, जिसकी बुनियाद स्वतंत्र प्रेस होता है। ऐसा नहीं कि केवल सुदूर इलाकों में ही पत्रकारिता करना दुरूह हो गया है। ग्रामीण-आदिवासी इलाके हों या कस्बे या फिर महानगर। कहीं मध्याह्न भोजन में भ्रष्टाचार को लेकर खबर छापने पर पत्रकार को जेल भेजा जाता है तो कभी कोई अप्रिय सवाल पूछने पर मंत्री खुलेआम पत्रकार को डांट लगाते हैं अथवा उनके मालिकों को उसकी शिकायत कर दी जाती है।

भारत में कृषि मार्केटिंग पर एक बार फिर से बवाल

डॉ. ज्ञान पाठक

भारत के किसान पहले से ही केंद्र के खिलाफविरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और अपनी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं। साथ ही एमएसपी की गणना के लिए स्वामीनाथन फॉर्मूला सी2़50 प्रतिशत को लागू करने की मांग भी कर रहे हैं ताकि उन्हें अपनी उपज के लिए लाभकारी मूल्य मिल सके। ध्यान रहे कि सी2 उत्पादन की समस्त लागत है जिसमें उत्पादन की वास्तविक लागत, पारिवारिक श्रम, स्वामित्व वाली भूमि पर लगाया गया किराया और स्वामित्व वाली पूंजी पर ब्याज शामिल है। देश में किसानों के आंदोलन का दूसरा चरण 13 फरवरी, 2024 से शुरू हो चुका है और इसका अंत होता नहीं दिख रहा है, क्योंकि केंद्र सरकार आंदोलनकारी किसानों से बात करने को भी तैयार नहीं है, जबकि किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल 26 नवंबर से पंजाब-हरियाणा सीमा पर खनौरी में आमरण अनशन पर हैं। किसानों के आंदोलन के जारी रहने के संकेत तो मिल रहे हैं, लेकिन कृषि विपणन पर नये विवाद भी सामने आ रहे हैं। इसकी वजह कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति रूपरेखा का मसौदा है, जिसे 25 नवंबर, 2024 को केंद्रीय मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है, जिसमें हितधारकों से 15 दिनों के भीतर टिप्पणियां आमंत्रित की गयी थीं। मसौदा नीति रूपरेखा को किसान यूनियनों ने पहले ही वापस लिये गये तीन विवादास्पद कृषि कानूनों - किसान उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सुविधा) अधिनियम, किसान (सशक्तीकरण और संरक्षण) मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा समझौता अधिनियम, और आवश्यक वस्तु (संशोधन) अधिनियम - के लिए पिछले दरवाजे से प्रवेश का प्रयास करार दिया है। प्रतिक्रिया के लिए दी गयी सीमित समय-सीमा ने भी केंद्र की वास्तविक मंशा के बारे में किसानों के बीच संदेह पैदा करने में योगदान दिया है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 2 जनवरी, 2025 को चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया कि केंद्र कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति ढांचे के माध्यम से निरस्त किये जा चुके कृषि कानूनों को पिछले दरवाजे से वापस लाने की कोशिश कर रहा है। यह उल्लेख किया जा सकता है कि केंद्र ने हाल ही में इस नयी नीति का मसौदा तैयार किया है। कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति ढांचे के मसौदे को खारिज करते हुए, जिसे पिछले महीने राज्य सरकारों को टिप्पणियों के लिए भेजा गया था, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार पिछले दरवाजे से ऐसे शकिसान विरोधीश् कानूनों को पारित करने के केंद्र के किसी भी कदम का विरोध करेगी। मुख्यमंत्री मान ने कहा, केंद्र ने अब निरस्त किये जा चुके कृषि कानूनों को वापस ले लिया था। अब वे इन्हें किसी और तरीके से वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पंजाब और हरियाणा की मंडी प्रणाली बहुत मजबूत है और वे फिर से इस प्रणाली को खत्म करने की बात कर रहे हैं। हम इसका समर्थन नहीं करते हैं। कृषि राज्य का विषय है। उन्होंने मसौदे पर हमसे सुझाव मांगे हैं, लेकिन पंजाब इसे स्वीकार नहीं कर सकता... हम लिखित में भेज रहे हैं कि हम इसे स्वीकार नहीं करने जा रहे हैं। मसौदा नीति किसानों की अपनी फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी और एमएसपी की गणना के लिए स्वामीनाथन फार्मूले को लागू करने की मौजूदा मांग पर चुप है। हालांकि, इसमें 12 सुधारों की बात की गयी है, जिसमें निजी थोक बाजार स्थापित करने की अनुमति देना और प्रोसेसर, निर्यातकों, संगठित खुदरा विक्रेताओं और थोक खरीदारों द्वारा प्रत्यक्ष थोक खरीद की अनुमति देना शामिल है। हरियाणा और पंजाब दोनों के किसानों और उनके यूनियनों ने भी कृषि विपणन पर केंद्र की मसौदा नीति पर अपनी चिंता व्यक्त की है। कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति ढांचे के मसौदे के बारे में किसानों की चिंताएं लगभग वैसी ही हैं जैसी तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के संबंध में थीं, जिन्हें मोदी सरकार ने अगस्त 2020 में भारत की संसद से पारित कराया था। संयुक्त किसान मोर्चा ने कानूनों के खिलाफ दिल्ली मार्च का आह्वान किया था और किसानों को 26 नवंबर, 2020 को दिल्ली की सीमाओं पर रोक दिया गया था, जहां वे अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गये थे। किसानों के आंदोलन के एक साल बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरु पर्व के अवसर पर नवंबर 2021 में विवादास्पद कृषि कानूनों को एकतरफा वापस ले लिया था। दिसंबर 2021 में केंद्र की ओर से उनकी वास्तविक मांगों पर विचार करने के लिखित आश्वासन पर ऐतिहासिक किसान आंदोलन वापस ले लिया गया था।

हालांकि, जब एक साल बाद भी आश्वासन पूरा नहीं होने से किसान ठगा हुआ महसूस करने लगे तो उन्होंने अगले महीनों में विरोध प्रदर्शनों की एक श्रृंखला के माध्यम से 26 नवंबर, 2023 से आंदोलन का दूसरा चरण शुरू किया। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने जनवरी 2024 में दिल्ली मार्च का आह्वान किया। उन्होंने 13 फरवरी, 2024 को पंजाब से अपना मार्च शुरू किया, लेकिन हरियाणा पुलिस ने शंभू और खनौरी सीमाओं पर उन्हें रोक दिया। तब से वे धरने पर वहीं बैठे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम), जिसने तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन के पहले चरण का नेतृत्व किया था, जिसके बारे में उनका आरोप था कि ये कानून किसान विरोधी हैं और केंद्र सरकार कॉर्पोरेट को खेतों तक लाने का प्रयास कर रही है, ने 23 दिसंबर, 2024 को कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति ढांचे के मसौदे के खिलाफ भी देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। उन्होंने 500 से अधिक जिलों के जिला कलेक्टरों और मजिस्ट्रेटों के माध्यम से ज्ञापन भेजे हैं, जिनमें भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से इस मुद्दे पर केंद्र के साथ बातचीत को सुगम बनाने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग की गयी। किसान यूनियनों का आरोप है कि नई मसौदा नीति भी किसान विरोधी, कॉरपोरेट समर्थक और कॉरपोरेट को खेती में लाने का प्रयास है। वर्तमान मसौदा नीति का वास्तविक उद्देश्य वही है जो 2020 के निरस्त किये गये तीन विवादास्पद कृषि कानूनों का था, जिसके खिलाफ एसकेएम ने ऐतिहासिक किसान आंदोलन का नेतृत्व किया था। दूसरी ओर केंद्र ने दावा किया है कि कृषि विपणन पर प्रस्तावित राष्ट्रीय नीति रूपरेखा किसानों की बेहतर आय के लिए एकीकृत कृषि बाजार की स्थापना करेगी और बाजार की दक्षता को बढ़ायेगी। फिर भी, मसौदा नीति को अन्य राज्यों द्वारा भी कड़े विरोध का सामना करना पड़ सकता है।

> “खुशी का कोई पैमाना नहीं होता। कोई इंसान एक छोटे से घर में सीमित सामान के साथ भी खुश रह सकता है और किसी को 27 मंजिला घर या देश की आधी से अधिक संपति हासिल करने के बाद भी कुछ और मिल जाए, ऐसी चाह रहती है”

भाजपा का डॉ.आम्बेडकर के बाद महिलाओं पर हमला

शकील अख्तर

दिल्ली का विधानसभा चुनाव किस घटिया स्तर पर जाएगा यह भाजपा के कालका जी विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार रमेश बिधुड़ी ने बता दिया। शनिवार को टिकट मिलते ही उन्होंने कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी पर जो शर्मनाक टिप्पणी की वह बता रही है कि इस चुनाव में फिर भाजपा रामजादे हरामजादे और गोली मारो सालों को, के स्तर पर ले जा रही है। भाजपा उपयोग करती है मगर फिर फेंक देती है। संसद में अपशब्द कहने वाले रमेश बिधूड़ी की टिकट लोकसभा में काट दी थी, अब दिल्ली विधानसभा में दी है। ऐसे ही सोनिया गांधी माफी मांगों कहने वाली स्मृति ईरानी आज कहीं नहीं दिखतीं। चुनाव हारना कोई वजह नहीं होती। उत्तराखंड में पुष्कर सिंह धामी विधानसभा चुनाव हारे थे मगर भाजपा ने फिर भी मुख्यमंत्री बनाया। मगर स्मृति ईरानी जो दस साल तक लगातार नंबर टू नंबर थ्री कभी-कभी तो नंबर एक जैसा व्यवहार करने वाली मंत्री रहीं आज कहीं नहीं हैं। बहुत सारे नाम हैं। उमा भारती, विनय कटियार और इनकी क्या बात करें भाजपा संगठन के सबसे बड़े नेता आडवानी को एक मिनट में किनारे कर दिया गया था। मुरली मनोहर जोशी, तोगड़िया बहुत सारे नाम हैं। तो अगर लगा कि बिधूड़ी की प्रियंका गांधी के खिलाफ इस निम्नतम स्तर की टिप्पणी से भाजपा कालकाजी में मुकाबले से बाहर हो जाएगी तो उनकी उम्मीदवारी छीनी भी जा सकती है। अभी तक माना जा रहा था कि कालकाजी में मुकाबला ओपन है। आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार मुख्यमंत्री हैं। इसलिए टक्कर उन्हीं से होगी। लेकिन किस की होगी भाजपा की या कांग्रेस की यह संशय था। मगर अब वहां भाजपा ने जिस को टिकट दिया और अगर चुनाव तक वहीं रहा तो निश्चित रूप से ही कांग्रेस की उम्मीदवार अलका लांबा जो वहां से चुनाव लड़ने से बचना चाह रही थीं उनका फायदा हो जाएगा। भाजपा अपने आप तीसरे नंबर पर और अगर कोई और निर्दलीय या किसी और पार्टी से कोई बड़ा चेहरा आ या तो फिर और नीचे चली जाएगी। जहां से दो महिलाएं चुनाव लड़ रही हों वहां एक राष्ट्रीय महिला नेता पर इस तरह की शर्मनाक टिप्पणी करने के बाद भाजपा कुल वोटों के आधे वोटों, महिला वोटों से तो वैसे ही वंचित रह जाएगी। महिलाएं ऐसे आदमी को कैसे वोट दे सकती हैं जो महिलाओं पर ऐसी घटिया टिप्पणी करे।और यह असर केवल कालकाजी विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। दिल्ली विधानसभा की सभी 70 सीटों पर इसका असर होगा। संभव है भाजपा रमेश बिधूड़ी की वहां से उम्मीदवारी वापस ले ले और किसी महिला को वहां से टिकट दे दे। जो भी हो रमेश बिधूड़ी की राजनीति यहां से खत्म हो जाएगी। लोकसभा में गालियां देने के बाद दुनिया भर में उन्होंने भारत की संसदीय लोकतंत्र की प्रतिष्ठा धूमिल कर दी थी। नतीजा भाजपा को उनका लोकसभा का टिकट काटना पड़ा। लोकसभा हारने वाले को तो विधानसभा का टिकट दिया जाता है मगर लोकसभा का टिकट गलत व्यवहार के कारण काटने वाले को विधानसभा का नहीं। भाजपा लोकनिंदा से तो डरती है। मगर अंदर खाने ऐसे लोगों को बढ़ावा देती है। इसलिए विधानसभा दे दिया। लेकिन टिकट मिलने वाले दिन ही बिधूड़ी ने फिर गुल खिला दिया। भाजपा के नेताओं को इस बात का भी डर लगता है कि दूसरी पार्टियों की महिला नेता के बारे में टिप्पणी करने की कभी प्रतिक्रिया भी हो सकती है। कोई वहां से उनके यहां के मामलों पर भी टिप्पणी कर सकता है। अभी 2024 लोकसभा चुनाव के पहले तक मोदीजी और पार्टी की स्थिति मजबूत थी। अगर कोई कुछ कहता तो उसका असर नहीं होता। व्यक्ति और पार्टी जब शिखर पर होते हैं। चढ़ता सूरज होते हैं तो आलोचनाएं चिपकती नहीं हैं। उलटे बूमरेंग कर जाती हैं। मणिशंकर अय्यर को सस्पेंड होना पड़ा था। मगर अब 240 पर रुकने के बाद मोदी जी और बीजेपी की वह आलोचनाओं से परे स्थिति नहीं है। अब अगर सवाल होंगे तो वह जवाब मांगेंगे। इसलिए बहुत संभव है कि विधानसभा लड़ने हारने से पहले ही बिधूड़ी की राजनीति खत्म हो जाए। प्रियंका गांधी के खिलाफ शर्मनाक टिप्पणी कांग्रेस बर्दाश्त करेगी नहीं। उसका हर कार्यकर्ता प्रियंका में उम्मीदें देखता है। अपनी वापसी के लिए उनके करिश्माई व्यक्तित्व पर कांग्रेस बहुत भरोसा कर रही है। इन पर की गई टिप्पणी को वह इस तरह नहीं लेगी कि कोई बात नहीं कहने दो। ये लोग तो इसी तरह कहते रहते हैं। खुद प्रियंका भी ऐसे घटिया बयान देने वालों को छोड़ती नहीं हैं। बिधूड़ी को वह सीधे जवाब शायद न दें मगर जिस पार्टी से वह आता है उनके नेताओं से वे जरूर जवाब मांग सकती हैं। महिला अपमान का मुद्दा बना सकती हैं। डा. आम्बेडकर के अपमान के बाद महिला अपमान का मुद्दा भाजपा को बहुत भारी पड़ेगा। आम जनता प्रियंका में इन्दिरा गांधी देखती है। और इन्दिरा के लिए आज भी गांव-गांव तक दूर दराज के इलाकों तक बहुत सम्मान है। उनकी छवि वाली प्रियंका गांधी पर ऐसी टिप्पणी किसी को भी बर्दाश्त नहीं होगी। कांग्रेस तो उबली पड़ी है। कार्यकर्ताओं से लेकर बड़े नेताओं तक सब इस अपमानजनक टिप्पणी पर अपनी भावनाओं पर नियंत्रण नहीं रख पा रहे हैं। दूसरी तरफकुछ लोग भाजपा के बचाव के लिए हेमा मालिनी पर लालू प्रसाद यादव की टिप्पणी को कोट कर रहे हैं। यह एक और आश्चर्य और पतनशील संस्कृति की बात है। क्या लालू यादव ने गलत किया तो भाजपा को भी यह करने का अधिकार मिल जाता है? यह सबसे वाहियत तर्क माना जाता है कि पहले भी ऐसा हुआ था। कोर्ट में यह तर्क देने वाले को जज बहुत सुनाते हैं। कि पहले भी अगर ऐसा हुआ है तो अब भी होगा इसका क्या मतलब है? पहले भी घटियापन हुआ है तो अब भी होगा? यह सिलसिला कभी रुकेगा नहीं! लालू यादव ने जब हेमा मालिनी के लिए कहा तब भी इसका विरोध हुआ था। महिलाओं के प्रति जब भी कोई असम्मानजनक बात करता है तो उसका विरोध होता है। मगर यह बात कभी नहीं होती कि पहले ऐसा हो गया है तो अब होने में कहने में क्या है? गलत तो गलत है। देश के मूल्यों को नष्ट करता है। अगर कहीं गालियां दी जाती हैं तो यह मतलब नहीं कि उसे सार्वजनिक रूप से दी जाने दी जाए। महिलाओं पर टिप्पणी किसी भी समाज के लिए गर्व की बात नहीं होती है। शर्म की ही बात होती है लेकिन हमारे यहां तो उच्चतम स्तर से ,प्रधानमंत्री के स्तर से 50 करोड़ की गर्ल फ्रेंड, जर्सी गाय, कांग्रेस की विधवा, सूर्पनखा, दीदी ओ दीदी जैसी जाने कितनी बातें कही गईं। तो हम फिर दोहरा रहे हैं कि वह टाइम अलग था। मोदी का चढ़ता सूरज था। कुछ भी कह कर निकल लेते थे। आज नहीं हो पाएगा। लोकसभा में बहुमत नहीं है। बहुमत के लिए 272 चाहिए। सीधे 32 कम हैं। नीतीश कुमार ने अभी इधर-उधर करके बताया। चन्द्रबाबू नायडू या कोई भी और समर्थन देने वाला देख रहा है।

जब आँख खुली, तो अम्मा की गोद का एक सहारा था

आराध्या सिंह लेखिका

जब आँख खुली, तो अम्मा की गोद
का एक सहारा था
उसका नन्हा सा आँचल, मुझको
भूमंडल से प्यार था
माँ की ममता और प्यार, मेरी
जिंदगी का आधार था
उसकी गोद में खेलता, मैं सारे
संसार को भूल जाता था
माँ की आँखों में देखा, एक अनंत प्रेम
का सागर था
उसकी मुस्कान में मिला, एक जीवन भर का साथी था
माँ की दुआओं में शक्ति, मेरी जिंदगी को आगे बढ़ाती थी
उसकी आशीर्वाद में मिला, एक जीवन भर का मार्गदर्शक था
जब मैंने पहली बार चलना सीखा, तो माँ ने मुझे संभाला
उसकी गोद से उतरकर, मैंने पहली बार जमीन पर कदम रखा
माँ की आवाज में मिला, एक प्यार भरा साथी था
उसकी देखभाल में मिला, एक जीवन भर का सहारा था
जब मैंने पहली बार बोलना सीखा, तो माँ ने मुझे सुना
उसकी आँखों में देखा, एक अनंत प्रेम का सागर था
माँ की बातों में मिला, एक जीवन भर का ज्ञान था
उसकी सिखाई हुई बातें, मेरी जिंदगी को आगे बढ़ाती थीं
जब मैं बड़ा हुआ, तो माँ ने मुझे जिम्मेदारी सिखाई
उसकी बातों में मिला, एक जीवन भर का मार्गदर्शन था
माँ की देखभाल में मिला, एक जीवन भर का सहारा था
उसकी आशीर्वाद में मिला, एक जीवन भर का साथी था
आज मैं जहाँ भी हूँ, माँ की दुआओं का नतीजा हूँ
उसकी ममता और प्यार, मेरी जिंदगी का आधार है
माँ की यादें मेरे दिल में, हमेशा जीवित रहेंगी
उसकी आशीर्वाद में मिला, एक जीवन भर का साथी रहेगा
माँ की ममता और प्यार, मेरी जिंदगी को आगे बढ़ाता है
उसकी दुआओं में शक्ति, मेरी जिंदगी को मजबूत बनाती है
माँ की यादें मेरे दिल में, हमेशा जीवित रहेंगी
उसकी आशीर्वाद में मिला, एक जीवन भर का साथी रहेगा
मैं माँ के प्यार और ममता का आभारी हूँ
उसकी दुआओं और आशीर्वाद का शुक्रिया अदा करता हूँ
माँ की यादें मेरे दिल में, हमेशा जीवित रहेंगी
उसकी आशीर्वाद में मिला, एक जीवन भर का साथी रहेगा

इस कविता में मैंने माँ के प्यार और ममता को व्यक्त करने का प्रयास किया है। माँ की गोद में खेलने से लेकर बड़े होने तक की यात्रा को दर्शाया गया है। कविता में माँ की दुआओं, आशीर्वाद और ममता को महत्व दिया गया है।

प्रयागराज में 144 वर्ष बाद मनाया जाएगा पूर्ण महाकुंभ

अतुल शास्त्री

महाकुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का जीवंत संगम है, जो लोगों को अपनी आस्था को पुनः जागृत करने और ईश्वर के निकटता का अहसास दिलाने का अवसर प्रदान करता है। प्रयागराज में महाकुंभ 2025 का यह आयोजन सभी श्रद्धालुओं के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बनने जा रहा है, जो आस्था, एकता और श्रद्धा के इस अद्वितीय पर्व में भाग लेकर आत्मिक शांति का अनुभव करायेगा। ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री बताते हैं कि, इस बार तो 144 वर्ष पूर्ण करके प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होंगी, 13 जनवरी 2025 को पौष पूर्णिमा स्नान के साथ होगी, और इसका समापन 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान के साथ होगा। कुंभ मेले में, पहले स्नान का नेतृत्व संतों द्वारा किया जाता है, जिसे कुंभ के शाही स्नान के रूप में जाना जाता है और यह सुबह 3 बजे शुरू होता है। संतों के शाही स्नान के बाद आम लोगों को पवित्र नदी में स्नान करने की अनुमति मिलती है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह माना जाता है कि, जो इन पवित्र नदियों के जल में डुबकी लगाते हैं, वे अनंत काल तक धन्य हो जाते हैं। यही नहीं, वे पाप मुक्त भी हो जाते हैं और उन्हें मुक्ति के मार्ग की ओर ले जाता है। भारत में यह मेला बहुत अनूठा है जिसमें पूरी दुनिया से लोग आते हैं और पवित्र नदी में स्नान करते हैं। इसका अपना ही धार्मिक महत्व है और यह संस्कृति का भी एक महत्वपूर्ण प्रतीक माना जाता है। यह मेला लगभग 48 दिनों तक चलता है। मुख्य रूप से दुनिया भर से साधू, संत, तपस्वी, तीर्थयात्री, इत्यादि भक्त इसमें भाग लेते हैं। कुंभ मेला दो शब्दों कुंभ और मेला से बना है। कुंभ नाम अमृत के अमर पात्र या कलश से लिया गया है जिसे देवता और राक्षसों ने प्राचीन वैदिक शास्त्रों में वर्णित पुराणों के रूप में वर्णित किया था। मेला, जैसा कि, हम सभी परिचित हैं। एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है %सभा% या %मिलना%। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, कुंभ मेला 12 वर्षों के दौरान चार बार मनाया जाता है। कुंभ मेले का आयोजन 4 तीर्थ स्थलों में होता है। ये स्थान हैं- उत्तराखंड में गंगा नदी पर हरिद्वार, मध्य प्रदेश में शिप्रा नदी पर उज्जैन, महाराष्ट्र में गोदावरी नदी पर नासिक और उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना और सरस्वती तीन नदियों के संगम पर प्रयागराज। कुंभ मेले का पहला लिखित प्रमाण भागवत पुराण में उल्लिखित है। साथ ही, समुंद्र मंथन के बारे में भागवत पुराण, विष्णु पुराण, महाभारत और रामायण में भी उल्लेख किया गया है। साथ ही इसके बारे में जो प्राचीनतम वर्णन मिलता है वह सम्राट हर्षवर्धन के समय का है। ऐसा माना जाता है कि, शंकराचार्य ने इसकी शुरुआत की थी और कुछ कथाओं के अनुसार कुंभ की शुरुआत समुद्र मंथन से ही हो गई थी। आइये समुद्र मंथन से जुड़ी हुई जानकारी के बारे में जानते हैं। ऐसा कहा जाता है कि, महर्षि दुर्वासा के श्राप के कारण जब इंद्र और देवता कमजोर पड़ गए, तब राक्षस ने देवताओं पर आक्रमण करके उन्हें परास्त कर दिया था। ऐसे में सब देवता मिलकर विष्णु भगवान के पास गए और सारा व्रतांत सुनाया। तब भगवान ने देवताओं को दैत्यों के साथ मिलकर समुद्र यानी क्षीर सागर में मंथन करके अमृत निकालने को कहा। ये दूधसागर ब्रह्मांड के आकाशीय क्षेत्र में स्थित है। सारे देवता

भगवान विष्णु जी के कहने पर दैत्यों से संधि करके अमृत निकालने के प्रयास में लग गए। जैसे ही समुद्र मंथन से अमृत निकला देवताओं के इशारे पर इंद्र का पुत्र जयंत अमृत कलश लेकर उड़ गये। इस पर गुरु शंकर के कहने पर दैत्यों ने जयंत का पीछा किया और काफी परिश्रम करने के बाद दैत्यों ने जयंत को पकड़ लिया और अमृत कलश पर अधिकार जमाने के लिए देव और राक्षसों में 12 दिन तक भयानक युद्ध चला रहा। ऐसा कहा जाता है कि, इस युद्ध के दौरान पृथ्वी के चार स्थानों पर अमृत कलश की कुछ बूंदे गिरी थी। जिनमें से पहली बूंद प्रयाग में, दूसरी हरिद्वार में, तीसरी बूंद उज्जैन और चौथी नासिक में गिरी थी? इसीलिए इन्हीं चार जगहों पर कुम्भ मेले का आयोजन किया जाता है?। अतुल शास्त्री ने बताया कि देवताओं के 12 दिन, पृथ्वी पर 12 साल के बराबर होते हैं। इसलिए हर 12 साल में महाकुम्भ का आयोजन किया जाता है??। अर्द्ध कुम्भ का आयोजन 6 वर्ष और पूर्ण कुम्भ का आयोजन 12 वर्षो के बाद किया जाता है. यह मेला दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक और संस्कृति का प्रतीक है। कुम्भ मेला 48 दिनों तक चलता है। किस स्थान पर कुंभ मेले का आयोजन किया जाएगा यह राशियों पर निर्भर करता है। कुंभ मेले में सूर्य और बृहस्पति का खास योगदान माना जाता है। सारे नवग्रहों में से सूर्य, चंद्र, गुरु और शनि की भूमिका कुंभ में महत्व पूर्ण मानी जाती है। जब अमृत कलश को लेकर देवताओं और राक्षसों के बीच युद्ध चल रहा था तब कलश की खींचा तानी में चंद्रमा ने अमृत को बहने से बचाया, गुरु ने कलश को छुपाया था, सूर्य देव ने कलश को फूटने से बचाया और शनि ने इंद्र के कोप से रक्षा की।इसीलिए ही तो जब इन ग्रहों का योग संयोग एक राशि में होता है तब कुंभ मेले का आयोजन होता है। जब सूर्य एवं बृहस्पति एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं तभी कुंभ मेले को मनाया जाता है और इसी आधार पर स्थान ओत तिथि निर्धारित की जाती है।जब बृहस्पति बृषभ राशि में प्रवेश करते हैं और सूर्य मकर राशि में तब कुंभ मेले का आयोजन प्रयाग राज में किया जाता है। जब सूर्य मेष राशि और बृहस्पति कुंभ राशि में प्रवेश करते हैं तब कुंभ मेले का आयोजन हरिद्वार में किया जाता है। जब सूर्य और बृहस्पति का सिंह राशि में प्रवेश होता है तब यह महा कुंभ मेला नासिक में मनाया जाता है। जब बृहस्पति सिंह राशि में और सूर्य देव मेष राशि में प्रवेश करते हैं तब कुंभ मेले का आयोजन उज्जैन में किया जाता है। जब सूर्य देव सिंह राशि में प्रवेश करते हैं, इसी कारण उजैन, मध्यप्रदेश में जो कुंभ मनाया जाता है उसे सिंहस्थ कुंभ कहते हैं। हर तीसरे वर्ष कुंभ का आयोजन होता है। गुरु ग्रह एक राशि में एक साल तक रहता है और हर राशि में जाने में लगभग 12 वर्षों का समय लग जाता है। इसीलिए हर 12 साल बाद उसी स्थान पर कुंभ का आयोजन किया जाता है। निर्धारित चार स्थानों में अलग-अलग स्थान पर हर तीन साल में कुंभ लगता है। प्रयाग का कुंभ के लिए आशिक महत्व है।144 वर्ष बाद यहां पर महाकुंभ का आयोजन होता है। यह केवल प्रयागराज में आयोजित किया जाता है।यह प्रत्येक 144 वर्षो में या 12 पूर्ण कुंभ मेले के बाद आता है?।यह हर 12 साल में आता है। मुख्य रूप से भारत में 4 कुंभ मेला स्थान यानि प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक और उज्जैन में आयोजित किए जाते हैं। यह हर 12 साल में इन 4 स्थानों पर बारी-बारी आता है। आधा कुंभ मेला जो भारत में हर 6 साल में केवल दो स्थानों पर होता है यानी हरिद्वार और प्रयागराज।चार अलग-अलग स्थानों पर राज्य सरकारों द्वारा हर तीन साल में आयोजित किया जाता है लाखों लोग आध्यात्मिक उत्साह के साथ भाग लेते हैं।

विकास से जुड़ी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं से सदैव सुसज्जित दिखेगा रामपुरखास : मोना

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधान मण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा है कि रामपुर खास में ढांचागत विकास को मजबूती प्रदान कर इसे विकास की अनवरत चमक प्रदान की जाती रहेगी। उन्होंने कहा कि यहां राज्य एवं केन्द्र की सभी ग्रामीण विकास से जुड़ी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के नेतृत्व में मंजूरी दिलाते हुए सुदृढ़ विकास का उनका संकल्प तेजी से साकार होता दिखेगा। रविवार को क्षेत्र में एक दिवसीय दौरे पर पहुंची विधायक आराधना मिश्रा मोना ने कैम्प कार्यालय पर पार्टी कार्यकर्ताओं तथा नगर के सभासदों एवं पंचायत प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि हाईवे सड़क परियोजनाओं को भी लकदक बनाते हुए क्षेत्र के सभी पुरवों और मजरों में शत प्रतिशत विद्युतीकरण को प्राथमिकता देने का उद्देश्य भविष्य के रामपुर खास को रोजगार तथा लघुउद्योग के क्षेत्र में बहुआयागी वातावरण के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया जाना है। विधायक मोना ने बाबा घुइसरनाथ धाम को सभी तीर्थ स्थलों से आवागमन के क्षेत्र में केन्द्रित सुविधा से लैस बनाने पर जोर देते हुए कहा कि लालगंज से संग्रामगढ़ हाईवे पर अड़तीस करोड़ की लागत से पुर्ननिर्माण कराने से बाबा धाम से चित्रकूट धाम की आस्था को भी मजबूती मिल सकेगी। विधायक मोना ने पार्टी कार्यकर्ताओं से क्षेत्र में संचालित हो रहे विकास कार्यों में तेजी में सहयोग के साथ जरूरतमंद की हर संभव मदद के लिए अभियान जारी रखने को कहा। उन्होंने लालगंज नगर पंचायत के सभासदों के साथ संवाद में कहा कि टाउन एरिया को नगरीय विकास के सर्वश्रेष्ठ माडल के साथ आदर्श बनाया जायेगा। कैम्प कार्यालय पर बड़ी संख्या में जुटे पंचायत प्रतिनिधियों व सभासदों तथा व्यापारियों ने लालगंज संग्रामगढ़ हाईवे परियोजना के लिए करोड़ों की एक मुश्त सौगात प्रदान करने के लिए विधायक आराधना मिश्रा मोना का माल्यार्पण कर स्वागत किया। संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष केडी मिश्रा व संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। संयोजन ब्लाक प्रमुख इं. अमित सिंह पंकज व चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने किया। सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू ने स्वागत तथा चेयरपर्सन अनीता द्विवेदी ने आभार जताया। इधर दौरे पर पहुंची विधायक मोना का क्षेत्र के अगई मोड़, रायपुर तियाई, वर्मानगर, धधुवागाजन में भी ग्रामीणों द्वारा गर्म जोशी से स्वागत हुआ दिखा। इस मौके पर विकास मिश्र, पवन शुक्ला, पप्पू तिवारी, धर्मपाल सरोज, दारा सिंह, आशीष जायसवाल, मुरलीधर तिवारी, छोटेलाल सरोज, शैलेन्द्र मिश्र, शेरू खां, रामू मिश्रा, इं. अतुल शुक्ल, अभिनव शुक्ल, सिंटू मिश्रा, इं0 सुनील पाण्डेय, राजू पाण्डेय, विनय पाण्डेय, रामचन्द्र तिवारी, जयसिंह, विन्देश्वरी पटेल, टिल्लू सिंह, धर्मेन्द्र मिश्र आदि रहे।

ठंड से कांप रही बच्ची को विधायक का मिला दुलार

रविवार को क्षेत्र के दौरे पर पहुंची विधायक आराधना मिश्रा मोना के द्वारा ठण्ड से कांप रही बच्ची की मदद में दरियादिली लोगों की जुबा पर देर शाम तक छायी दिखी। क्षेत्र के वर्मानगर तिराहे पर विधायक मोना लोगों से मुलाकात कर रही थी तभी उनकी नजर ठण्ड से कांप रही एक बच्ची पर जा टिकी। आराधना मिश्रा मोना बच्ची के पास स्वयं पहुंच गयी। उसे दुलारा पुचकारा। बच्ची ने अपना नाम गौरी बताया। तब विधायक ने उसे पहले मिठाई खिलवायी और अपने साथ दुकान पर लेजाकर स्वयं उसे गर्म कपड़े खरीदवाये। विधायक मोना की दरियादिली की बाजार में लोगों की जुबान पर प्रसशंसा भी होती दिखी।

महिला की पिटाई को लेकर दो आरोपियों के खिलाफ केस

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने महिला की पिटाई को लेकर दो आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के बछवल निवासी नंद लाल की पत्नी रेखा देवी ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि बीती चार जनवरी को दिन में साढ़े तीन बजे आरोपियों ने रंजिशन उसके दरवाजे पर पहुंचकर गाली गलौज की। मना करने पर गांव के सुशील की पत्नी सुनीता उसके साथ मारपीट करने लगी। वहीं आरोपिता के पति सुशील कुमार भी अचानक हमलावर हो उठा और उसके सिर पर पत्थर से हमलाकर दिया। शोर शराबा सुन गांव के लोग दौड़े तो आरोपी जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मारपीट, गाली गलौज तथा धमकी का केस दर्ज किया है।

महाकुम्भ के दृष्टिगत थाना रामगंज पर एसडीएम व सीओ ने दुकानदारों व ढाबा संचालको के साथ की बैठक

अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी श्रीमती अर्पणा रजत कौशिक के निर्देशन में रविवार को महाकुम्भ-2025 के दृष्टिगत उपजिलाधिकारी अमेठी व क्षेत्राधिकारी अमेठी मनोज कुमार मिश्र द्वारा थानाक्षेत्र रामगंज अन्तर्गत चौकी रामगंज पर थानाक्षेत्र के सम्भ्रान्त व्यक्तियों, व्यापारियों, ढाबा मालिकों और सम्मानित दुकानदारों के साथ गोष्ठी की गयी। गोष्ठी में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों से अवगत कराते हुये सड़को को अतिक्रमण मुक्त करने मे सहयोग की अपील की गयी जिससे महाकुम्भ मेले में आने-जाने वाले श्रद्धालुओ को सुगम एवं सुचारु यातायात उपलब्ध कराया जा सके व श्रद्धालुओं को यातायात संबंधी कोई असुविधा न हो। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक रामगंज व अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मुसाफिरखाना के दादरा व रामरायपुर में जुड़ेंगे और जीतेंगे कार्यक्रम का हुआ आयोजन

➢ सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रियंक हरिविजय त्रिपाठी धीरू व सपा के प्रदेश सचिव छोटेलाल यादव रहे मौजूद

अमेठी। रविवार को जनपद के मुसाफिरखाना क्षेत्र के दादरा व रामरायपुर गांव में आयोजित जन संवाद जुड़ेंगे और जीतेंगे कार्यक्रम के तहत सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रियंक हरि विजय त्रिपाठी धीरू व सपा के प्रदेश सचिव छोटेलाल यादव ने सीधे जनता से संवाद किया।कार्यक्रम के दौरान सपा नेताओं ने भाजपा सरकार की नाकामियों को जनता के बीच रखते हुए कहा कि वर्तमान सरकार भेदभाव की राजनीति करती है जबकि समाजवादी पार्टी सबको साथ लेकर चलने में विश्वास करती है। दादरा व रामरायपुर गांव में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम के दौरान लोगों से बातचीत करते हुए सपा के वरिष्ठ नेता पूर्व जिलाध्यक्ष प्रियंक हरि विजय त्रिपाठी धीरू ने कहा कि समाजवादी पार्टी गांव गरीब किसान मजदूर के साथ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए कृत संकल्पित है।जब भी समाजवादी पार्टी की प्रदेश की सत्ता में आई है तब तब अपने कार्यकाल में सीधे जनता को लाभ देने की कोशिश की।102 व 108 एंबुलेंस के साथ ही डायल 112 के साथ ही सरकारी अस्पतालों में दवाई की पर्ची एक रुपए कर दिया वही गरीबों को लोहिया आवास उपलब्ध कराने के साथ छात्रों को लैपटॉप देने के साथ मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए काम किया। सपा नेता प्रियंक हरि विजय त्रिपाठी धीरू ने कार्यकर्ताओं से मिलजुल कर समाजवादी पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए काम करने का आवाह्न किया।सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष व प्रदेश सचिव छोटेलाल यादव ने कहा भाजपा सरकार युवाओं को रोजगार देने में पूरी तरह से विफल साबित हुई है।वही वर्तमान सरकार ने दवाई पढ़ाई महंगी होने के साथ ही महिलाओं का उत्पीड़न बढ़ गया है।ये सरकार महापुरुषों तक का अपमान करने से भी नहीं हिचक रही है।उन्होंने इस दौरान कहा कि कार्यकर्ता सबको सम्मान देने के साथ अन्याय अत्याचार के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करें।जन संवाद जुड़ेंगे और जीतेंगे कार्यक्रम में लोकतंत्र रक्षक सेनानी लल्लन यादव रघुनंदन यादव सपा के विधान सभा क्षेत्र अध्यक्ष गिरीश यादव एडवोकेट सपा के पूर्व प्रवक्ता विजय कुमार यादव देव राज यादव अक्षय प्रताप यादव हर्ष यादव सर्वेश कुमार यादव विजय प्रकाश यादव अभय प्रताप यादव सर्वेश कुमार यादव बीडीसी सिया लाल पाण्डेय पारस नाथ मौर्य हरिश्चंद्र यादव लल्लू पासी शत्रोहन यादव राज कुमार यादव राम अवध स्वामी नाथ यादव अशोक कुमार कन्नौजिया अरविंद यादव संतराम यादव देवराज प्रधान सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

राज्य सूचना आयुक्त ने सूचना अधिकार को प्रभावी बनाये जाने पर दिया जोर

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्य सूचना आयुक्त स्वतंत्र प्रकाश ने रविवार को स्थानीय निरीक्षण गृह में अधिकारियों के साथ बैठक कर सूचना अधिकार के तहत लोगों को समयबद्ध जानकारियां उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने अफसरों से कहा कि सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के सभी आवेदन सुरक्षित रखे जाय। उन्होंने कहा कि लोगों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए इन आवेदनों पर समयबद्ध कार्यवाही की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से लालगंज क्षेत्र में सूचना अधिकार के आवेदनों के निस्तारण की प्रगति की भी जानकारियां हासिल की। बैठक में शामिल अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी संजय राय ने पुलिस विभाग से जुड़ी कार्यवाहियों का सूचना आयुक्त को ब्यौरा दिया। वहीं प्रभारी तहसीलदार पंकज कुमार ने तहसील में स्थापित सूचना अधिकार पटल की गतिविधियों से उन्हें अवगत कराया। बैठक में लालगंज सीओ रामसूरत सोनकर व प्रभारी निरीक्षक नीरज यादव भी मौजूद रहे।

20 ग्राम स्मैक के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

शुकुल बाजार अमेठी। जनपद अमेठी में चलाये जा रहे नशा मुक्त अमेठी अभियान के तहत रविवार को उ0नि0 विष्णुपाल वर्मा थाना बाजार शुकुल द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त राकेश कुमार पुत्र स्व0 रामसजीवन निवासी ग्राम बदलू पाण्डेय का पुरवा मजरे ऊंचगांव थाना बाजारशुक्ल को ग्राम ऊंचगांव के पास से रात्रि में गिरफ्तार किया गया । तलाशी से अभियुक्त के कब्जे से 20 ग्राम स्मैक बरामद हुआ जिसपर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए अभियुक्त को जेल भेज दिया।

सलोन मिनी स्टेडियम में आशियाना क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ उद्घाटन

सलोन,रायबरेली। आशियाना क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 का उद्घाटन शनिवार को सलोन मिनी स्टेडियम ग्राउंड पर भव्य तरीके से किया गया। मुख्य अतिथि सीओ सिटी अमित सिंह ने फीता काटकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। उद्घाटन मैच रायबरेली और उसरी की टीमों के बीच खेला गया। मैच का टॉस रायबरेली की टीम ने जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। रायबरेली की टीम ने 15 ओवरों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 176 रन बनाए। टीम के बल्लेबाज सुफियान ने 23 गेंदों में 56 रनों की तूफानी पारी खेली और 2 विकेट भी चटकाए। उनके इस ऑलराउंड प्रदर्शन ने उन्हें मैन ऑफ द मैच का खिताब दिलाया। जवाब में, उसरी की टीम सिर्फ 120 रन बना पाई। रायबरेली की टीम ने यह मैच 56 रनों से जीतकर टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीओ सिटी अमित सिंह के साथ कोतवाली प्रभारी सलोन जितेन्द्र प्रताप सिंह, चेयरमैन चंद्रशेखर रस्तोगी, सुल्ली साहू, आकाश सिंह, और कमेटी के सदस्य मोनू जोशी, गप्पू, रोहित, गुफरान, रोहित साहू, समीर, शाहरुख, मुजब्बीर, फरहान सिद्दीकी, रणजीत शर्मा, सगीर, उमेश जोशी और अजय श्रीवास्तव मौजूद रहे। इस टूर्नामेंट का आयोजन युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया है। उद्घाटन समारोह और पहले मैच के दौरान दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

अमेठी दौरे के अंतिम दिन सांसद ने किया जनसुनवाई

शोक संवेदना के साथ ही विभिन्न कार्यक्रम में हुए शामिल

अमेठी। सांसद किशोरी लाल शर्मा ने अपने तीन दिवसीय दौरे के अंतिम दिन रविवार को क्षेत्रीय जनसमस्याओं के समाधान और सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लिया। उनके दिनभर के कार्यक्रम में जनसुनवाई, शोक संवेदना, किसान मेला, खेलकूद प्रतियोगिता, और वरिष्ठजनों के साथ क्षेत्रीय विकास पर चर्चा शामिल रही।।उनकी दिन की शुरुआत सुबह 10:00 बजे से केंद्रीय कांग्रेस कार्यालय, गौरीगंज में आयोजित जनसुनवाई से हुई।उन्होंने क्षेत्रीय नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनके शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया।

इस दौरान कई विभागीय अधिकारियों से दूरभाष पर बातचीत कर समस्याओं का निराकरण किया। इसके पश्चात 11:15 बजे सांसद शर्मा कांग्रेस कार्यालय से निकलकर शोक संवेदना के लिए दिनेश मिश्रा के घर पहुंचे। उन्होंने मिश्रा की बहू के आकस्मिक निधन पर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया।।11:30 बजे भोये बाजार में प्रधान राम बौरासी की अगुवाई में आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में पहुंचे। यहां स्थानीय लोगों से संवाद किया और उनकी समस्याओं पर चर्चा की।।12:15 बजे सांसद किशोरी लाल शर्मा ने किसान मेला एवं विराट दंगल कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मां काली धाम, रानीपुर जामो में शिरकत की। कार्यक्रम के आयोजक लल्लन मिश्रा और कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने उनका स्वागत किया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह बढ़ाया और आयोजकों को शानदार आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।दोपहर में निर्धारित कार्यक्रम के तहत बाबा की कुटी, मेहमानपुर सिंगपुर, और शिव रिसॉर्ट, आहोरवा भवानी में वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। यहां उन्होंने क्षेत्रीय विकास और आमजन की समस्याओं के निराकरण पर चर्चा की।शाम को विधानसभा सलोन रायबरेली के रेवरी सैदपुर डीह में भ्रमण करते हुए जनता से संवाद किया और क्षेत्रीय विकास कार्यों का जायजा लिया। दिन का समापन रायबरेली के भूए मऊ स्थित अतिथि गृह में रात्रि विश्राम के साथ हुआ। सांसद के दौरे को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता अनिल सिंह ने बताया कि सांसद किशोरी लाल शर्मा का यह दौरा जनता और क्षेत्र के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह दौरा गांधी परिवार की सेवा भावना और कांग्रेस पार्टी की नीतियों को जमीन पर उतारने का प्रयास है।सांसद किशोरी लाल शर्मा ने दौरे के दौरान क्षेत्रीय विकास, सामाजिक समस्याओं, और जनहितकारी योजनाओं पर विशेष जोर दिया। उन्होंने क्षेत्र के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और जनता को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

एक दिवसीय वालीबाल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मुसाफिरखाना। अमेठी क्षेत्र के ग्राम सभा औरंगाबाद में रविवार को एक दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें आठ टीमों ने हिस्सा लिया। रविवार को औरंगाबाद गांव में आयोजित वालीवाल प्रतियोगिता का शुभारम्भ जोनल कमिश्नर जीएसटी भूपेंद्र शुक्ल ने फीता काटकर किया। इस दौरान भूपेंद्र शुक्ल ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर उनका उत्साह वर्धन किया।उक्त अवसर पर भूपेंद्र शुक्ल ने कहा कि जीवन में खेल का बहुत बड़ा महत्व है। इससे मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक विकास के साथ-साथ लोगों का जुड़ाव महत्वपूर्ण है।उद्घाटन मैच अलीगंज और औरंगाबाद के बीच 21-21 अंक का खेला गया। कड़े मुकाबले के बीच अलीगज ने 5 अंक से यह उद्घाटन मैच जीत लिया। प्रतियोगिता में रसूलाबाद, पूरे ताज, मवईया, अनभुला, पूरे चितई,पूरे जोरई, सदुल्लापुर, औरंगाबाद, पूरे गुलाम हैदर व कोटिया की टीमों ने हिस्सा लिया। आयोजक समीर आजम ने आए सभी खिलाडियो का उत्साह वर्धन किया।इस मौके पर रवि तिवारी, समीर आजम, सैफ आलम,सज्जन पाठक, सोनू मिश्रा, अदनाम अहमद,सद्दाम हुसैन, नायाब आलम, मोनू, सानू, साकिर, इमरान आदि मौजूद रहे।

48 गोवंश के साथ दो अन्तरजनपदीय गौ तस्कर गिरफ़्तार

➲ चेकिंग के दौरान लीलापुर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर पुलिस ने चेकिंग के दौरान घेराबंदी करके दो गौ तस्करों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। वहीं पुलिस ने अड़तीस गौवंश को भी गौ तस्करों के कब्जे से मुक्त कराया। एसओ लीलापुर अरूण कुमार पुलिस फोर्स के साथ थाने के समीप वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी बीच मुखबिर से एक वाहन से गौवंश ले जाने की मिली सूचना पर पुलिस सतर्क हो गयी। पुलिस ने वैरियर लगाकर तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक को कब्जे में लेने में कामयाबी हासिल की। पुलिस ने ट्रक पर सवार दो तस्करों को धर दबोचा। वहीं ट्रक चालक समेत कई गौ तस्कर भाग निकलने में कामयाब रहे। एसओ अरूण कुमार ने बताया कि अड़तीस गौवंश के साथ गौ तस्कर शबाब हुसैन पुत्र इब्नुल हुसैन निवासी बड़ा गांव थाना शाहगंज जनपद जौनपुर तथा इजहार पुत्र बाबू उर्फ महबूब निवासी पटैला थाना खुटहन, जौनपुर को गिरफ्तार करने में कामयाबी मिली है। गिरफ्तार आरोपी इजहार पर जनपद समेत अमेठी, उन्नाव, प्रयागराज, सुल्तानपुर, औरैया, चंदौली जनपदों में पशु क्रूरता अधिनियम का केस दर्ज है। वहीं आरोपी शबाब पर भी देवरिया व मऊ जनपद में मुकदमा दर्ज है। शबाब गैंगेस्टर का भी आरोपी है। बरामद किये गये अड़तीस गौवंश में एक मृत मिला जबकि अन्य सैंतीस को गौ आश्रय स्थल देवली भेजवा दिया गया है। पांच नामजद व चार अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

एलायंस क्लब का गर्म कपड़े व कम्बल वितरण अभियान निरंतर जारी

ठंड से ठिठुर रहे जरूरतमंदों की सेवा ही है सच्ची मानवता :रोशनलाल उमरवैश्य

प्रतापगढ़। जिले में एलायंस क्लब इंटरनेशनल प्रतापगढ़ द्वारा चलाए जा रहे गर्म कपड़े व कंबल वितरण एवं बेजुबान जानवरों को ठंड से बचाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। उसी क्रम में रविवार को चिलबिला, मीरा भवन, चौक, स्टेशन, बस अड्डा आदि जगहों पर गर्म कपड़े व कम्बल वितरण किया गया। क्लब की पदाधिकारी देर रात भ्रमण कर जरूरतमंदों को कम्बल वितरण आदि कर रहे हैं। क्लब के इंटरनेशनल डायरेक्टर समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य ने बताया कि क्लब गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी भीषण ठंड से बचाने के लिए गरीब असहायों जरूरतमंदों को गर्म कपड़े कम्बल आदि वितरित कर रहा है। कम्बल का यह अभियान पूरे जाड़े भर चलता रहेगा। क्लब का यह अभियान सभी दानदाताओं के सहयोग से चल रहा है। अभियान में सहयोग करने वालों में सुरेश अग्रवाल, श्रवण कुमार, छेदीलाल, देवानंद, संतोष कुमार, डॉ0 दयाराम मौर्य, अनवर, विवेक कुमार, आदर्श कुमार, शनि महराज,श्याम बाबू, राकेश कुमार, अमन गुप्ता, आशीष कुमार, सूरज उमरवैश्य आदि हैं।

गैंगस्टर के दो अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

➪ दोनों पर दर्ज हैं कई आपराधिक मामले

अमेठी। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान में पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली जहां पुलिस ने गैंगस्टर के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार अपराधी बाराबंकी और सुल्तानपुर जिले के जिले के रहने वाले हैं जिन पर लूट हत्या का प्रयास फिरौती,अपहरण मांगने समेत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों अभियुक्त को जेल भेज दिया है। पूरा मामला अमेठी कोतवाली क्षेत्र के टिकरी चौराहे के पास का है जहां रविवार सुबह अमेठी कोतवाली पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों तलाशी कर रही थी इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि गैंगस्टर के दो अभियुक्त जिन पर विभिन्न जिलों में लूट,हत्या का प्रयास,फिरौती समेत कहीं गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं और इनका एक संगठित गिरोह है जो मिलकर अपराध करता है जिसका गैंग लीडर शेखावत हुसैन है। सूचना मिलते ही हरकत में आई पुलिस ने मौके से शेखावत हुसैन और शान मोहम्मद उर्फ अली को गिरफ्तार कर लिया। शेखावत हुसैन सुल्तानपुर जिले के गभड़िया का रहने वाला है जबकि शान मोहम्मद उर्फ अली बाराबंकी जिले के रामसनेहीघाट थाना क्षेत्र का रहने वाला है। दोनों अभियुक्तों पर कई जिलों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। बताया जा रहा है कि इनका एक बड़ा गैंग है जो अलग-अलग जिलों में कई वारदातों को अंजाम दे चुका है।यह सभी एक बार फिर किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे लेकिन उसके पहले ही पुलिस ने दोनों गैंगस्टर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया।

तहसील समाधान दिवस पर आए 37 मामलों में तीन का हुआ निस्तारण

अनुपस्थित सात अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

दुद्धी,सोनभद्र। तहसील सभागार में आयोजित तहसील समाधान दिवस पर विभिन्न समस्याओं से युक्त कुल 37 जन शिकायती प्रार्थना पत्र आए। जिसमें तीन मामले का निस्तारण किया गया। समाधान दिवस का अयोजन शनिवार सुबह 10 बजे दोपहर 2 बजे तक किया गया। तहसील समाधान दिवस की अध्यक्षता अपर जिला अधिकारी सहदेव मिश्रा ने किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से तहसील समाधान दिवस पर पड़े जन शिकायती प्रार्थना पत्रों को जल्द से जल्द गुणवत्ता परक निस्तारण किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का निस्तारण गंभीरता से संबंधित अधिकारी करें। इसमें अगर किसी भी तरह की लापरवाही बरती गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित कर दी जाएगी। वहीं एडीएम ने तहसील दिवस में अनुपस्थित होने वाले सात अधिकारियों क्रमशः ईओ रेनुकूट, सहायक विकास अधिकारी बभनी, सहायक विकास अधिकारी कृषि म्योरपुर, सहायक वन संरक्षक अधिकारी पिपरी व सहायक वन संरक्षक अधिकारी म्योरपुर, प्रभागीय लौंगिक अधिकारी रेनुकूट, एसएचओ बभनी के तहसील दिवस में अनुपस्थित होने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इस मौके पर एसडीएम निखिल यादव, तहसीलदार ज्ञानेंद्र यादव, पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रदीप सिंह चंदेल, पिपरी सीओ अमित कुमार, बी. डी. ओ. रामविशाल चौरसिया सहित अन्य तहसील स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

उदयपुर पुलिस ने गायब छात्रा को किया बरामद

लालगंज, प्रतापगढ़। उदयपुर पुलिस ने गायब छात्रा को बरामद कामयाबी हासिल की है। उदयपुर थाना क्षेत्र के एक गांव की उन्नीस वर्षीय छात्रा तीन जनवरी की सुबह करीब आठ बजे घर से सांगीपुर स्थित डिग्री कालेज परीक्षा देने के लिए निकली थी। छात्रा के घर न लौटने पर परेशान परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी। पीड़िता की माने तो दी गयी तहरीर में पूरे सरदार ननौती निवासी शिवा यादव पुत्र समर बहादुर यादव द्वारा उसकी पुत्री का अपहरण करने और पांच लाख की फिरौती मांगने का आरोप लगाया। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस की एक टीम छात्रा की तलाश में जुटी थी। एसओ राधेबाबू ने बताया कि ननौती के पास से गायब छात्रा की बरामदगी की गयी है। आरोपी युवक की तलाश की जा रही है।

गरीबों को ठंड से राहत हेतु प्रगति वस्त्र बैंक ने कुल 170 कंबल किए वितरण

दुद्धी,सोनभद्र। स्थानीय कस्बे के रामलीला मैदान व टाउन क्रिकेट क्लब परिसर में स्थित प्रगति वस्त्र बैंक के तत्वाधान में शनिवार की सुबह 10ः00 बजे ठंड से राहत हेतु गरीब असहाय जरूरत मंद लोगों में कंबल, व मिष्ठान वितरण किया गया। जिसमें कुल 170 कंबल वितरण किया गया। इस अवसर पर प्रगति वस्त्र बैंक का संचालन कर रहे विकास कुमार अग्रहरी ने बताया कि दिनांक 4 जनवरी को नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी राजेश जायसवाल उर्फ राजू जायसवाल के जन्मदिवस के अवसर पर उनके पुत्र शुभम जायसवाल की नेक पहल व विचार के कारण हमारे वस्त्र बैंक को 110 कंबल व वृद्ध जनों के लिए मिष्ठान प्राप्त हुआ, जो सराहनी कार्य है। हर व्यक्ति अपना जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से अपने घरों पर, होटल में ,प्रतिष्ठानों में एवं अन्य स्थानों पर मानते हैं। हजारों, लाखों रुपए खर्च कर देते हैं ,वहीं आज कस्बे के प्रतिष्ठित व्यापारी के पुत्र व उनके परिवार जनों के द्वारा जन्मदिन इन जरूरतमंद वृद्धजन ,असहाय लोगों के बीच मनाया गया जो अति सराहनीय व दिल को छू देने वाला कार्य है। हर व्यक्ति को इस तरह का सामाजिक कार्य कर अपने अच्छे दिनों को व्यतीत करना चाहिए ,जिससे कि ऐसे जरूरतमंदों की कुछ आवश्यकता पूर्ण हो सके। उनका आशीर्वाद इन दयालु लोगों को प्राप्त हो सके। विकास अग्रहरि ने अपने और अपने टीम की ओर से कंबल वितरण करने वाले परिवार जनों का आभार व्यक्त किया है ।वहीं अपने वस्त्र बैंक द्वारा इकट्ठा किए गए अन्य कंबलों का भी वितरण किया ।कंबल बाँटने वालों में तीन वर्षीय नन्ही परी का योगदान कार्यक्रम में मानो चार चांद लगा दिया। कंबल पाकर लोगों के चेहरे पर अलग ही मुस्कान दिखाई दी। इस मौके पर पत्रकार इब्राहिम खान, रवि सिंह, रामबाबू ,अनिल कुमार एवं वस्त्र बैंक के सहयोगी मौजूद रहे।

अभाविप की आगामी कार्यक्रम योजना बैठक का हुआ समापन

प्रतापगढ़,सुल्तानपुर। विदित हो कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 64 वाँ प्रांत अधिवेशन सुल्तानपुर में 28 तारीख को संपन्न हुआ जिसमें प्रतापगढ़ जिले के कार्यकर्ताओं की विभिन्न घोषणाएं हुई इस क्रम प्रदेश सह मंत्री सुधांशु रंजन मिश्रा , प्रांत सेवा कार्य प्रमुख डॉ धर्मेंद्र प्रताप सिंह , प्रांत कार्य समिति सदस्य शुभम मिश्रा, प्रांत एसएफडी सह संयोजक आयुष, प्रांत कार्यकरिणी सदस्य तनुश्री गुप्ता, शिवांग श्रीवास्तव, स्वत्रत पांडेय घोषित हुए इसी क्रम में आज प्रभात एकेडमी में सभी नवीन पदाधिकारियों का स्वागत समारोह और नवीन कार्ययोजना बैठक रखी गई जिसमें प्रांत सेवा कार्य प्रमुख डॉ धर्मेंद्र प्रताप सिंह जी ने कहा इस सत्र में सेवार्थ विद्यार्थी के कार्यकर्ताओं द्वारा जिले में सेवा शनिवार कार्यक्रम की शुरुआत की जायेगी जिसमें प्रत्येक शनिवार को कार्यकर्ता जिले के विभिन्न स्थानों पर सेवा का कार्य करेंगे। इसी क्रम में प्रदेश सह मंत्री सुधांशु रंजन मिश्रा ने कहा कि इस सत्र में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता आने वाले दिनो में विभिन्न कार्यक्रम करेगी 10 जनवरी से 23 जनवरी तक विद्यार्थी परिषद युवा पखवाड़ा आयोजित करेगी, 11 जनवरी को स्वामी करपात्री इण्टर कालेज में छात्र सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा इसी क्रम में मैडिवीजन के माध्यम से मेडिकल के स्टूडेंट्स के बीच वर्कशॉप कराई जाएगी और जिले में चल रहे बिना फिटनेस के स्कूली वाहनों व विद्यालयों से वाहनों मे बच्चों को क्षमता से अधिक बैठा करके यात्रा कराने के संबंध में और नो एंट्री के समय शहर में भारी वाहनों के आवागमन में रोक ना लगा पाने की आरटीओ की लापरवाही के खिलाफ विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता आरटीओ का घेराव करेंगे साथी ही जिले में व्याप्त शैक्षिक समस्याओं के खिलाफ भी विद्यार्थी परिषद इस सत्र में आंदोलन करेगा इस मौके पर विभाग प्रमुख ब्रह्मानंद सिंह , रोहित उपाध्याय, आकाश श्रीवास्तव, नमन, अमन श्रीवास्तव, सुशांत राजपूत अंजनी दुबे, विश्वास सविता गौतम, श्वेता मिश्रा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेरहवीं श्राद्ध में पहुंचे नेता प्रतिपक्ष विधान परिषद लाल बिहारी यादव

अहरौरा,मिर्जापुर। अहरौरा खास डीह के पूर्व प्रधान एवं पूर्व नगर अध्यक्ष समाजवादी पार्टी अहरौरा रणजीत यादव के भाई रवि यादव की असामायिक मृत्यु हो जाने के कारण रविवार को उत्तर प्रदेश विधान परिषद के नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव एवं वाराणसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी आशुतोष सिन्हा उनके निज आवास पर 13वीं श्राद्ध में पहुंच कर श्रद्धांजलि अर्पित की। नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव ने कहा कि कार्यकर्ता की कमी स्थानीय समाजवादी पार्टी संगठन को खलेगी। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में सपा नगर अध्यक्ष मुमताज अहमद, रविंद्र बहादुर सिंह पटेल पूर्व मड़िहान विधायक प्रत्याशी, प्रमोद केसरी ,नरेंद्र मौर्य, सदानंद यादव पूर्व जिला महासचिव, गोपाल दास गुप्ता, हाफिज रोशन, डा.मो. इस्लाम, सफीक अहमद, रियाज, विजय यादव,सुनील पटेल आदि उपस्थित रहे।

क्रिकेट में ड्रीम इलेवन की टीम सीपीएस चैलेंजर्स को हराकर बनी विजेता

लालगंज, प्रतापगढ़। चिल्ड्रन पैराडाइज स्कूल मे चार दिवसीय खेल महोत्सव का समापन हुआ। इस सीपीएस क्रिकेट टूर्नामेंट में ड्रीम इलेवन ने सीपीएस चैलेंजर्स को तीन विकेट से हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले मे सीपीएस चैलेंजर्स पांच विकेट खोकर आठ ओवर मे मात्र 67 रन ही बना सकी। वहीं 67 रन को चेस करने उतरी ड्रीम इलेवन ने अपने खिलाड़ी हर्ष शुक्ला द्वारा बनाये गये रनों के साथ फाइनल का खिताफ अपने नाम किया। मैन आफ द मैच सोहेल खान रहे। वहीं मैन आफ दि सीरीज का खिताब उप विजेता टीम के कप्तान नौरेज खान को मिला। इससे पूर्व सेमी फाइनल का दूसरा मुकाबला एकलव्य स्पोर्ट क्लब और ड्रीम इलेबन के बीच खेला गया। जिसमें सोहेल खान मैन आफ दि मैच बने। सीपीएस कप का शुभारंभ विद्यालय के प्रबंधक आदर्श मिश्र ने किया। समापन अवसर पर सीपीएस ग्रुप आफ एजूकेशन के एमडी विकास मिश्र ने विजेता तथा उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं शील्ड, मेडल प्रदान किया। विद्यालय के उप प्रधानाचार्य ध्रुव नारायण मिश्र ने सभी अतिथियों का स्वागत किया व आभार जताया।

सामाजिक विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों में रुचि बढ़ाने के लिए शिक्षक आनंद मोहन का लेख

बीजपुर, सोनभद्र। आगामी बोर्ड परीक्षा को ध्यान में रखकर एनटीपीसी परिसर स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल, रिहंदनगर के अध्यापक अनन्त मोहन ने विद्यार्थियों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से अपनी लेखनी से समाजिक विज्ञान के महत्व को दर्शाया है।

सामाजिक विज्ञान में
है सर्वाधिक ज्ञान

इसे जो पढ़े, वह बने महान।
गीता, उपनिषद और पुराण;
सब में भरा है, सामाजिक ज्ञान।
तुलसी, कबीर और रसखान ;
सबने सिखाया, सामाजिक ज्ञान।
गांधी, पटेल और सुभाष ;
सबको था समाज का ज्ञान।
इसी से ये सभी हुए महान।
चार वेद, अट्ठारह पुराण;
सब में भरा है, सामाजिक ज्ञान।
धर्म का इतिहास है ,
विज्ञान का इतिहास है।
आर्यभट्ट, वराह मिहिर ;
और सुश्रुत का इतिहास है।
सूर्य का इतिहास है;
चंद्रमा का इतिहास है।
सौरमंडल के निर्माण;
का भी इतिहास है ।
विश्व एक समाज है;
यह भी इतिहास बताता है।
%वसुधैव कुटुंबकम?% का ;
उद्घोष इसी से आता है ।
विश्व समुदाय का;
इतिहास में भरी गाथा है?।
सामाजिक विज्ञान ;
जीने का तरीका सिखाता है।
इतिहास सिखाता अतीत को;
सिविक्स सिखाता वर्तमान।
भूगोल हमको सिखलाता है;
ज्योतिष और विज्ञान।
अर्थशास्त्र की अर्थ प्रणाली;
देती है हमको खुशहाली।
आपदा प्रबंधन की है नीति;
आपदा को बना दो अतीत।
बेहतर जीवन जीना है तो;
सामाजिक विज्ञान में लगाओ प्रीत।
सामाजिक विज्ञान में लगाओ प्रीत।।

अनन्त मोहन
एम ए (त्रय)
इतिहास,दिल्ली विश्वविद्यालय।
हिंदी एवं राजनीतिशास्त्र, एपीएस
विश्वविद्यालय, रीवा।
बीएड।

प्रधान संघ अध्यक्ष सुशील सिंह ने फीता काटकर कैनवस क्रिकेट प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

जमालपुर, मिर्जापुर। विकासखंड जमालपुर के श्रीमती देवकली इंटर कॉलेज में स्वर्गीय देवानंद स्मृति कैनवस क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। खेल का शुभारंभ प्रधान संघ अध्यक्ष ग्राम जमालपुर के युवा प्रधान सुशील सिंह उर्फ बाचा ने फीता काटकर तथा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए शुरूआत किया। प्रथम उद्घाटन मैच सामने घाट और कबीरपुर रामनगर के बीच में हुआ। सामने घाट की टीम ने प्रथम बल्लेबाजी करते हुए 105 रन बनाया और कबीरपुर की टीम ने अंतिम ओवर में 106 रन बनाकर विजई हुआ। मैन ऑफ द मैच अजय कुमार को दिया गया। इस अवसर पर बाबू कुशवाहा ,कृष्ण सिंह, प्रमोद कुमार ,राजेंद्र पाल, सुधीर मौर्य ,बबलू मिश्रा ,रोशन शर्मा, मनीष कुशवाहा, आकाश मौर्य आदि उपस्थित रहे।

अरबों रुपए खर्च होने के बाद भी कनहर सिंचाई परियोजना के तहत बनने वाले नहरों का निर्माण अधर में

दुद्धी, सोनभद्र। उत्तर प्रदेश का ड्रीम प्रोजेक्ट कही जाने वाली महत्वपूर्ण कनहर सिंचाई परियोजना अमवार बांध का निर्माण कनहर बनाओ हरियाली लाओ के तत्कालीन नारों के बीच दर्जनों गांव के आदिवासी, गिरिवासियों के विस्थापित होने के बावजूद भी बंजर ऊसर जमीन पर अभी तक नहरों का निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण, खेतों में सिंचाई की आँस अन्नदाता किसान की वर्षों से अधूरी है। जबकि कनहर परियोजना के निर्माण का उद्देश्य ही खेतों में सिंचाई कर हरियाली लाने और अन्नदाता किसान के जीवन स्तर में परिवर्तन खुशहाली लाने के लिए की गई है । परंतु अरबों रुपए खर्च होने के बाद भी क्षेत्र में खुशहाली की जगह मायूसी छाई हुई है। नहरों से खेतों में पानी नहीं पहुंचने के कारण लाखों हेक्टेयर भूमि बंजर वीरान पड़ी है। विस्थापितों का ना कुआं, ना तालाब, ना हीं बाग बगीचे व मवेशी बिना सब जैसे तैसे मकान का निर्माण हुआ है। 150 वर्ग फीट प्रति विस्थापित जमीन पूर्ण रूप से जमीं पर नहीं उतर सका है। प्रति विस्थापित 7 लाख 11 हजार रूपये तीन पीढ़ी का मुआवजा सरकार ने दिया जिसमें अभी तक कई विसंगतियां विस्थापन पैकेज को मूर्त रूप नहीं दे सकीं। आखिर उत्तर प्रदेश कनहर सिंचाई परियोजना डूब क्षेत्र के 11 गांव अमवार, भिसूर, सुंदरी ,कोर्ची, लांबी , सुगवामान, गोहड़ा , बघाडु (आंशिक) रंदह, कुदरी बरखोहरा जबकि छत्तीसगढ़ डूब क्षेत्र के 6 गांव त्रिशूल्ही ,धवली, झारा, सेमरवा , कामेश्वर नगर, कुशफर और झारखंड राज्य डूब क्षेत्र के 5 गांव भूमफोर, सेमरवा, फेपशा ,शुरू, परासपानी हैं। कनहर बांध नहर दायें तरफ लम्बाई 120 किलोमीटर है जिसका निर्माण लगभग 20 प्रतिशत ही अब तक हुआ है। जबकि बायें लम्बाई 125 किलोमीटर है जिसका निर्माण लगभग 15 प्रतिशत ही पूरा हो सका है। नहर की चौड़ाई नीचे तल से 2 मीटर जबकि नहर के ऊपरी तल की चौड़ाई 5 मीटर है। आखिर कनहर सिंचाई परियोजना से कुल 22 गांवो के विस्थापित होने से उत्पन्न होने वाली समस्याओं को झेलते हुए किसानों के खेतों में सिंचाई से हरियाली कब आयेगी? अब भी अन्नदाता किसान की बंजर, ऊसर जमीनें चीख चीखकर पूछ रही हैं।

शिक्षाविद् भगवती प्रसाद की मनाई गई 10वीं पुण्यतिथि

लालगंज, प्रतापगढ़। रविवार को लक्ष्मणपुर ब्लॉक के चमरुपुर शुक्लान में शिक्षाविद् स्व. भगवती प्रसाद की दसवीं पुण्यतिथि मनाई गयी व क्षेत्र के प्रबुद्धजनों को सम्मानित किया गया। मुख्यअतिथि रंजन विश्वकर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर समारोह का शुभारम्भ किया। श्रेयांशी, अमृता व प्रांसी सोनी ने सरस्वती वंदना की मनोहारी प्रस्तुति की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यअतिथि ने अलग-अलग क्षेत्रों में जन सहयोग कर रहे रमाशंकर तिवारी, नीरज गौतम, सिद्ध नारायण विश्वकर्मा, डॉ. सच्चिदानंद त्रिपाठी, संतोष त्रिपाठी शास्त्री, सत्य नारायण यादव, निखिल सिंह राठौर आदि को माला पहनाकर सारस्वत सम्मान किया। आदर्श शिक्षक की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलिसभा व विचारगोष्ठी को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि मा. सदस्य उ. प्र. राज्य महिला आयोग गीता विश्वकर्मा की प्रतिनिधि रंजना विश्वकर्मा ने शिक्षक स्व. भगौती प्रसाद स्वर्णकार को आदर्श शिक्षक बताते हुए उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षक को स्व. भगौती प्रसाद से सीख लेनी चाहिए जिस प्रकार वे विपरीत परिस्थितियों में होते हुए भी क्षेत्र में शिक्षा की अलग जगायी थी निश्चित तौर पर सराहनीय है। विशिष्ट अतिथि लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने कहा कि सेवाकार्य से ही समाज में व्याप्त असमानता की खाईं को कम किया जा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे आचार्य पं. काली प्रसाद मिश्र ने स्व. भगौती प्रसाद को आदर्श शिक्षक बताते हुए उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त पुरुषोत्तम सोनी ने किया। समाजसेवी संजय शुक्ल, राणा सुबेदार सिंह चैहान आदि ने अपने विचार रखे। आयोजन शिक्षक डॉ. अरुण कुमार रत्नाकर ने किया। संचालन शिक्षक आशुतोष गिरि दीपक ने किया। इस मौके पर डॉ. सच्चिदानंद त्रिपाठा, राजा मौर्य, ओम प्रकाश गिरि, मानिकचन्द्र, आचार्य संतोष मिश्र, बाबूलाल स्वर्णकार, शंकर लाल स्वर्णकार, मनोज शुक्ल, अरुण यादव, एबीआरसी बादशाहपुर, राकेश सिंह आदि रहे।

अजहर के छक्कों की बौछार से नेवादा को मिली शानदार जीत

जिला प्रशिक्षण अधिकारी संतोष कुमार गुप्ता ने खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन

सुलतानपुर। मेला बाग बिकवाजीतपुर हनुमानगंज में आयोजित लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल क्रिकेट प्रतियोगिता में पांचवें दिन अपना दल के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अयोध्या परिक्षेत्र अविनाश पटेल एवं जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ0 संतोष कुमार गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया, पहला मैच मुडुई नेवादा और रामपुर के बीच खेला गया जिसमें नेवादा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवरों में 223 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया जोकि इस टूर्नामेंट में अब तक का सबसे अधिक स्कोर रहा, नेवादा की तरफ से अजहर ने 16 छक्कों की मदद से 30 गेंदों में शानदार 119 रन बनाए, सुलेमान ने भी टीम के लिए 57 रन जुटाए, जवाब में रामपुर की टीम 7 ओवरों में 86 रन पर ही ढेर हो गई ! मैंन ऑफ द मैच अजहर रहे, खिलाड़ियों के इस प्रदर्शन पर कप्तान शिवम् और उपकप्तान अवनीश वर्मा ने खुशी जताई, दूसरा मैच भी काफी रोमांचक रहा जिसमें लोहरामऊ और चौकियां इलेवन की टीमें भिड़ी, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चौकियां ने निर्धारित 10 ओवर में 159 रनों का विशाल लक्ष्य दिया ,जवाब में लोहरामऊ की टीम ने भी संघर्ष करते हुए 123 रन ही बना सकी, मैंन ऑफ द मैच मंगल यादव रहे जिन्होने टीम के लिए 36 रन बनाकर दो विकेट भी झटके। टीम मैनेजर दुष्यंत ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई , निर्णायक शिवरंजन और गोविंद और स्कोरर चौधरी आशुतोष वर्मा रहे कार्यक्रम के आयोजक जगन्नाथ वर्मा ने बताया कि जिले की अच्छी टीमें प्रतिभाग कर रही हैं ! अध्यक्ष मुनेंद्र मिश्रा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया!

आम आदमी पार्टी के सदस्यता अभियान ने पकड़ी रफ्तार

सुलतानपुर। जैसे जैसे दिल्ली में चुनावी सरगर्मी बढ़ रही है वैसे वैसे जिले में पार्टी की गतिविधियों में तेजी आनी शुरू हो गई है । जनपद में पिछले एक महीने से निरंतर पार्टी का सदस्यता अभियान जारी है, उसी क्रम में रविवार को टेढ़ुई पर अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष वसीद अहमद के नेतृत्व में सह प्रभारी मो0 अख्तर राईन और जिलाध्यक्ष बृजेश प्रजापति तथा महासचिव रामबिलास तिवारी की सहभागिता से जन-जन के बीच जाकर पार्टी का प्रचार प्रसार करते हुए लोगों को सक्रिय रूप से अपना योगदान देने हेतु आह्वाहन किया गया इस बीच लगभग सैकडों लोगों ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की ! जिनका पार्टी की तरफ से टोपी तथा पटका पहनाकर स्वागत किया गया । लोगों के जोश और उत्साह को देखते हुए सह प्रभारी मो0 अख्तर ने कहा कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता पढ़े लिखे के साथ साथ अनुशासित होते हैं, जो कि अन्य पार्टियों में ऐसा नहीं है ! इसीलिए आज आम आदमी पार्टी का कोई मुकाबला नहीं कर पा रहा है। इस मौके पर आफताब हुसैन, जाकिर अली, निसार अहमद, शेषराम प्रजापति, साहिल, इमरान अहमद, फ़क़रुज्मा, सोहेल खान, नावेद अहमद, बबलू निषाद आदि मौजूद रहे।

अंतर्राज्यीय क्रिकेट टूर्नामेंट में चोपन की टीम ने रॉबर्टसगंज टीम को हराया

दुद्धी, सोनभद्र। अन्तर्राज्यीय क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार को डॉ एचपी सिंह क्रिकेट टीम राबर्ट्सगंज एवं चोपन क्रिकेट टीम के बीच एक रोमांचक मुकाबले में चोपन टीम के बल्लेबाज जोड़ी की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत चार विकेट से मैच जीत ली और सेमीफाइनल में प्रवेश की।टॉस जीतने के बाद चोपन टीम के कैप्टन प्रभात ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी एच पी सिंह की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट गवाकर 166 रन बनाया। जिसमें श्री संत ने सर्वाधिक 39 रन का योगदान दिया।चोपन के गेंदबाज शिवम व मानिक ने दो- दो विकेट हासिल किया । लक्ष्य का पीछा करते हुए चोपन की टीम ने 19.1 ओवर में ही 6 विकेट खोकर 169 रन बनाकर जीत हासिल कर लिया।जिसमें चोपन के बल्लेबाज जोड़ी ने सर्वाधिक 77 रन बनाए और रवि जायसवाल ने 34 रन की पारी खेली।गेंदबाजी करते हुए एच पी सिंह के गेंदबाज सुभाष और प्रदीप ने दो- - दो विकेट हासिल किया ।इस तरह चोपन की टीम ने डॉ एचपी सिंह क्रिकेट टीम राबर्ट्सगंज को चार विकेट से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। मैन ऑफ मैच का पुरस्कार कस्बा प्रभारी महेंद्र प्रताप सिंह के हाथों चोपन के खिलाड़ी जोड़ी को दिया गया।6 जनवरी को प्रकाश पाली राबर्ट्सगंज एवं गढ़वा के बीच मैच खेला जाएगा।

'प्यार को लेकर किसी की नहीं सुनती'

कृति सेनन

कृति सेनन इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में हैं। अभिनेत्री का नाम लंबे समय से बिजनेस मैन कबीर बहिया से जोड़ा जा रहा है। हाल ही में कृति ने एक पॉडकास्ट में प्यार, रिलेशनशिप को लेकर बातचीत की। कुछ दिन पहले कृति सेनन को बिजनेस मैन कबीर बहिया के साथ क्रिसमस सेलिब्रेट करते हुए देखा गया। सेलिब्रेशन की ये तस्वीरें कृति ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर भी साझा कीं। हाल ही में एक कृति रणवीर इलाहाबादिया के पॉडकास्ट पर नजर आई। इस पॉडकास्ट में उन्होंने करियर, पर्सनल लाइफ पर काफी सारी बातें कीं। साथ ही प्यार को लेकर भी काफी कुछ कहा। कृति का प्यार को लेकर नजरिया रणवीर इलाहाबादिया ने अपने पॉडकास्ट में कृति सेनन से पहले क्रश के बारे में सवाल किया? तो वह बोली- 'प्यार को लेकर मैं सिर्फ अपनी सुनती हूं, इस मामले में मैं किसी की नहीं सुनती हूं।' वह पॉडकास्ट में आगे अपने पहले स्कूल क्रश के बारे में भी बताती हैं। जब पहली बार हुआ प्यार कृति सेनन बताती हैं कि जब ग्यारहवीं क्लास में रही होंगी, तब उन्हें पहला क्रश हुआ था। वह लड़का काफी लंबा था, उस पर अकसर ही कृति की नजर चली जाती थी। दोनों एक-दूसरे को पसंद करते थे। वह लड़का कृति की मम्मी के फोन पर कॉल किया करता था। इस बात को मम्मी से छुपाना कृति के लिए काफी मुश्किल होता था। अपने पहले क्रश को याद करके, कृति सेनन पॉडकास्ट पर काफी मुस्कुरा भी रही थीं। फिर जब टूट गया दिल आगे चलकर कृति का पहले क्रश के साथ रिलेशनशिप टूट गया। पॉडकास्ट में कृति ने यह भी बताया कि ब्रेकअप होने पर वह रोई भी थी। बाद में उन्हें अहसास हुआ कि यह प्यार नहीं था, बस एक क्रश जैसा था। एक्टिंग के साथ प्रोडक्शन में उतर चुकी हैं कृति सेनन ने इस साल तीन फिल्मों में अभिनय किया, जिसमें 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया', 'क्रू' और 'दो पत्ती' शामिल रहीं। फिल्म 'दो पत्ती' में एक्टिंग करने के साथ कृति सेनन ने इसे प्रोड्यूस भी किया। आगे भी वह अपने प्रोडक्शन हाउस तले अलग-अलग तरह की फिल्में प्रोड्यूस करना चाहती हैं। रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ दिखीं कृति कृति सेनन और बिजनेसमैन कबीर बहिया को राहत फतेह अली खान के कॉन्सर्ट में साथ देखा गया था। एक्ट्रेस की बहन नूपुर सेनन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कॉन्सर्ट की कुछ इंस्टाग्राम स्टोरीज शेयर की हैं। न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए दुबई गई हुई हैं कृति कृति सेनन इस समय न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए दुबई गई हुई हैं। इस दौरान उनके साथ बहन नूपुर सेनन और रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया भी हैं। उन्होंने भी कॉन्सर्ट के कई वीडियोज अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किए हैं।कृति के साथ नूपुर भी आईं नजर कृति और नूपुर सेनन के साथ वरुण शर्मा, सिंगर स्टेबिन बेन, महेंद्र सिंह धोनी भी इस कॉन्सर्ट में नजर आए हैं। इस दौरान धोनी ने राहत फतेह अली खान के साथ फोटोज क्लिक कराईं, ये फोटोज सोशल मीडियो पर काफी वायरल हो रही हैं। ग्रीस में एक साथ छुट्टियां मनाने गए थे दोनों यह पहली बार नहीं है जब कृति और कबीर को साथ देखा गया है। इससे पहले भी कई बार दोनों को सोशल गैदरिंग, पार्टी में साथ देखा गया है। हालांकि दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को ऑफिशियल एक्सेप्ट नहीं किया है। कृति और कबीर के साथ होने की अफवाहें जब शुरू हुईं जब दोनों को ग्रीस में एक साथ छुट्टियां मनाते और दिवाली मनाते हुए देखा गया था। इसके अलावा एक्ट्रेस कुछ दिनों पहले दुबई में कबीर के फैमिली इवेंट में भी शामिल हुई थीं।2024 में तीन बड़ी फिल्मों में आईं नजर वहीं बात करें कृति सेनन की तो उन्होंने साल 2024 में तीन बड़ी फिल्मों में काम किया है। शाहिद कपूर के साथ फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में दिखाई दी थीं। वहीं, करीना कपूर खान और तब्बू के साथ फिल्म क्रू में भी नजर आई थी। साथ ही फिल्म दो पत्ती में कृति ने एक्टिंग के साथ फिल्म का प्रोडक्शन भी किया था।रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ दिखीं कृति कृति सेनन और बिजनेसमैन कबीर बहिया को राहत फतेह अली खान के कॉन्सर्ट में साथ देखा गया था। एक्ट्रेस की बहन नूपुर सेनन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कॉन्सर्ट की कुछ इंस्टाग्राम स्टोरीज शेयर की हैं। न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए दुबई गई हुई हैं कृति कृति सेनन इस समय न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए दुबई गई हुई हैं। इस दौरान उनके साथ बहन नूपुर सेनन और रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया भी हैं। उन्होंने भी कॉन्सर्ट के कई वीडियोज अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किए हैं। कृति के साथ नूपुर भी आईं नजर कृति और नूपुर सेनन के साथ वरुण शर्मा, सिंगर स्टेबिन बेन, महेंद्र सिंह धोनी भी इस कॉन्सर्ट में नजर आए हैं। इस दौरान धोनी ने राहत फतेह अली खान के साथ फोटोज क्लिक कराईं, ये फोटोज सोशल मीडियो पर काफी वायरल हो रही हैं। ग्रीस में एक साथ छुट्टियां मनाने गए थे दोनों यह पहली बार नहीं है जब कृति और कबीर को साथ देखा गया है। इससे पहले भी कई बार दोनों को सोशल गैदरिंग, पार्टी में साथ देखा गया है। हालांकि दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को ऑफिशियल एक्सेप्ट नहीं किया है। कृति और कबीर के साथ होने की अफवाहें जब शुरू हुईं जब दोनों को ग्रीस में एक साथ छुट्टियां मनाते और दिवाली मनाते हुए देखा गया था। इसके अलावा एक्ट्रेस कुछ दिनों पहले दुबई में कबीर के फैमिली इवेंट में भी शामिल हुई थीं।2024 में तीन बड़ी फिल्मों में आईं नजर वहीं बात करें कृति सेनन की तो उन्होंने साल 2024 में तीन बड़ी फिल्मों में काम किया है। शाहिद कपूर के साथ फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में दिखाई दी थीं। वहीं, करीना कपूर खान और तब्बू के साथ फिल्म क्रू में भी नजर आई थी। साथ ही फिल्म दो पत्ती में कृति ने एक्टिंग के साथ फिल्म का प्रोडक्शन भी किया था।कृति सेनन के रिश्ते को ऑफिशियल माने जाने की दो वजहें बताई जा रही है। इसमें एक तो पैर वाली फोटो है और दूसरी तरफ एमएस धोनी का इस सेलिब्रेशन में साथ होना वो भी फैमिली के साथ एमएस धोनी और उनकी फैमिली के साथ कृति को काफी क्लोज देखा जा सकता है। इसी वजह से सोशल मीडिया पर एक बार फिर से कृति सेनन की पर्सनल लाइफ की खबरों ने तूल पकड़ लिया है। इसे लेकर लोगों का कहना है कि एक्ट्रेस ने अपने रिश्ते को कंफर्म कर दिया है। हालांकि, उनकी ओर से रिश्ते को लेकर कुछ ना तो लिखा गया है और ना ही कुछ कहा गया है। बस तस्वीर से एक छोटा सा इशारा है। ऐसे में कृति के फैंस को अभी उनके ऑफिशियल स्टेटमेंट का और इंतजार करना होगा। एमएस धोनी के करीबी हैं कबीर बहिया अब अगर कबीर बहिया की बात की जाए तो वो एमएस धोनी के रिश्तेदार लगते हैं। बताया जाता है कि कबीर एमएस धोनी की पत्नी साक्षी के भाई लगते हैं। ऐसे में कबीर और धोनी फैमिली का करीबी का रिश्ता है। उन्हें कई मौकों पर क्रिकेटर की फैमिली के बेहद करीब देखा गया है। उनकी तस्वीरें भी साथ में चिल करते हुए सामने आई हैं। कबीर की प्रोफेशनल लाइफ पर नजर डालें तो उनका फिल्म इंडस्ट्री से कोई ताल्लुक नहीं है। वो एक बिजनेसमैन हैं। इसके अलावा अगर कृति सेनन के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो इस साल उन्हें तीन फिल्मों में देखा गया। इसमें 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया', 'क्रू' और 'दो पत्ती' जैसी फिल्मों के नाम शामिल हैं। एक्ट्रेस की तीनों ही फिल्में हिट रहीं और इसमें उन्हें काफी पसंद किया गया। कृति सेनने से जुड़ी इस खबर को तो आपने पढ़ लिया। इसके साथ ही आप ये भी खबर पढ़ सकते हैं जब एक्ट्रेस ने पहले भी अपने रिश्ते पर हिंट दिया था। कबीर बहिया संग वो काफी समय से रिलेशन को लेकर चर्चा में हैं।

रश्मिका ने पांच महीने तक 'छावा' के लिए भाषा सीखी

फिल्म श्छावाश् में एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना छत्रपति संभाजी महाराज की पत्नी, महारानी येसूबाई भोसले का किरदार निभा रही हैं। एक मराठी महारानी का किरदार निभाना रश्मिका के लिए सिर्फ एक मौका नहीं, बल्कि एक सपना था। हाल ही में दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान, रश्मिका ने बताया कि उनका सपना खुद को महारानी के रोल में देखना था, जो 'छावा' से पूरा हुआ। बता दें, इस किरदार के लिए रश्मिका ने पांच महीने तक रोजाना 3-4 घंटे भाषा सीखने में बिताए। महारानी का किरदार निभाना सपना था रश्मिका ने कहा, श्इस फिल्म के लिए मैंने बहुत ज्यादा मेहनत की है। लेकिन यह वही है जो मैंने हमेशा चाहा था। जब मैंने एक्टर बनने का सपना देखा, तब से ऐसी ऐतिहासिक फिल्म में काम करने की इच्छा थी। हमारे इतिहास, परंपराओं और संस्कृति की भव्यता मुझे हमेशा आकर्षित करती है। 'छावाश् जैसी फिल्म में काम करना मेरे लिए एक सपना पूरा होने जैसा है। मैं हमेशा से खुद को एक राजसी दुनिया में, किसी महारानी के रूप में, शाही महल, शानदार डांस और इतिहास के बीच देखने का सपना देखती थी। जब यह फिल्म मेरे पास आई तो मैं बहुत उत्साहित थी। यह लक्ष्मण उतेकर सर की दूरदृष्टि थी जिसने इसे खास बनाया।

उन्होंने मुझे पहली बार कहानी सुनाते समय कहा था कि वह मुझे एक महाराष्ट्रीयन क्वीन के रूप में देखना चाहते हैं। मेरी शक्ल-सूरत, मेरे चेहरे के फीचर्स - सब कुछ इस किरदार के लिए परफेक्ट थे। यह एक ऐसी फिल्म है जो आपको गर्व महसूस कराएगी। यह न केवल भव्य है बल्कि दिल को छूने वाली भी है।श् पांच महीने तक सीखी भाषाय लक्ष्मण सर कहते थे- दक्षिण या उत्तर नहीं, किरदार मुख्य है किरदार की तैयारी को लेकर एक्ट्रेस ने आगे कहा, श्सबसे बड़ी तैयारी लैंग्वेज को लेकर रही। हिंदी मेरी मातृभाषा नहीं है। यह भाषा मेरे लिए स्वाभाविक नहीं है लेकिन मेरी ऑडियंस के लिए इसे सीखना मेरा फर्ज था। फिर जब आपको एक क्वीन का किरदार निभाना हो, तो आपको हर चीज पर पकड़ बनानी होती है- चाल, बोलचाल, अंदाज- सबकुछ। डायलॉग के लिए मैंने हर दिन तीन से चार घंटे मेहनत की। यह सिलसिला पांच महीनों तक चला। हर शब्द, हर वाक्य को मैं इस तरह सीखती थी जैसे यह मेरी अपनी जुबान हो। मेरे लिए यह सिर्फ किरदार निभाने की बात नहीं थी, बल्कि उस किरदार की आत्मा को जीने की कोशिश थी। इस दौरान मैंने यह भी सीखा कि भाषा केवल शब्दों से नहीं, बल्कि भावनाओं से भी बनती है। लक्ष्मण सर कहते थे, 'जब लोग तुम्हें सुनेंगे, तो वे भूल जाएंगे कि तुम दक्षिण से आई हो या उत्तर से। उन्हें केवल तुम्हारा किरदार दिखेगा। मैं खुश हूं कि हमने यह हासिल किया। 'छावाश् मेरी अब तक की सबसे मेहनती जर्नी रही है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि मेरे लिए एक सपना पूरा होने जैसा है।श् सलमान खान के साथ सेट पर हर दिन एक यादगार पल होता बता दें, रश्मिका सलमान खान के साथ फिल्म 'सिकंदरश् में भी हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव को लेकर उन्होंने कहा, श्सलमान खान के साथ काम करना... क्या कहूं। यह मेरे करियर का एक बेहद खास मौका है। सेट पर हर दिन एक यादगार पल होता है। सलमान सर सबसे स्वीट और विनम्र इंसान हैं। जब वो सेट पर होते हैं, तो माहौल अपने आप हल्का-फुल्का और मजेदार हो जाता है। सब हंसते हैं, मस्ती करते हैं लेकिन साथ ही काम को लेकर पूरा फोकस भी रखते हैं। उनके साथ काम करना न सिर्फ एक सम्मान है, बल्कि उनके साथ वक्त बिताना भी बहुत कुछ सीखा जाता है। जब मुझे पता चला कि मैं सलमान के साथ फिल्म कर रही हूं, तो यकीन मानिए, मैं बहुत नर्वस थी लेकिन सलमान सर का जादू ही ऐसा है कि वो सबको तुरंत कंफर्टेबल महसूस कराते हैं। उनका स्वभाव इतना आरामदायक है कि आपको लगता ही नहीं कि आप एक लिविंग लेजेंड के साथ काम कर रहे हैं। उनके साथ काम करना न सिर्फ एक अनुभव है, बल्कि यह उन यादों में शामिल है जो मैं जिंदगी भर सहेजकर रखूंगी।

एक दिन में 60 सिगरेट पी जाते थे नाना पाटेकर

नाना पाटेकर सिर्फएक्टिंग ही नहीं बल्कि अपने समाजसेवी कामों के लिए भी जाने जाते हैं. नाना पाटेकर एक उम्दा एक्टर होने के साथ-साथ संवेदनशील इंसान भी हैं. आज के दौर में हेल्थी लाइफस्टाइल और सोशल कामों के लिए पहचान बना चुके नाना एक वक्त में हैवी स्मोकिंग की आदत से जूझ रहे थे. एक्टर 1 जनवरी को अपना 74वां बर्थडे सेलिब्रेट करेंगे. ऐसे में हम नाना पाटेकर की जिंदगी से जुड़े कुछ अनसुने अनकहे किस्से आपको बताएंगे. स्मोकिंग के आदी थे नाना पाटेकर नाना पाटेकर अपनी जिंदगी में स्मोकिंग एडिक्शन से जूझ चुके हैं. एक दौर ऐसा भी था जब वो एक दिन में 60 से ज्यादा सिगरेट पीते थे. द लल्लनटॉप से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि बेटे की मौत के बाद सदमा लग गया था और वो सिगरेट पीने के आदी हो गए थे. क्यों अपने बेटे से नफरत करते थे नाना ? नाना ने कहा था कि, ' एक वक्त के बाद उन्हें किसी खास ने समझाया तो उन्होंने इस आदत को छोड़ दिया था. नाना ने बताया कि जब मेरा बेटा पैदा हुआ तो मैंने उसका नाम दुर्वासा रखा था. जन्म से ही उसकी एक आंख में दिक्कत थी और उसे दिखाई नहीं देता था. मुझे नफरत सी होने लगी कि लोग क्या सोचेंगे कि मेरा बेटा कैसा है. मैंने कभी नहीं सोचा कि वो बच्चा क्या सोचता होगा.' बेटे की मौत से सदमे में रहे थे एक्टर नाना बताते हैं कि, 'ढाई साल के बाद वो हमें छोड़कर चला गया. कुछ किया नहीं जा सकता कुछ चीजें पहले से तय होती हैं. इसके बाद मुझे सदमा लगा और मैं सिगरेट की तरफ खिंचता चला गया. मैं नहाते वक्त भी सिगरेट पीता था.' एक दिन में 60 सिगरेट पी जाते थे नाना नाना बताते हैं कि, 'हाल इतना बुरा हो गया था कि मैं दिन में 60 सिगरेट पी जाता था. कोई बुरी बदबू की वजह से मेरी गाड़ी में भी नहीं बैठ पाता था. हालांकि मैंने कभी शराब नहीं पी लेकिन सिगरेट मैं हद से ज्यादा पीने लगा था.' ये शख्स बना सिगरेट छोड़ने की वजह नाना ने बताया कि, 'मेरी बहन की एक डांट ने मुझे सिगरेट छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया था. मेरी बहन ने अपना बेटा खोया था और एक दिन उसने मुझे खांसते देखा तो बोली तुम और क्या देखना चाहते हो. ये सुनकर मुझे दुख हुआ और मैंने सिगरेट छोड़ दी.'

हिन्दी दैनिक तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित

ड्रेसिंग रूम की बातें लीक होने पर बोले रोहित शर्मा, फ्यूचर कैप्टन पर भी दिया ये बयान

रोहित शर्मा भले ही सिडनी टेस्ट मैच में नहीं खेल रहे हैं लेकिन उन्होंने टीम इंडिया के अपने साथियों को बाहर चल रही बातों और अफवाहों पर ध्यान न देने की हिदायत दी है। साथ ही उन्होंने अपने साथियों से कहा है कि, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें टेस्ट मैच पर ध्यान दें। अंतिम टेस्ट मैच जीत कर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी अपने पास बनाए रखने पर ध्यान देने की अपील की है। भारत पांच मैच की सीरीज में अभी 1-2 से पीछे चल रहा है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी बरकरार रखने के लिए सिडनी टेस्ट जीतना बेहद अहम है। इस बीच रोहित के संन्यास लेने की अफवाहें भी चल रही हैं। रोहित ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि, ये अफवाहें हमें प्रभावित नहीं करती क्योंकि हम खिलाड़ी स्टील के बने होते हैं। हमने खिलाड़ियों को मजबूत बनाने के लिए अपनी तरफसे पूरे प्रयास किए हैं। हम कुछ चीजों को नियंत्रित नहीं कर सकते हैं और हम उनके बारे में चिंता नहीं करना चाहते हैं। हम इस पर समय बर्बाद नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि, इसे (लीक) होने दो। हम इसको लेकर कुछ नहीं कर सकते हैं। बस मैच जीतने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित करें। यही हम करना चाहते हैं। रोहित शर्मा ने कहा कि, हर कोई मैदान पर उतरना चाहता है और मैच जीतना चाहता है। हम सभी उन पर विराम लगाना चाहते हैं। मुझे बताओ, कौन सी अन्य टीम ने यहां दो बार सीरीज जीती है? हमारे पास सुनहरा मौका है। हम सीरीज तो नहीं जीत सकते लेकिन इसे ड्रॉ कर सकते हैं। रोहित ने हालांकि, स्वीकार किया है कि नए साल के टेस्ट से हटने का फैसला व्यक्तिगत स्तर पर मुश्किल था। रोहित ने आगे कहा कि, कभी-कभी ये मुश्किल होता है। मैं खेलने के लिए इतनी दूर आया हूं मैं बाहर बैठकर इतंजार करने नहीं आया हूं। मैं खेलना चाहता हूं और मैच जीतना भी चाहता हूं। जब मैं 2007 में पहली बार भारतीय ड्रेसिंग रूप का हिस्सा बना तभी से मेरा एकमात्र लक्ष्य टीम के लिए मैच जीतना रहा है। रोहित ने कहा कि कभी-कभी आपको ये समझना होता है कि टीम आपसे क्या चाहती है। अगर आप खुद को टीम से आगे रखेंगे तो इसका क्या फायदा होगा। अगर आप अपने लिए खेलते हैं खुद के लिए रन बनाते हैं तो इससे क्या होगा? अगर आप टीम के बारे में नहीं सोचते तो फिर आपको ऐसे खिलाड़ी नहीं चाहिए। 11 खिलाड़ी खेल रहे हैं और ये एक टीम है। इसलिए जो भी टीम की जरूरत है उसे करने का प्रयास करें। उन्होंने आगे कहा कि, ये मेरी निजी सोच है। मैंने अपनी क्रिकेट इसी तरह से खेली है। आम तौर पर मैं जीवन में भी ऐसा ही हूं। ऐसा नहीं है कि मैं कुछ और दिखाने की कोशिश कर रहा हूं। मैं जो हूं वह दिख रहा है। अगर किसी को पंसद नहीं है तो फिर मुझे माफकर दो। मैं वही करता हूं जो मुझे ठीक लगता है, इसमें डरने की क्या बात है। रोहित ने स्वीकार किया कि अगर कोई निर्णय गलत हुआ तो उनकी आलोचना की जाएगी लेकिन उन्होंने कहा कि इससे वह अपने तरीकों से भटकते नहीं हैं। उन्होंने कहा कि, टीम का नेतृत्व करते हुए आपको ये स्वीकार करना होगा कि आपके पास हमेशा अच्छे दिन नहीं होंगे। विचार और आपकी मानसिकता एक जैसी है। मैं 5-6 महीने पहले जैसी कप्तानी कर रहा था, आज भी मेरी मानसिकता और विचार प्रक्रिया वैसी ही है लेकिन कभी-कभी आपको अनुकूल परिणाम नहीं मिलते हैं।

ऑस्ट्रेलिया से हारे...अपने घर में क्लीन स्वीप हुए

टीम इंडिया को नहीं जंच रही गंभीर की कोचिंग?

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2024 में टीम इंडिया की जीत के बाद राहुल द्रविड़ के कार्यकाल का अंत हुआ था और गौतम गंभीर ने मुख्य कोच के रूप में कदम रखा था। ऐसा माना जा रहा था कि वह अपने साथ एक नया दृष्टिकोण लाएंगे और भारतीय टीम और ज्यादा आक्रामक होकर खेलेगी। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ उनकी सफलता के बाद गंभीर की नियुक्ति ने फैंस के मन में उम्मीदें जगाई थीं। हालांकि, जुलाई में गंभीर के पद संभालने से लेकर अब तक भारत ने उनके मार्गदर्शन में कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया। ऑस्ट्रेलिया में सीरीज हारने के बाद भारतीय टीम और उसके कोचिंग स्टाफपर सवाल खड़े होने लगे हैं। महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने तो भारतीय खिलाड़ियों के साथ-साथ कोचिंग टीम पर भी निशाना साधा था। सवाल उठना लाजमी भी है क्योंकि गौतम गंभीर और उनकी नई कोचिंग टीम के पदभार संभालने के बाद से भारतीय टीम का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। टीम लगातार अनचाहे रिकॉर्ड बना रही है और हार पर हार मिल रही है। ऑस्ट्रेलिया में हार के साथ ही टीम इंडिया ने लगातार दूसरी टेस्ट सीरीज गंवा दी। फैंस का तो यहां तक कहना है कि गंभीर की कोचिंग टीम इंडिया को नहीं जंच रही है। भारतीय टीम की इस तरह हार की कल्पना किसी ने नहीं की थी भारतीय टीम ने पिछले साल जून में टी20 विश्व कप जीता था। हालांकि, इस टूर्नामेंट को जीतने के बाद से टीम इंडिया की स्थिति कुछ खास नहीं रही है। फैंस को पिछले जून में जश्न मनाने का मौका मिला था, लेकिन इसके बाद से फैंस टीम इंडिया के प्रदर्शन कुछ खास खुश नहीं हैं। टी20 विश्व कप 2024 में टीम इंडिया की जीत के बाद राहुल द्रविड़ के कार्यकाल का अंत हुआ था और गौतम गंभीर ने मुख्य कोच के रूप में कदम रखा था। ऐसा माना जा रहा था कि वह अपने साथ एक नया दृष्टिकोण लाएंगे और भारतीय टीम और ज्यादा आक्रामक होकर खेलेगी। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ उनकी सफलता के बाद गंभीर की नियुक्ति ने फैंस के मन में उम्मीदें जगाई थीं। हालांकि, जुलाई में गंभीर के पद संभालने से लेकर अब तक भारत की अप्रत्याशित हार की कल्पना किसी ने नहीं की थी। गंभीर की देखरेख में टीम इंडिया ने एक टी20 सीरीज, एक वनडे सीरीज और तीन टेस्ट सीरीज खेली है, जिसमें खराब परिणाम मिले हैं। गंभीर ने टी20 में अपने 100 प्रतिशत जीत के रिकॉर्ड को बनाए रखा है, लेकिन उनकी कोचिंग में टीम इंडिया अभी भी अपनी पहली वनडे सीरीज जीत की तलाश में है। वहीं, टेस्ट में अपने से कमजोर टीम से सीरीज जीतने के बाद बराबरी की टीम से दो बार टक्कर में टीम इंडिया को मुंह की खानी पड़ी। भारत को अपने घर में न्यूजीलैंड से 0-3 से टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा और फिर ऑस्ट्रेलिया से उसके घर में हार मिली। गंभीर की देखरेख में टीम इंडिया का रिकॉर्ड गंभीर की देखरेख में भारत ने पांच सीरीज में दो जीते हैं, जबकि तीन में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। कुल 16 मैच में से टीम इंडिया ने छह जीते और आठ में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। एक मैच टाई और एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। इन 16 मैचों में 10 टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 मैच शामिल हैं। 10 टेस्ट में से भारत ने तीन जीते और छह में उन्हें हार का सामना करना पड़ा, जबकि एक टेस्ट ड्रॉ रहा। गंभीर की देखरेख में टीम इंडिया ने तीनों टी20 मैच जीते हैं, जबकि वनडे में तीन में से दो मैच गंवाए और एक मुकाबला टाई रहा। आइए जानते हैं गंभीर की कोचिंग में भारत ने कौन-कौन से अनचाहे रिकॉर्ड बनाए हैं... भारत बनाम श्रीलंका - फोटो रू ठब्ब् गंभीर का कार्यकाल जुलाई में शुरू हुआ था। उनके सामने पहले चुनौती श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज को जीतने की थी। श्रीलंका की टीम एक नए कप्तान चरिथ असलंका और अंतरिम कोच सनथ जयसूर्या के नेतृत्व में उतरी थी, जबकि सामने भारत को 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंचने वाला कप्तान रोहित शर्मा, विश्व कप विजेता गंभीर और कोहली थे। नतीजा बिल्कुल उल्टा आया। श्रीलंका ने भारत को तीन वनडे मैचों की सीरीज में 2-0 से हराया। पहला वनडे टाई रहा था। श्रीलंका ने भारत से आखिरी बार कोई वनडे सीरीज 1997 में जीती थी। उस वक्त अर्जुन रणतुंगा की कप्तानी वाली श्रीलंकाई टीम ने सचिन तेंदुलकर नेतृत्व वाली भारतीय टीम को 3-0 से हराकर क्लीन स्वीप किया था। उसके बाद से भारत और श्रीलंका के बीच 11 वनडे सीरीज खेली गई और सभी में भारतीय टीम ने जीत हासिल की थी। 27 साल बाद भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ वनडे में मुंह की खानी पड़ी। 2. पहली बार तीन मैचों की वनडे सीरीज में गंवाए पूरे 30 विकेट टीम इंडिया श्रीलंका के खिलाफवनडे सीरीज में तीनों ही मैचों में ऑल आउट हुई और पहली बार तीन मैचों की सीरीज में 30 विकेट गंवाए। इतना ही नहीं, टीम ने श्रीलंकाई स्पिनर्स के आगे घुटने टेक दिए। इस सीरीज में भारत के 30 में से 27 विकेट श्रीलंकाई स्पिनरों ने हासिल किए। इसके साथ ही भारत वनडे सीरीज में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट गंवाने वाली पहली टीम बन गई। 3. साल 2024 से भारत ने नहीं जीता कोई वनडे भारतीय टीम ने 2024 से लेकर अब तक सिर्फतीन वनडे मैच खेले हैं और एक भी नहीं जीत सकी है। 45 साल बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब भारतीय टीम एक कैलेंडर ईयर में एक भी वनडे नहीं जीत सकी है। भारतीय टीम आखिरी बार साल 1979 में कोई वनडे मुकाबला नहीं जीत सकी थी। 4. न्यूजीलैंड से 36 साल बाद टेस्ट मैच हारा भारत भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफतीन मैचों की सीरीज के पहले ही टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा। बंगलूरू में खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया को आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम को 36 साल बाद घरेलू मैदान पर कीवी टीम से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले न्यूजीलैंड ने 1988 में भारत को हराया था। 5. 19 साल बाद मिली चिन्नास्वामी स्टेडियम में हार भारतीय क्रिकेट टीम के लिए बंगलूरू का चिन्नास्वामी स्टेडियम अभेद किला बन चुका था, लेकिन न्यूजीलैंड ने चिन्नास्वामी में 19 साल बाद भारत को हारने पर मजबूर कर दिया। इससे पहले चिन्नास्वामी में भारतीय टीम ने 2005 में कोई टेस्ट गंवाया था। तब भारत को पाकिस्तान से हार का सामना करना पड़ा था। 6. घर में पहली बार 50 से कम स्कोर पर ऑलआउट टीम इंडिया न्यूजीलैंड के खिलाफ बंगलूरू टेस्ट में सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड बना गई। इस मैच की पहली पारी में भारतीय टीम सिर्फ 46 रन के स्कोर पर ही ढेर हो गई। इसके साथ ही भारतीय टीम अपने घर में सबसे न्यूनतम स्कोर पर आउट हुई। 7. घर में रिकॉर्ड 18 टेस्ट सीरीज जीतने के बाद मिली हार बंगलूरू टेस्ट जीतने के बाद न्यूजीलैंड ने भारत को पुणे में दूसरे टेस्ट में 113 रन से हराया और सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। भारत ने 12 साल बाद घर में कोई टेस्ट सीरीज गंवाया। साथ ही घर में रिकॉर्ड 18 टेस्ट सीरीज जीतने के बाद भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफहार झेलनी पड़ी। भारत घर में आखिरी टेस्ट सीरीज 2012 में हारा था। इसके बाद से टीम इंडिया ने लगातार 18 टेस्ट सीरीज जीती थीं। 8. भारत 24 साल बाद घर में क्लीन स्वीप बंगलूरू और पुणे टेस्ट हारने के बाद भी गंभीर की टीम इंडिया ने कोई सीख नहीं ली और मुंबई में तीसरा टेस्ट भी हार गए। न्यूजीलैंड ने मुंबई में खेले गए।

इंग्लैंड के खिलाफसीरीज में किसे मिलेगा मौका, क्या अभिषेक शर्मा करेंगे ओपन, ऐसी हो सकती है टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया

अब भारत को इंग्लैंड के खिलाफटी20 और वनडे सीरीज में हिस्सा लेना है। इंग्लैंड के खिलाफभारत को पहले 5 मैचों की टी20 सीरीज और उसके बाद 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इस टी20 सीरीज में टीम इंडिया अपनी पूरी ताकत के साथ उतरेगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ5 मैचों की टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद अब भारत को इंग्लैंड के खिलाफटी20 और वनडे सीरीज में हिस्सा लेना है। इंग्लैंड के खिलाफ भारत को पहले 5 मैचों की टी20 सीरीज और उसके बाद 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इस टी20 सीरीज में टीम इंडिया अपनी पूरी ताकत के साथ उतरेगी। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले भारत ने अपनी आखिरी टी20 सीरीज साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। इस सीरीज में टीम इंडिया के कई मुक्य खिलाड़ी नहीं खेल पाए थे। क्योंकि वो सभी खिलाड़ी टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चले गए थे, लेकिन इस टेस्ट सीरीज के खत्म होने के बाद भारत की टी20 टीम में यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों की वापसी हो जाएगी। टीम के मुख्य खिलाड़ियों की वापसी के बाद अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा, ऋतुराज गायकवाड़ जैसे खिलाड़ियों का पत्ता कट सकता है। यशस्वी और गिल की वापसी के बाद वो टीम के लिए ओपन करेंगे जबकि अभिषेक इंग्लैंड के खिलाफ खेलें इसकी संभावना कम ही नजर आती है। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में पंत की वापसी के साथ संजू सैमसन टीम का हिस्सा बने रह सकते हैं क्योंकि उन्होंने साउथ अफ्रीका दौरे पर 4 मैचों में 2 में शतक जड़ा था। साथ ही शिवम दुबे को भी इंग्लैंड के खिलाफवापसी हो सकती है जबकि हार्दिक पंड्या, रिंकू सिंह भी टीम में बने रह सकते हैं। इंग्लैंड के खिलाफभारतीय टीम में तेज गेंदबाज के रूप में अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और आवेश खान हो सकते हैं। स्पिनर के रूप में टीम में रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती को जगह मिल सकती है। जबकि स्पिन ऑलराउंडर के रूप में टीम में अक्षर पटेल हो सकते हैं। हालांकि, बुमराह को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आखिरी मैच के दौरान पीठ की परेशानी हो गई थी, लेकिन 22 जनवरी से शुरू होने वाले टी20 सीरीज में उनके खेलने की संभावना है। इंग्लैंड के खिलाफटी20 सीरीज के लिए भारत की संभावित टीम सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, संजू सैमसन, ऋषभ पंत, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

वेस्टइंडीज के खिलाफमहज 21 साल में संभाली थी टीम की कमान

हमारे देश के क्रिकेट इतिहास में पिता-पुत्र की कई जोड़ियां हुई हैं जिन्होंने मैदान में देश का मान बढ़ाया है। इस सबसे अलग एक जोड़ी तो ऐसी भी है, जिनमें से एक तो इंग्लैंड के लिए खेला और दूसरा भारत का सबसे बेहतरीन कप्तान कहलाया। भारत को विदेश में सीरीज जिताकर इतिहास रचने वाला कप्तान। अपनी कमजोरी को ताकत बनाने वाला कप्तान। विरोधी की आंख में आंख डालकर बात करने वाला कप्तान। आज 5 जनवरी को उसी टाइगर कप्तान का जन्मदिन है। जसका नाम है मंसूर अली खान पटौदी। जिन्हें उनके फैंस ने हमेशा टाइगर पटौदी कहकर बुलाया है। टाइगर पटौदी का जन्म 5 जनवरी 1941 को भोपाल में हुआ था। मंसूर अली खान पटौदी के नाम क्रिकेट जगत की कई ऐसी बेशुमार उपलब्धियां हैं, जो किसी भी क्रिकेटर का ख्वाब हो सकती हैं। वह भी तब, जब डेब्यू से महज छह महीने बाद ही यह मान लिया गया था कि मंसूर अली खान शायद ही प्रोफेशनल क्रिकेट ही खेल पाएं। दरअसल, 1961 में मंसूर अली खान पटौदी एक कार एक्सीडेंट का शिकार हो गए। उनकी आंखों में शीशे के टुकड़े घुस गए। दूसरी आंख भी बड़ी मुश्किल से बचाई जा सकी। लेकिन सिर्फयही मुश्किल नहीं थी। सर्जरी के बाद उन्हें दोहरी छवि दिखती थी। टाइगर पटौदी जिंदगी के इस बुरे पड़ाव को भी पार करने में कामयाब रहे और आश्यर्चजनक तौर पर ना सिर्फ नेट्स पर लौटे बल्कि भारतीय टीम में भी जगह बनाने में कामयाब रहे। भारत के बाहर पहली सीरीज जितवाकर इतिहास रच चुके मंसूर अली खान पटौदी का देश के लिए खेलने का सपना दिसंबर 1961 में पूरा हुआ। जब उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ डेब्यू टेस्ट खेला। डेब्यू के तीन महीने बाद ही उनके करियर में गजब का बदलाव आया और वे भारत के कप्तान बन गए। जब उन्होंने पहली बार भारतीय टीम की कमान संभाली तब उनकी उम्र 21 साल 77 दिन थी। यह उस वक्त सबसे कम उम्र में कप्तानी का विश्व रिकॉर्ड था। बता दें कि मंसूरी अली खान पटौदी को अचानक कप्तान इसलिए बनाया गया था क्योंकि वेस्टइंडीज दौरे पर नियमित कप्तान नारी कॉन्ट्रैक्टर को चोट लग गई थी। किस्मत के धनी नवाब पटौदी को कप्तानी भले ही किस्मत से मिली हो, लेकिन उन्होंने इस मौके को यूं भुनाया कि इतिहास रच दिया। उन्होंने स्पिन चौकड़ी को अपना सबसे तगड़ा हथियार बनाया और न्यूजीलैंड में सीरीज फतह कर आए। इसके साथ ही मंसूर अली खान पटौदी ऐसे पहले कप्तान बन गए, जिसने भारत को विदेश में सीरीज जिताई। नवाब पटौदी जूनियर का करियर कुल मिलाकर 46 टेस्ट मैच का रहा, जिनमें से 40 में तो उन्होंने कप्तानी की। पटौदी के पिता इफ्तिखार अली खान पटौदी भी अपने जमाने के मशहूर क्रिकेटर थे। इफ्तिखार अली खान पटौदी जब इंग्लैंड में पढ़ रहे थे, तब भारतीय क्रिकेट टीम नहीं बनी थी। उधर, इफ्तिखार अली को इंग्लैंड की टीम से बुलावा आ गया।

बीजीटी ट्रॉफी देने के लिये बॉर्डर के साथ बुलाये नहीं जाने पर नाराज गावस्कर

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने अपने और एलेन बॉर्डर के नाम पर दी जाने वाली ट्रॉफी आस्ट्रेलियाई टीम को प्रदान करने के लिये बुलाये नहीं जाने पर नाराजगी जताई है। आस्ट्रेलिया ने पांचवें और आखिरी टेस्ट में भारत को छह विकेट से हराकर दस साल में पहली बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीती। बॉर्डर ने आस्ट्रेलियाई टीम को ट्रॉफी प्रदान की जबकि उस समय मैदान पर मौजूद होने के बावजूद गावस्कर को बुलाया नहीं गया। गावस्कर ने बाद में कोड स्पोटर्स से कहा,' मुझे पुरस्कार वितरण समारोह में जाकर खुशी होती। आखिरकार यह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी है और आस्ट्रेलिया तथा भारत से जुड़ी है।'' उन्होंने कहा,'' मैं मैदान पर ही था। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि ट्रॉफी आस्ट्रेलिया को दी जा रही थी। उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला और जीते। ठीक है।'' उन्होंने कहा,'' सिर्फइसलिये कि मैं एक भारतीय हूं। अपने अच्छे दोस्त एलेन बॉर्डर के साथ ट्रॉफी प्रदान करके मुझे खुशी होती।'' भारत और आस्ट्रेलिया 1996 . 97 से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिये खेल रहे हैं। इस बार पांच मैचों की श्रृंखला में पिछले सप्ताह मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर अब तक का दर्शक संख्या का रिकॉर्ड टूटा है।

उनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन की ललक, वे तय करेंगे भारत के लिये क्या सर्वश्रेष्ठः रोहित और विराट पर गंभीर

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि खराब फॉर्म से जूझ रहेरोहित शर्मा और विराट कोहली में उत्कृष्ट प्रदर्शन की ललक है और वे ही टीम के सर्वश्रेष्ठ हित को ध्यान में रखकर टेस्ट क्रिकेट में अपने भविष्य पर फैसला लेंगे। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारत की 1 . 3 से हार के बाद गौतम ने दोनों दिग्गजों पर यह टिप्पणी की। आस्ट्रेलिया ने पांचवां और आखिरी टेस्ट ढाई दिन के भीतर जीतकर दस साल बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम की और भारत को विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप फाइनल से भी बाहर कर दिया। गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा,'' वे उत्कृष्ट प्रदर्शन की ललक रखने वाले दृढ इंसान है। वे ही तय करेंगे कि भारतीय क्रिकेट के लिये क्या सर्वश्रेष्ठ है।'' उन्होंने कहा,'' ड्रेसिंग रूम को प्रसन्न रखने के लिये मुझे ईमानदार और सभी के प्रति निष्पक्ष होना होगा। रोहित शर्मा ने शीर्ष स्तर पर जवाबदेही दिखाई है।'' भारतीय कप्तान रोहित ने खराब फॉर्म के कारण खुद को पांचवें टेस्ट से बाहर रखा था। कोहली भी पूरी श्रृंखला में जूझते रहे और आठ बार स्लिप में कैच देकर आउट हुए। गंभीर ने साफतौर पर कहा कि वह चाहेंगे कि टेस्ट क्रिकेट को लेकर अगर प्रतिबद्धता है तो सभी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट खेलें। उनका इशारा शायद सीनियर खिलाड़ियों की ओर था जो रणजी ट्रॉफी नहीं खेलते हैं।

साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज ने ठोका दोहरा शतक, जैक्स कैलिस को पछाड़ कर इंटरनेशनल क्रिकेट में किया गजब

पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट केपटाउन में खेला जा रहा है। पाकिस्तान के खिलाफदूसरे टेस्ट मैच के दौरान रयान रिकेल्टन 9 साल में दोहरा शतक लगाने वाले पहले दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी बन गए। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 266 गेंदों में ये उपलब्धि हासिल की। इससे पहले साल 2016 में हाशिम आमला ने दोहरा शतक लगाया था। ये रिकेल्टन का टेस्ट में पहला दोहरा शतक था और दिलचस्प बात ये है कि वह 2025 में शतक और दोहरा शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। अपने दोहरे शतक के दौरान इस बल्लेबाज ने कई रिकॉर्ड बनाए। इससे पहले उन्होंने शुक्रवार को शतक बनाने के बाद टेम्बा बावुमा के साथ मिलकर पहले दिन अपनी टीम को फिर से जीत दिलाने के लिए दोहरा शतकीय साझेदारी की। रयान ने जैक्स कैलिस को पछाड़ दिया है। कैलिस ने 267 गेंद में दोहरा शतक जड़ा था। दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे तेज टेस्ट शतक हर्शल गिब्स ने लगाया है। रयान रिकेल्टन दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे तेज टेस्ट दोहरा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गए। वह चौथे नंबर पर हैं, जिसमें हर्शल गिब्स और जैक्स कैलिस जैसे दिग्गज प्लेयर भी शामिल हैं। सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी 211 गेंद हर्शल गिब्स बनाम पाकिस्तान, केपटाउन, 2003 238 गेंद ग्रीम स्मिथ बनाम बांग्लादेश, चटगांवस 2008 251 गेंद गैरी कर्स्टन बनाम जिम्बाब्वे, हरारे, 2001 266 गेंद रियान रिकेल्टन बनाम पाकिस्तान, केपटाउन, 2025 267 गेंद - जैक्स कैलिस बनाम भारत, सेंचुरियन, 2010

अगर चहल-धनश्री का हुआ तलाक तो भारतीय क्रिकेटर को देनी होगी इतनी प्रॉपर्टी, जानें क्या कहता है नियम?

टीम इंडिया के स्पिनर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री के बीच कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। दोनों के तलाक की खबरें आ रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार वे दोनों तलाक ले सकते हैं। वहीं चहल ने धनश्री के साथ की सभी तस्वीरें इंस्टाग्राम से हटा दी हैं। लेकिन अगर दोनों का तलाक हुआ तो चहल को धनश्री को क्या कुछ देना होगा, इसको लेकर नियम क्या कहता है यहां जानें। दरअसल, हाल ही में सोशल मीडिया पर धनश्री और चहल को लेकर कई पोस्ट देखने को मिली हैं। दावा ये भी किया जा रहा है कि दोनों तलाक ले रहे हैं। चहल क्रिकेट से काफी पैसा कमाते हैं इसके साथ ही वह विज्ञापन भी करते हैं। वहीं धनश्री प्रोफेशनल डांस हैं वे कई टीवी शो में नजर आ चुकी हैं। धनश्री भी अच्छी इनकम कर लेती हैं। तलाक के मामलों में सबकुछ कोर्ट के फैसले पर निर्भर करता है।

11वें सीजन के खत्म होने के बाद इस दिग्गज खिलाड़ी ने किया संन्यास का ऐलान

10 से खेल रहे रवि कुमार के लिए ये फैसला बिल्कुल भी आसान नहीं था। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को अपने फैसले के बारे में जानकारी दी और इसके साथ ही च्व्ज्ञस् में वो जिन भी टीमों के लिए खेले हैं उन्हें शुक्रिया कहा। रवि ने कबड्डी को अपनी जिंदगी बताया है।

क्या कोहली इंग्लैंड दौरे के लिए चुने जाएंगे या खेल लिया आखिरी टेस्ट? ऑस्ट्रेलिया में दिखा फ्लॉप शो

सिडनी। 36 वर्ष के कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफपांचवें टेस्ट के दूसरे दिन भारत की दूसरी पारी के दौरान ऑफ स्टम्प से बाहर जाती स्कॉट बोलैंड की गेंद पर आउट हुए। उनकी यह समस्या सुलझने की नाम ही नहीं ले रही जो तकनीकी से ज्यादा मानसिक है। क्या भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने अपना आखिरी टेस्ट खेल लिया है या इस साल जून में इंग्लैंड दौरे के लिए उनका चयन होगा? यह एक ऐसा प्रश्न है जो भारतीय क्रिकेट फैंस के मन में कौंध रहा है। सचिन तेंदुलकर के संन्यास के बाद भारतीय बल्लेबाजी की धुरी रहे कोहली ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में बुरी तरह फ्लॉप रहे और पर्थ को छोड़ दिया जाए तो उनका बल्ला बुरी तरह फ्लॉप रहा। वह नौ पारियों में आठ बार स्लिप में कैच थमाकर आउट हुए। सिडनी की दूसरी पारी में जब विराट उसी अंदाज में आउट हुए तो खुद पर चिल्लाए और अपनी जांघ पर मुक्का मारा। अब उनकी टीम में जगह पर सवाल खड़े होने लगे हैं। क्रिकेट पंडित और फैंस उन पर निशाना साध रहे हैं। ऐसे में क्या यह दिग्गज बल्लेबाज अपने करियर को एक और मौका देना चाहेगा? यह बड़ा सवाल है। ऑफ स्टंप की कमजोरी उजागर हुई।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।